ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com ● डालटनगंज ● श्रावण शुक्ल पक्ष 06 ● विक्रम संवत 2080 ● रविवार, 23 जुलाई 2023 ● वर्ष-29 ● अंक-277 ● पृष्ठ-12 ● मूल्य ₹ 2.00

नई पीढ़ी को मंदिरों के माध्यम से देने ... पेज 10 पर

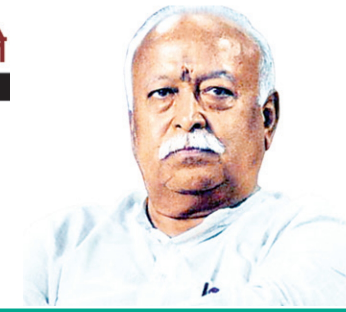

आईजी ने सभी एसपी को क्राइम कंट्रोल का दिया निर्देश

पलामू में बढ़ते अपराध से पुलिस महकमा अलर्ट

लंबित मामलों का साप्ताहिक होगा रिव्यूव, लापरवाह पुलिस पर गिरेगी गाज

संजय कुमार पांडेय

मेदिनीनगर। पलामू में लगातार हो रही लूट, छिनतई व हत्या जैसी अपराधिक घटनाओं ने पुलिस महकमे की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस के पदाधिकारी अपराध के एक मामले का उदभेदन कर अपराधियों को सलाखों के पीछे डाल रहे हैं, तब तक बेखौफ अपराधी दूसरी किसी अपराधिक घटना को अंजाम देकर पुलिस के सामने चुनौती खड़ी कर रहे हैं। अभी गुरुवार को ही पुलिस ने सड़क लूट, छिनतई व जानलेवा हमला जैसे पांच मामलों का उदभेदन करते हुए पांच अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया था कि शुक्रवार को ही शहर के भीड़भाड़ वाले पॉस इलाके में अपराधियों ने रेलकर्मी की पत्नी से एक लाख दस हजार रुपए की दिनदहाड़े छिनतई कर पुलिस को न सिर्फ चुनौती दे डाली बल्कि पुलिस डाल - डाल तो चोर पात - पात की कहावत को चरितार्थ कर दिया। गुजरे कुछ माह में जिले में आपराधिक घटनाओं पर नजर डालें तो पुलिस कई मामलों के उदभेदन और अपराधियों को पकड़ने में जरूर सफल हुई है, किन्तु अपराध को रोकना तो दूर अंकुश लगाने में भी पुलिस सफल नहीं हुई है। हालांकि जानकार इसके लिए पुलिसिंग की ईमानदार व्यवस्था में कमी को जिम्मेदार मानते हैं। जानकारों का कहना है कि पेट्रोलिंग में निकलने वाले अधिकांश पुलिसकर्मियों का

अधिक ध्यान अवैध वसूली पर होता है। हद तो यह है कि रात तो रात दिन में भी पुलिसवाले शहर के स्टेण्ड या चौक चौराहों पर वसूली करते दिख जाते हैं। उन्हें यह भी अहसास नहीं रहता की सैकड़ो निगाहें उनकी इस गलत करतूत को निहारती है। अब वर्दी के रोब के कारण कोई कुछ बोल नहीं पाता, यह अलग बात है। ऐसी स्थिति में अपराधी भी पुलिस की कर्मठता को कमजोर समझ बैठते हैं और उनमे कोई डर नहीं रह जाता। कमोवेस जिले के थानों का भी हाल ठीक नहीं ही कही जा सकती। खैर, इधर बढ़ते अपराध पर लगाम लगाने की भी पुलिसिया तैयारी तेज हो गई है। पलामू जोन के आईजी राजकुमार लकड़ा ने प्रमंडल के तीनों जिलों के एसपी को जल्द से जल्द सभी अपराधियों की सूची तैयार कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया है कि पुलिस अपराध और अपराधियों पर अंकूश लगाने को ले पूरी तरह से गंभीर है। बड़े कांडो में शमिल अपराधियों को सजा दिलाने के लिए पुलिस पूरी तत्परता से जुटी हुई है। उन्होंने पलामू, गढ़वा व लातेहार के एसपी को कहा है कि जल्द थाना प्रभारियों को लंबित मामलों के निष्पादन करने, फरार आरोपी की गिरफ्तारी, वारंट निष्पादन, कुर्की - जब्ती की कार्रवाई को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने का निर्देश दें। उन्होंने बताया तीनों जिलों के सभी लंबित मामलों की हर हफ्ते जानकारी लेंगे और रिव्यू करेंगेऔर इसमें दोषी पाये गये पुलिस पदाधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जायेगी।

झारखंड में पीएम कुसुम स्कीम के तहत 36716 योजनाओं को मिली स्वीकृति

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पीएम कुसुम योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र को ऊर्जा और पानी के सुरक्षा की गारंटी देना है। किसानों की कृषि अच्छे से हो। उनकी आय में बढ़ोतरी हो। पर्यावरण प्रदूषण से बचा जा सके। इस उद्देश्य से पीएम कुसुम योजना यानी प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान की शुरूआत की गई है। यह जानकारी केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने लोकसभा में शनिवार को दी। लोकसभा में रांची के सांसद संजय सेठ ने नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय से संबंधित सवाल पूछा था। संजय सेठ के सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पीएम

कुसुम योजना के तहत विशेष रूप से कृषि क्षेत्र को ऊर्जा और सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सौर ऊर्जा के माध्यम से किसानों को सिंचाई का लाभ मिल सके। उनकी खेती प्रदूषण से बच सके। उनकी पैदावार ज्यादा हो। उनकी आय में बढ़ोतरी हो। इन्हीं सब सोच के साथ इस योजना को लाया गया है। इसके तहत देशभर में 35 लाख से अधिक सिंचाई परियोजनाओं को क्रियान्वित किए जाने की तैयारी चल रही है। युद्ध स्तर पर इस क्षेत्र में काम भी हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने लोकसभा में बताया कि झारखंड में इस परियोजना के तहत 36717 योजनाओं की स्वीकृति दी गई है, जिसमें 12844 स्थानों पर सौर ऊर्जा से सिंचाई की व्यवस्था कर ली गई है। विगत चार वर्षों में झारखंड को इस मद में अब तक 36 करोड रुपये की राशि भी दी जा चुकी है। पीएम कुसुम योजना मार्च 2026 तक संचालित की जाएगी। पूर्व में 7.5 हॉर्स पावर तक के मोटर और मशीन लगाने की व्यवस्था थी लेकिन इसे बढ़ाकर अब 15 हॉर्स पावर तक किया गया है।

सीएम ने मुख्यमंत्री सारथी योजना अंतर्गत बिरसा योजना व रोजगार प्रोत्साहन-परिवहन भत्ता वितरण कार्यक्रम का किया शुभारंभ, कहा

हमारा प्रयास हर हाथ को मिले काम

निजी क्षेत्रों में भी हजारों युवाओं को मिला रोजगार

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज झारखंड में बड़े पैमाने पर नियुक्तियां हो रही हैं। कई विभागों में हजारों पद भरे जा चुके हैं। अनेक पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है। अभी 26 हजार शिक्षकों के लिए विज्ञापन निकल चुका है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्रों में भी अब तक 20 हजार से ज्यादा युवाओं को सरकार के प्रयासों से रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। हमारा प्रयास हर हाथ को काम देना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते समय के साथ शिक्षित युवाओं में स्वरोजगार के प्रति रुझान तेजी से बढ़ रहा है । पहले जहां वे किसी कंपनी में किसी के अधीन काम करते थे। आज अपना व्यवसाय खड़ा कर चुके हैं और अपने साथ कई नौजवानों को भी रोजगार देने का काम कर रहे हैं। सरकार भी स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री स्वरोजगार सृजन योजना लागू की है। आप इन योजनाओं से जुड़कर अपने व्यवसाय और आय को बढ़ा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य के बच्चे-बच्चियों से कहा कि आप अपने पढ़ाई पर ध्यान दें। आपकी पढ़ाई का सारा खर्च सरकार ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

युवाओं को हुनरमंद बनाने का प्रयास

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज जमाना तकनीक का है। बदलते वक्त के साथ तकनीक भी बदल रही है। ऐसे में हर इंसान को हुनरमंद होना होगा। यदि आपके पास हुनर होगा तो बाजार में आपकी डिमांड भी होगी और रोजगार के बेहतर विकल्प और अवसर भी मिलेंगे, वरना जमाने से आप काफी पीछे रह जाएंगे। ऐसे में आप अपने हुनर को निखारें और अपनी जिंदगी का अहम हिस्सा बनाएं।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को रांची के आर्यभट्ट सभागार में में मुख्यमंत्री सारथी योजना के अंतर्गत बिरसा योजना एवं रोजगार प्रोत्साहन भत्ता तथा परिवहन भत्ता वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए ये बातें कही। उन्होंने कहा कि कौशल विकास से जीवन में बदलाव के साथ ऊर्जा का संचार होता है एवं सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने की शक्ति मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने यहां के ग्रामीण नौजवानों के स्किल डेवलपमेंट के लिए यह योजना शुरू की है । पहले जहां आपको कौशल विकास के प्रशिक्षण के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था वहीं अब आपको अपने प्रखंड में ही खोले जा रहे बिरसा केंद्र में अपनी इच्छा के अनुरूप फील्ड में स्किल डेवलपमेंट का कोर्स निशुल्क कर सकेंगे । इतना ही नहीं आपको रोजगार प्रोत्साहन भत्ता और परिवहन भत्ता भी मिलेगा, ताकि आप अपने हुनर को बेहतर तरीके से निखार सकें।

क्या है बिरसा योजना : मुख्यमंत्री सारथी योजना के अंतर्गत बिरसा योजना के तहत प्रखंड स्तर पर कौशल विकास का प्रशिक्षण केंद्र खोला जाना है। इस योजना के पहले चरण में अस्सी प्रखंडों में बिरसा केंद्र खोले जा रहे हैं। यहां युवाओं को निशुल्क कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को एक हजार रुपये रोजगार प्रोत्साहन भत्ता मिलेगा जबकि युवतियों, दिव्यांगों और परलैंगिकों के लिए यह राशि एक हजार पांच ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

विधायक ने पीड़ित परिजनों से मिलकर दी सांत्वना

स्कूल में चहारदीवारी दिलाने की सरकार से करेंगे मांग : आलोक

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के रामगढ़ प्रखंड के सरजा गांव में शहीद नीलाम्बर- पीताम्बर विद्यालय की चार मासूम छात्राओं की आहर में डूबने से हुई मौत की खबर मिलते स्थानीय विधायक आलोक चौरसिया शनिवार को रामगढ़ पहुंचे और उलडंडा जाकर मृतक बच्चियों के परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान परिजनों के क्रन्दन से विधायक श्री चौरसिया की आँखे भी नम हो गई। बच्चियों के माँ पिता का दुख देख उन्होंने कहा कि ऐसी ह्रदय विदारक घटना जिंदगी में किसी के साथ ना हो। इस दौरान श्री चौरसिया ने बताया कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र से बाहर थे, सूचना मिलते वे निकल पड़े और देर रात खुद गाड़ी चलाकर वापस लौटे हैं। विधायक श्री चौरसिया ने कहा कि वे सदन के माध्यम से सरकार से यह मांग करेंगे कि वैसे स्कूल जो तालाब, आहर या नदी आदि के नजदीक हों उन्हें चिन्हित कर उस स्कूल की घेराबंदी अविलंब कराई जाए। इस दौरान विधायक श्री चौरसिया ने पीड़ित परिवारों को अविलम्ब सरकारी राहत पहुंचाने का निर्देश दिया। मौके पर रामगढ़ बीडीओ समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। बताते चलें कि गुरुवार को सरजा स्कूल के पीछे स्तिथ आहर में डूबने से इसी स्कूल की चार छात्राओं की मौत हो गई थी। शुक्रवार की सुबह सभी चार शव आहर से निकाले गये थे।

NEWS इन ब्रीफ

झारखंड में 171 चिकित्सकों की होगी नियुक्ति

रांची। राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सरकार और स्वास्थ विभाग समन्वय स्थापित कर काम कर रहे हैं। इसी कड़ी में स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग से संबद्ध झारखंड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के द्वारा चिकित्सकों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया गया है। अनुबंध पर आधारित इस नियुक्ति में चयनित चिकित्सकों की सेवा एक साल के लिए ली जाएगी। विशेषज्ञ मेडिकल ऑफिसर, रेडियोलॉजिस्ट हेमेटोलॉजिस्ट और मेडिकल ऑफिसर की रेगुलर और बैकलॉग को मिला कर कुल 171 चिकित्सकों की नियुक्ति होनी है। इनमें विशेषज्ञ चिकित्सकों के लिए 123, रेडियोलॉजिस्ट के 19 हेमेटोलॉजिस्ट के एक और मेडिकल ऑफिसर के 28 पद पर नियुक्ति की जानी है। इन सभी पदों के लिए उम्र सीमा 70 वर्ष तय की गई है। 14 अगस्त तक आवेदन करने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है।

नौशाद आलम व इंद्रजीत महथा डीआईजी रैंक में प्रोन्नत

रांची। रांची के ग्रामीण एसपी मो. नौशाद आलम और इंद्रजीत महथा को डीआईजी रैंक में प्रोन्नति दी गई है। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार इस प्रोन्नति से पदाधिकारी का वर्तमान पदस्थापन प्रभावित नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि मो. नौशाद आलम 2010 बैच और इंद्रजीत महथा 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं।

इंजीनियर वीरेंद्र राम के पिता व पत्नी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

रांची। जेल में बंद ग्रामीण विकास विभाग के निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम की पत्नी और पिता की अग्रिम जमानत याचिका पर ईडी के विशेष कोर्ट ने फैसला सुनाया है। ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने शनिवार को दोनों आरोपितों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी होने के बाद अदालत ने वीरेंद्र राम के पिता गेंदा राम और पत्नी राजकुमारी देवी को अग्रिम जमानत देने से इनकार करते हुए दोनों की याचिका को खारिज कर दी। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार ने अग्रिम जमानत याचिका का पुरजोर विरोध किया। उल्लेखनीय है कि ईडी ने 22 फरवरी को आय से अधिक संपत्ति मामले में इंजीनियर वीरेंद्र राम को गिरफ्तार किया था।

वज्रपात की चपेट में आने से महिला की मौत, दो घायल

चतरा/हंटरगंज। जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनपुर बिगहानिवासी रिंकू देवी (39) पति सुरेंद्र दास की मौत वज्रपात की चपेट में आने से मौके पर ही हो गई, जबकि सोनपुर बिगहा की मुनिया देवी पति युगल यादव एवं गेन्जना की फुलवा देवी पति लालदेव यादव घायल हो गई। घायलों को स्वास्थ्य केंद्र हंटरगंज से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार तीनों महिलाएं सोनपुर बिगहा से सटे प्रतापपुर थाना क्षेत्र के दुलीबीघा गांव से सत्संग कर लौट रही थीं। इसी दौरान बिजली के कड़कने की आवाज सुन दुलीबीघा-बलनिया सिमाना के टाड में एक पलाश के पेड़ के नीचे खड़ी हो गयीं और अचानक वज्रपात की चपेट में आ गई। इससे रिंकू देवी की मौत मौके पर ही हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही अंचलाधिकारी मिथलेश कुमार व एएसआई दिलीप यादव मौके पर पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली एवं मृतिका के परिवार को सरकार की तरफ से मिलने वाली मुआवजा राशि दिलवाने की ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

मणिपुर हिंसा पर हेमंत सोरेन ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र, कहा-

ऐसी बर्बरता पर चुप्पी भयानक अपराध

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मणिपुर में जारी हिंसा और आदिवासी महिलाओं से बर्बर सलूक वाले वीडियो पर भारत की राष्ट्रपति को पत्र लिखकर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि जनजाति भाई-बहनों के साथ घिनौनी बर्बरता और क्रूरता पर चुप्पी साधे रखना भयानक अपराध होगा। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मणिपुर में शांति-सद्भाव की बहाली और मानव गरिमा को सुनिश्चित करने के उपाय करने की गुहार लगाई है। उन्होंने पत्र में कहा है कि मणिपुर को मरहम की जरूरत है। एक राष्ट्र के तौर पर उसकी मदद जरूरी है। सीएम ने यह पत्र अपने ट्विटर हैंडल पर भी साझा किया है। उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री और राष्ट्र के एक नागरिक के तौर पर मणिपुर में सैकड़ों निर्दोष लोगों की मौत, संपत्ति और सार्वजनिक ढांचे को पहुंचाए गए नुकसान पर गहरी व्यथा जाहिर की है। उन्होंने लिखा है, मणिपुर दो महीने से ज्यादा समय से जल रहा है। जो सूचनाएं हैं उनके अनुसार, मणिपुर में बच्चों सहित 40 हजार से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं और अस्थायी शिविरों में रह रहे हैं। कुछ निहित स्वार्थों की वजह से मौन समर्थन के साथ वहां जातीय हिंसा बेरोकटोक जारी है, जो दुःखद है। मणिपुर एक जनजातीय बहुल राज्य है, जो अपनी जीवंत संस्कृति के लिए जाना जाता है। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

मोदी सरनेम केस में राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई 17 अगस्त को

रांची। रांची एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी अनामिका किस्कू की अदालत में शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मोदी सरनेम केस से जुड़े मामले में सुनवाई हुई। इसके बाद अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 17 अगस्त की तिथि निर्धारित की है। 16 जून को इस मामले में सुनवाई करते हुए अदालत ने राहुल गांधी को सशरीर उपस्थिति होने का निर्देश दिया था। इस आदेश को राहुल गांधी ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसपर सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने 16 अगस्त तक राहुल गांधी के खिलाफ किसी भी तरह की पीड़क कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

मिसाल — एक-एक पैसे को मोहताज रहने वाली आरती देवी ने अपनी मेहनत व लगन से पायी सफलता

सजावटी फूलों की खेती से बनाई अलग पहचान

नवीन मेल संवाददाता

खूंटी। कहा जाता है कि मन में कुछ करने की तमन्ना हो और लगन के साथ मेहनत की जाए, तो कोई ऐसा काम नहीं है, जिसे पूरा नहीं किया जा सके। फिर बात महिला की हो या पुरुषों की, सफलता निश्चित मिलती है और इसे सिद्ध कर रही हैं खूंटी जिले के कर्रा परखंड की लोधमा पंचायत के लोहागड़ा गांव की रहने वाली आरती देवी। कुछ वर्ष पहले तक एक-एक पैसे के लिए मोहताज रहनेवाली आरती देवी ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर पूरे क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है। आज कर्रा प्रखंड ही नहीं, जिले के अन्य क्षेत्र में आरती देवी की पहचान फूलों वाली दीदी के रूप में बन गई है। आरती देवी बताती है कि वह अधिक पढ़ी लिखी नहीं हैं। न ससुरात की अर्थिक स्थिति ठीक थी और मायका की। जब लोधमा के लोहागड़ा जैसे पिछड़े गांव में उनकी शादी हुई, तो वह अपने भविष्य को लेकर काफी चिंतित थी। पति की भी कोई बहुत अच्छी कमाई नहीं थी।

खैर किसी प्रकार दिन कटता रहा और आरती दिन भर कुछ अच्छा काम करने का तानाबाना बुनती रहती थी। उसी दौरान वह लक्ष्मी महिला मंडल के संपर्क में आई। वहां उन्हें सरकार द्वारा चलाई जा रही महिला विकास की योजनाओं की जानकारी मिली। महिला मंडल से जुड़ने के पहले आरती अपने परिवार के साथ खेतों में काम करती थी। इसलिए खेती के संबंध में उन्हें हल्की-फूल्की जानकारी थी, लेकिन धान, मड़ुवा,उड़द जैसी परंपरागत खेती ही परिवार वाले करते थे। इससे कोई विशेष आमदनी नहीं होती थी। बाद में महिला मंडल के माध्यम से उन्होंने वैज्ञानिक तरीके से खेती की जानकारी मिली और उन्होंने इसका प्रशिक्षण भी लिया। आरती कें लगन और मेहनत को देखकर उनका चयन आजीविका कृषि सखी के रूप में हुआ।

आरती बताती हैं कि आजीविका कृषि सखी के रूप में चयन ही उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट था। वहीं से उनके जीवन में परिवर्तन आने लगा। आरती देवी बताती हैं कि उन्हें उद्यान विभाग से अभिषरण के माध्यम से झारखंड राज्य आजीविका संवर्द्धन सोसायटी(जेएसएलपीएस) द्वारा ग्रीन हाउस उपलब्ध कराया गया। इसके साथ ही आरीत को जरबेरा फूलों की नर्सरी भी मिली, जिसे दीदी ने अपनी मेहनत से उपजाया है और आज उनके ग्रीन हाउस में चार रंगों के फूल लोगों का ध्यान बरबस ही अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं। उनकी नर्सरी के पीले, सफेद, गुलाबी और लाल रंग के फूल ग्रामीणों तथा व्यापारियों को खूब पसंद आ रहे हैं। आत्मसम्मान की मुस्कान लिए आरती बताती हैं कि एक फूल को वह आठ से दस रुपये में बेचती है। उन्होंने बताया कि पिछले दो महीने में उन्होंने 15 हजार से अधिक फूलों की बिक्री की है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास हैं कि आनेवाले दिनों में वह 70 से 80 हजार रुपये के फुलों की बिक्री करेंगी। उनके फूलो की मांग डेकोरेशन, शादी, ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

सीबीएसई का बड़ा फैसला

सभी भारतीय भाषाओं में होगी 12वीं तक की पढ़ाई

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपने स्कूलों से बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा के वैकल्पिक माध्यम के रूप में भारतीय भाषाओं का उपयोग करने पर विचार करने को कहा है। यह देखते हुए कि शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के तहत कई भाषाओं में शिक्षा शुरू करने के लिए उपाय किए हैं। बोर्ड ने अपने स्कूलों को उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने और बहुभाषी शिक्षा से सर्वोत्तम बनाने के लिए एक-दूसरे के साथ सहयोग करने के लिए कहा है। सीबीएसई के निदेशक (शैक्षणिक) जोसेफ इमैनुएल ने स्कूलों को लिखे एक पत्र में कहा, 'भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षा की सुविधा के लिए की गई पहल के मद्देनजर, सीबीएसई से संबद्ध स्कूल अन्य मौजूदा विकल्पों के अलावा एक वैकल्पिक माध्यम के रूप में भारतीय संविधान की अनुसूची 8 में उल्लिखित भारतीय भाषाओं का उपयोग करने पर विचार कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'स्कूल उपलब्ध संसाधनों का पता लगा सकते हैं, क्षेत्र के विशेषज्ञों से परामर्श कर सकते हैं और सीबीएसई स्कूलों में बहुभाषी शिक्षा को वास्तविक बनाने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए अन्य स्कूलों के साथ सहयोग कर सकते हैं।' सीबीएसई ने कहा, 'एनसीईआरटी ने इस गंभीर कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लिया है ताकि 22 अनुसूचित भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें अगले सत्र से सभी छात्रों को ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

रेलवे लाइन क्रॉसिंग की व्यवस्था हो, नहीं तो आंदोलन : कर्नल

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पूर्व मध्य रेलवे के गढ़वा रोड सोननगर रेलखंड पर तीसरी रेलवे लाइन विस्तारीकरण के चलते कजरात नावाडीह रेलवे स्टेशन के पास मैनुअली संचालित गेट के बदले अंडरपास बनाया गया है। जिसमें बरसात में पानी भर जाने के कारण बेलबीघा पंचायत कजरात नावाडीह सहित लगभग 20 गांव के स्थानीय लोग रेलवे ट्रैक को खुले में ही असुरक्षित तरीके से पार करने को बाध्य हैं। बिना वैकल्पिक व्यवस्था दिये हुए रेलवे स्टेशन पर अंधाधुंध निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसके चलते स्थानीय ग्रामीण और स्कूली बच्चे असुरक्षित तरीके से रेलवे लाइन क्रॉस करने को मजबूर हैं। इसका ज्वलंत उदाहरण विगत 2 जुलाई 2023 को मजबूरी वश खुले रेलवे लाइन क्रॉस करते समय सुनीता देवी पति नन्दलाल पासवान का रेलगाड़ी से कट कर जान चले जाना है। जिसमें रेलवे ने अभी तक मृतक को कोई मुवाब्जा भी नही दिया है जिसके चलते सभी ग्रामीणों में काफी रोष है। किसान ब्रिगेड ने ज्ञापन के माध्यम से मंडल रेल प्रबंधक,पूर्व मध्य रेलवे, डीडीयू को स्थानीय कजरत नावाडीह स्टेशन प्रबंधक के माध्यम से तत्काल फूट ओवरब्रिज और अंडरपास बनाने की मांग की है। तथा तब-तक के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था देने का आग्रह किया है। अगर पंद्रह अगस्त तक रेलवे द्वारा कोई सकारात्मक पहल नहीं किया गया तो सभी स्थानीय ग्रामीण किसान ब्रिगेड के बैनर तले रेलवे के विरुद्ध धरना प्रदर्शन और रेल रोकों आदि आंदोलन करने को बाध्य होंगे। उक्त समस्याओं के समाधान के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता सह किसान ब्रिगेड के संयोजक कर्नल डॉ. संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में स्थानीय किसान ब्रिगेड के सदस्य विजय सिंह, राम लखन यादव, बिगन प्रजापति पंचायत समिति सदस्य, रामराज मेहता, विनय यादव, विनय कुमार मेहता, श्रीराम यादव, जयराम यादव, प्रदीप कुमार सिंह, अर्जुन मेहता, सुग्रीम ठाकुर तथा भोला गुप्ताआदि का नाम शामिल हैं।

NEWS इन ब्रीफ

शिव चर्चा का आयोजन

मोहम्मदगंज। स्थानीय देवीधाम मंदिर में स्थापित महादेव के समक्ष शनिवार को शिवचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें शामिल महिलाओं ने भगवान शिव की महिमा का बखान करते हुए कई भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। गीता देवी ने कहा कि शिव को गुरु मानकर उनकी आराधना और अभिषेक करने से सुख-समृद्धि और शांति मिलती है। मनोवांछित फल प्राप्त होता है। शिवचर्चा का आयोजन गृहिणी रेणु देवी ने मनोवांछित फल प्राप्त होने की खुशी में किया था।

गौरा गांव के एक घर में लगी आग

विश्रामपुर। थाना क्षेत्र के गौरा गांव के एक घर में बीती रात आग लग गई है। जिसेमें रखे कई क्विंटल चावल जल कर राख हो गये। वहीं घर के मालिक राम गति उरांव ने बताया कि रात में हम लोग खाना पीना खा कर दूसरे घर पर सोने चले गये, तभी आधी रात को एकाएक आग कि जोरदार लपट व धुएं का अंबार दिखा। जिसे स्थानीय लोगों कि मदद से आग पर काबू पाने कि कोशिश कि गई। वहीं आग की लपटें कम होने के उपरांत पास जाकर देखा तो उस में रखे चावल, सहित कई उपयोगी वस्तएं जल कर राख हो गये थे। जिसमे हजारों रुपए ही क्षति हुई है। वहीं आग किसने और क्यों लगाई है, इसकी अब तक कोई स्पष्ट जानकारी निकल कर सामने नहीं आई है।

शोहदाए कर्बला कॉफ्रोंस का आयोजन कल

उंटारी रोड। पलामू जिले के उंटारी रोड क्षेत्र अंतर्गत डेवडर में एक दिवसीय शोहदाए कर्बला कॉफ्रेंस का आयोजन 24 जुलाई दिन सोमवार को किया जायेगा। जिसको लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गयी है । उक्त जानकारी देते हुए हाफिज आलमगीर ने बताया की सोमवार को शाम 7 बजे से डेवडर मदरसा के प्रांगण में जलसा का आयोजन किया जायेगा जो रात्रि 2 बजे तक चलेगा । जलसे में गढ़वा जिला के 8 महिला मोकरेर्रा अपने साथियों के साथ इस्लामिक गजल नाते खानी और शायरी के मध्यम से लोगों को आपसी प्रेम भाईचारे के साथ रहना और देश प्रेम की भावना को जगायेंगी।

शिव चर्चा में शामिल हुए विधायक शशि

सतबरवा। शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय छात्रावास के प्रांगण में शनिवार को शिव गुरु चर्चा का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पाकी विधायक डॉक्टर कुशवाहा शशिभूषण मेहता मौजूद थे। डॉ. कुशवाहा शशि भूषण मेहता गुरु भाई बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं 12, 13 वर्षों से श्री शिव गुरु चर्चा में भाग लेते आ रहा हूं और मैं भी सदस्य हूं। इनकी महिमा अपरंपार है। मौके पर शिव गुरु सदस्य जिला संयोजक आलोक कुमार, मंजू दीदी, नंदू प्रजापति, संजय लाल, महेश प्रसाद, विधायक प्रतिनिधि राणा प्रताप कुशवाहा, सामाजिक कार्यकर्ता आशीष कुमार सिन्हा, चंचल यादव संदीप प्रसाद , जोगिंदर भुईयां के साथ दर्जनों शिव गुरु भाई बहन मौजूद थे।

दबे कुचले की आवाज थे कामरेड आलोकः अलखनाथ

विश्रामपुर। कम्युनिस्ट नेता रामसुंदर राम उर्फ कामरेड आलोक की पांचवी पुण्यतिथि मनायी गयी। समारोह का आयोजन जोगा गांव में स्थापित कामरेड आलोक के स्थापित प्रतिमा स्थल पर हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत कामरेड आलोक के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने कामरेड आलोक को श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य अलखनाथ पांडेय ने कहा कि कामरेड आलोक का पूरा जीवन दबे-कुचले व शोषित-पीड़ितों की लड़ाई लड़ते गुजरा। कार्यक्रम का संचालन लक्ष्मण राम ने किया। मौके पर मुखिया कमला देवी, मेराल प्रखंड प्रमुख दीपमाला कुमारी, पंकज कुमार, मनोहर पासवान, संजय कुमार, सोनू कुमार, अजय कुमार, योगेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, प्रवेश कुमार, ओमप्रकाश गुप्ता, सुरेंद्र राम, विजय चौबे, रामदेव राम, अवधेश राम, प्रेम पाल, बिनोद पाल, लखन राम, उर्मिला देवी, धनवा कुंवर सहित कई लोग मौजूद थे।

फरार वारंटी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

हुसैनाबाद। पुलिस ने जपला धरहरा गांव में कांड संख्या- 320/21 के नामजद फरार आरोपी के घर पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया है। इस मामले के अनुसंधानकर्ता एएसआई बादल मुर्मू ने बताया कि हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के जपला धरहरा गांव निवासी चलितर राम के पुत्र सिकेन्द्र कुमार थाना कांड संख्या 320/21 का फरार वारंटी करीब दो वर्षों से फरार चल रहा है। उक्त अभियुक्त पर भा.द.वि. की धारा 341 323,353,504, 506/34 के तहत मामला दर्ज है। न्यायालय के आदेश पर इश्तेहार चिपकाया गया है।

पलामू लोस क्षेत्र में जीत राजद के खाते में होगाः मोहन

नौडीहा। पलामू जिले के नौडीहा बाजार प्रखंड में प्रखंड स्तरीय कमिटी विस्तार को लेकर जिला अध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा के नेतृत्व एव प्रखंड अध्यक्ष संतोष यादव के अध्यक्षता में राजद प्रखंड कमिटी विस्तार को लेकर शनिवार को बैठक का आयोजन किया गया। राजद जिला अध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा ने कहा कि जब से पलामू जिला का राजद का नेतृत्व करने का जिम्मेवारी मिली है तब से सभी प्रखंडों का कमिटी विस्तार एवं कई ऐसे राजद के बिछड़ रहे युवा साथियों को जोड़ने एवं बीजेपी छोड़ राजद में दामन थाम रहे हैं । पूरी ईमानदारी एवं जोश हॉर्स के साथ पलामू आगामी लोकसभा चुनाव हर हाल में चुनावी जीत को लेकर तैयारी जोरों पर है। मौके पर एससी प्राकोष्ट के प्रदेश अध्यक्ष धनंजय प्रसाद, जिला अध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष सुशील यादव,जिला उपाध्यक्ष सह मिडिया प्रभारी संतोष यादव, जिला प्रधान महासचिव राजेंद्र यादव, प्रदेश सदस्य रूबी ऋषि, जिला सदस्य, नरेश भुइया, ओमप्रकाश राम, रविन्द्र यादव,राजद प्रखंड अध्यक्ष संतोष यादव, छतरपुर नगर अध्यक्ष फैजान खान, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष मालती देवी, कंचन यादव, ललन सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

परीक्षा पर चर्चा का सुझाव प्रधानमंत्री को आया पसंद

शिक्षक अनिल को दिया आभार पत्र

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा परीक्षा पर चर्चा विषय पर देश भर के शिक्षको से विचार मांगा गया था। जिसमे विश्रामपुर ब्लॉक रोड के निवासी अनिल प्रकाश जो कि गढ़वा के शिक्षण संस्थान साउथ प्वॉइंट में एक शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। जिसमें इनके द्वारा भेजे गये सुझाव को प्रधानमंत्री मोदी ने काफी सराहा है। और उसके बदले इनको एक आभार पत्र प्रदान किया है। जों कि आज ही डाक विभाग द्वारा इन्हे प्राप्त हुई है। जों इन्हे अपने कार्य क्षेत्र में और अधिक तन्मयता पूर्वक बेहतर करने कि प्रेरणा देगी। वहीं इस साहसी कदम पर स्कूल प्रबंधन व स्थानीय लोगो ने भी शिक्षक श्री प्रकाश के प्रति आभार व्यक्त किया। शिक्षक अनिल प्रकाश ने कहा कि सम्मान, जीवन में और बेहतर करने कि प्रेरणा देती है। मौके पर रौशन कुमार, राजेंद्र सोनी, शशि ठाकुर सहित कई लोग मौजूद थे।

पूर्व विधायक का जोरदार स्वागत

सतबरवा। पांकी विधानसभा सभा के पूर्व विधायक बिट्टू सिंह का प्रखंड के बोहिता, रेवारातू ,धावाडीह में शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। पूर्व विधायक बिट्टू सिंह मुहर्रम को लेकर बन रहे ताजिया स्थल पर गये। जहां पर मुस्लिम धर्मावलंबियों ने फूल माला पहना कर उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान 2025 का विधायक कैसा हो, बिट्टू सिंह जैसा हो, बिट्टू सिंह जिंदाबाद के नारे कार्यकर्ता लगा रहे थे। स्वागत से गदगद बिट्टू सिंह ने कहा कि जनता ने जो मान सम्मान मुझे दिया है। उसका मैं आभारी हूं। मैं हमेशा आप सभी के दुःख सुख में शामिल हूं।

भाजपा नगर मंडल कार्यसमिति की बैठक आयोजित

कार्यकर्ताओं के दम पर ही भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टीः चंद्रवंशी

कार्यकर्ता ही किसी भी पार्टी की रीढ़ होते हैं : विधायक

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। भाजपा नगर मंडल कार्यसमिति की बैठक हरहेपा चौक के पास हुई। बैठक की अध्यक्षता नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम व संचालन महामंत्री मनीष कुमार ने किया। मौके पर संगठन के मजबूती और विस्तार पर चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, मंच मोर्चा प्रतिनिधि, बूथ अध्यक्ष, अभियान समिति के टोली व सोशल मीडिया प्रभारी उपस्थित थे। बैठक के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सह विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने सभी को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही किसी भी पार्टी की रीढ़ होते हैं। कार्यकर्ताओं के दम पर ही भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। इसलिए कार्यकर्ताओं का सम्मान बेहद जरूरी है। इस दौरान भाजपा के नीति सिद्धांतों में विश्वास और श्री चंद्रवंशी में आस्था व्यक्त करते हुए दर्जनों लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सभी को विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने माला पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। इससे पहले श्यामाप्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुरूआत की गयी। मौके पर विधायक के जिला प्रतिनिधि सह भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र यादव, वरीय भाजपा नेता शिवबंश मिश्र, देवनाथ यादव, बीरेंद्र चंद्रवंशी, कौशल बक्सराय, देवनारायण सिंह, बेबी देवी, किरण शर्मा, अर्चना देवी, ज्वाला गुप्ता, गोपाल सोनी, रजनीश चंद्रवंशी, सुरेंद्र राम, सुनील चौधरी, सचितानंद मेहता, उखम यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

समाजसेवी ने वनपाल को ज्ञापन सौंपा

मोहम्मदगंज। पर्यावरण संतुलन और वृक्ष की छाया से आमलोगों को राहत मिल सके। इसके लिए शनिवार को जिला पार्षद प्रतिनिधि युवा समाजसेवी अश्विनी कुमार सिंह मोहम्मदगंज वन क्षेत्रीय कार्यालय में प्रभारी वनपाल मिथलेश कुमार को ज्ञापन सौपा। श्री सिंह ने कहा कि मोहम्मदगंज प्रखंड क्षेत्र के विद्यालय, सरकारी संस्थानो सहित मोहम्मदगंज जपला मुख्य पथ में जिनताड़ से बिहरा गांव तक,भजनिया से रानीदेवा तक,चचेरिया से पचपोखरी गांव तक, क्वलपुरा मोड़ से भाली होते हुए पिपरबन्ध तक सड़क किनारे पौधारोपण के लिए ज्ञापन सौपा गया है। इस मौके पर वनकर्मी मिथुन कुमार के अलावा अजित कुमार सिंह, कुंदन कुमार सिंह, दीपक कुमार सिंह, रविशंकर बिट्टू सिंह, अशरेश यादव आदि उपस्थित थे। वनपाल मिथुन कुमार ने बताया कि केंद्र सरकार की योजना के तहत वनक्षेत्र के अंतर्गत सरकारी संस्थान, विद्यालय सहित सार्वजनिक स्थान पर चहारदीवारी के अंदर पौधरोपणकिया जाना है।

शहीदों की याद में मजलिसे सैयद ए शोहदा का आयोजन कल

हुसैनाबाद। प्रखंड के पोलडीह पंचायत अंतर्गत मांडर गांव में 24 जुलाई 2023 को मजलिसे सैयदुश शोहदा का आयोजन समाजसेवी सैयद मोहम्मद हुसैन के द्वारा की गई है। इस कार्यक्रम में तकरीर करने के लिए मौलाना अफसर हुसैन खुरार्माबादी , पेशखवानी हसन अली हुसैनाबादी व नौहा ख्वानी के लिए देश के प्रसिद्ध हिंदू नोहा ख्वान राजू पांडे और ऋषि पांडे को आमंत्रित किया गया है। कर्बला के शहीदों की याद में सदर इमामबारगाह मांडर, हुसैनाबाद में कार्यक्रम रखा गया है। इसकी जानकारी समाजसेवी सैयद अफजल हुसैन ने दी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मकामी अंजुमन अजादार -ए - हुसैनी को जिम्मेदारी दी गई है।

न्यूनिवर्सल सेवा समिति रोजगार मेले का आयोजन

सैंपलिंग टेलर व इलेक्ट्रॉनिक्स के छात्रों को मिला प्लेसमेंट

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। यहां के युवा भी अब स्किल्ड हो रहे हैं और उनका प्लेसमेंट भी दूसरे राज्यों में होने लगा है। सरैडीह रोड स्थित यूनिवर्सल सेवा समिति के कैम्पस में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बीस सूत्री अध्यक्ष गोपाल सिंह, नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अरविन्द गुप्ता चुनमुन शामिल हुए। इस मौके पर संस्थान के छात्रों ने नृत्य और गीत प्रस्तुत किया। इस मौके पर यूनिवर्सल सेवा समिति के तत्वाधान में सैंपलिंग टेलर और इलेक्ट्रॉनिक्स के युवाओं के बीच पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के आये वरीय अधिकारी एमडी आलम की उपस्थिति में प्लेसमेंट के लिये मुख्य अतिथियों द्वारा ऑफर लेटर और सर्टिफिकेट बांटे गए। प्रशिक्षित युवाओं को अरविन्द गुप्ता, गोपाल सिंह और नसरुल्लाह अंसारी के द्वारा सँयुक्त रूप से सर्टिफिकेट और नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बीस सूत्री अध्यक्ष गोपाल सिंह, युवा समाजसेवी अरविन्द गुप्ता चुनमुन, युवा नेता नसरुल्लाह अंसारी, संस्था के गिरीश कुमार, गौरव मिश्रा, दिनेश कुमार, देवेंद्र कुमार, धर्मराज, अंजू कुमारी, रीता कुमारी, पूनम कुमारी, प्रियंका, अयूब सहित सैकड़ो की संख्या में छात्र और उनके अभिभावक उपस्थित थे।

राजद ने मणिपुर की घटना को लेकर निकाला कैंडल मार्च

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। शनिवार की देर शाम राजद ने मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने के मामले को लेकर कैंडल मार्च निकालकर विरोध जताया गया। देर शाम राजद के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ताओं ने शहर के गांधी चौक पर एकत्रित हुए। वहां से लोगों ने अपने हाथों में कैंडल लेकर शहर के मुख्य बाजार, अंबेडकर चौक होते हुए जेपी चौक पहुंचे। जुलूस का नेतृत्व राजद युवा मोर्चा के प्रदेश महासचिव रवि कुमार, वरिष्ट नेता रामजन्म सिंह, राज अली, नगर अध्यक्ष सह राजद नेता शशि कुमार, प्रखंड अध्यक्ष सुदेश्वर राम कर रहे थे। मौके पर राजद के वरिष्ट नेता शशि कुमार ने कहा कि मणिपुर की घटना दिल दहला देने वाली है। जो देश के लिए काफी शर्मनाक है। मौके पर रवि यादव ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ का नारा देते है। लेकिन देश में इतनी बड़ी घटना होने के बाद प्रधानमंत्री व गृहमंत्री कुर्सी से चिपके हुए हैं। राजद इस घटना में शामिल लोगों को चिन्हित कर फांसी देने की मांग करती है। इस मौके पर राजद के वरिष्ट नेता रामजनम सिंह, विनय सिंह यादव, मोहिउद्दीन अंसारी, भारत पासवान, विमलेश पासवान, चंदन बैठा, अशोक यादव, रामलखन सिंह यादव, पवन चौधरी, सुरेंद्र चौधरी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

राजद प्रदेश महासचिव ने नावा बाजार क्षेत्र के दर्जनों गांव का किया दौरा

मेदिनीनगर। नावा बाजार में प्रसिद्ध समाजसेवी सह राजद के प्रदेश महासचिव नरेश प्रसाद सिंह ने अपने समर्थकों के साथ शनिवार को क्षेत्रीये भ्रमण के दौरान बिश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के नावा बजार प्रखंड अंतर्गत इटको,नावां बजार, सोहदाग, रजदिरिया इत्यादि गांवों में जाकर ग्रामीणों से रूबरू हुए और सभी गांवों के ग्रामीणों की जन समस्यओ से अवगत हुए। राजद नेता नरेश प्रसाद सिंह ने कहा कि आप लोग खुद जानते हैं कि मैं अपनी निजी कमाई की राशि से जनकल्याण मिशन के तहत आपके पूरे विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के सातों प्रखंडो में सात से आठ वर्षों से निरन्तर जनसेवा करते आ रहा हूं। मौके पर नावां बजार राजद प्रखंड अध्यक्ष उपेन्द्र चौधरी, संजय चौधरी, शंकर सिंह खरवार, नरेश सिंह खरवार, सोनू प्रसाद, ठाकुर दयाल सिंह खरवार, प्रमोद सिंह खरवार, अशर्फी यादव,सुहैल अंसारी, डॉ मोहम्मद रफूर, इम्तेयाज अंसारी, कमलेश चौधरी समेत कई लोग मुख्य रूप से उपस्थित थे।

परेशानी 800 में 200 स्ट्रीट लाइट खराब, अंधेरे में रहने को विवश

200 स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए भेजा गया है प्रपोजलः शशि

कई कॉलोनियों में तो एक माह से स्ट्रीट लाइट नहीं सुधारी गई

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। नगर पंचायत क्षेत्र के 16 वार्डों में करीब 800 स्ट्रीट लाइट लगाया गया हैं। इसमें 200 से अधिक लाइट खराब होने से लोग परेशान व अंधेरे में रहने को विवश हैं। कई कॉलोनियों में तो एक माह से स्ट्रीट लाइट नहीं सुधारी गई। लोगों की शिकायत है कि नगर पंचायत कार्यालय में कई बार सूचना देने के बाद भी लाइट नहीं सुधारी जा रही है। शहर के कुछ कॉलोनियों में चोरी की वारदातें भी बढ़ी है, जिसे लेकर लोगों में भय है। स्ट्रीट लाइट नहीं होने से लोग घरों से बाहर निकलने में भी हिचक रहे हैं। जपला छतरपुर रोड, मोहम्मदाबाद, मिर्जापुर, बगीचा, लंबी गली, सैदाबाद, अनुमंडल रोड, आईटीआई रोड, कॉलोनियों में स्ट्रीट लाइट नहीं जलती है। इस कारण सड़क पर अंधेरा पसरा रहता है। लाइट लगाने के बाद कंपनी के द्वारा एक बार भी मरम्मत नहीं कराया गया। ऐसे में लाइट नहीं होने से लोगों को परेशानी हो रही हैं। सिटी के गणेश पुरी कॉलोनी ,जपला हैदरनगर रोड, मधुशाला रोड में भी अंधेरा रहता हैं। शिवपुरी कालोनी निवासी केदार सिंह ने बताया उनके मोहल्ले में भी कई स्ट्रीट लाइट बंद है। लंबे समय से इसकी शिकायत कर रहे हैं, लेकिन अबतक समाधान नहीं हुआ है। जपला अंबेडकर चौक के निवासियों ने भी हाई मास्ट लाइट खराब होने की समस्या के बारे में बताया। निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष शशि कुमार ने कहा है कि 200 स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए प्रपोजल भेजा गया हैं, आने के बाद संबंधित क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर लगाया जायेगा।

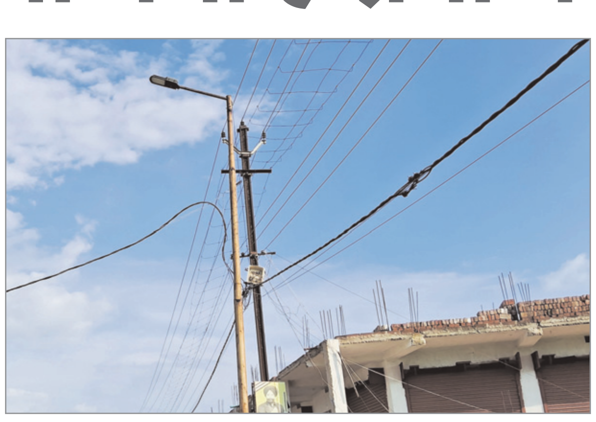

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल, लातेहार।

आवश्यक सूचना

इस कार्यालय के द्वारा प्रकाशित ई – निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 01/2023-24/EE/RWD/LATEHAR एवं PR 302507 REO (23-24)D में प्रकाशित निविदा को अपरीहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग
कार्य प्रमंडल, लातेहार।

PR 303008 REO(23-24)D

Office of The Executive Engineer
Building Construction Department
Building Division, Garhwa.

CORRIGENDUM

Date-............................ Letter No.................

Tenders Postponed vide PR No PR.NO.299780 Building(23-24):D has been reinvaded. Date of Receipt of the tender will be 27.07.2023 Time 01:00 PM and the Dropping of the tenders will be 28.07.2023 Time 03:30 PM. Only Serial No. 3
Rest will be as usual.

Executive Engineer,
Building Construction Department,
Building Division, Garhwa.

PR 302998 (Building) 23-24 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, डालटनगंज
(E-mail: eercdmedini-jhr@nic.in)

शुद्धि–पत्र

एतद द्वारा सूचित करना है कि इस कार्यालय द्वारा दिनांक–18.07.2023 को विभिन्न समाचार पत्रो के माध्यम से ई–निविदा पत्रांक सं0– 1/ RCD/Daltonganj/2023-24/683 (2nd Call) आमंत्रित की गई है, जिसका PR No. 302685 Road(23-24)#D है, जिसमें क्रमांक–6 में अंकित Last Date/Time of Online Bid Submission 11.08.2023 / 12:00 Noon के स्थान पर 10.08.2023 / 12:00 Noon पढ़ा/समझा जाय।

निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता,
पथ निर्माण विभाग,
पथ प्रमंडल, डाल्टेनगंज।

PR 303027 (Road) 23-24 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, डालटनगंज
(E-mail: eercdmedini-jhr@nic.in)

शुद्धि-पत्र

एतद द्वारा सूचित करना है कि इस कार्यालय द्वारा दिनांक– 18.07.2023 को विभिन्न समाचार पत्रो के माध्यम से ई–निविदा पत्रांक सं0– 2/ RCD/Daltonganj/2023-24/682 (2nd Call) आमंत्रित की गई है, जिसका PR No. 302683 (Road) 23-24 (D) है, जिसमें क्रमांक–6 में अंकित Last Date/Time of Online Bid Submission 11.08.2023 / 12:00 Noon के स्थान पर 10.08.2023 / 12:00 Noon पढ़ा/समझा जाय।

निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग
पथ प्रमंडल, डाल्टेनगंज

PR 303026 Road (23-24)_D

खुद को पंचायत सचिव बताकर महिला से की तीस हजार की ठगी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर/ छतरपुर। खुद को पंचायत सचिव बताकर मंगरी नाम की महिला से तीस हजार रुपया ठगी करने का बात सामने आई है। इस संबंध में भुक्तभोगी नावाबाजार इटको निवासी सुनील सिंह की पत्नी मंगरी देवी ने बताया कि बुधवार को बाइक से एक आदमी उसके घर के पास आया और पूछा की सुनील सिंह का घर कौन है। इस पर मंगरी देवी ने बताया की हमारे पति हैं। तो उस व्यक्ति ने कहा कि हम छतरपुर के पंचायत सचिव हैं। तुम्हारे नाम से

प्रधानमंत्री आवास पास हुआ है। तुम्हें मेरे साथ में बैंक चलना होगा। वहां जाने पर तुम्हारे खाते में एक लाख रुपया डलवा दूंगा। मंगरी का इटको के अलावे छतरपुर के आंकाबांसा में भी घर है। इसलिए वह उसके झांसा में आ गई और घर से अपना आधार और बैंक पासबुक लेकर उसके बाइक पर बैठ गई। वह व्यक्ति मंगरी को लेकर छतरपुर थाना के पास स्थित एक ग्राहक सेवा केंद्र में ले गया और वहां पैसा डलवाने का झांसा देकर मंगरी से बायोमेट्रिक पर अंगूठा लगवा कर उसके खाते से तीस हजार रुपया निकासी करा लिया और सीएसपी संचालक को कमीशन देने के लिए मंगरी से एक सौ रुपया लिया और दो सौ अपने पास से मिलाकर तीन सौ रुपया कमीशन के रूप में सीएसपी संचालक को देकर एक पर्ची पर मंगरी का हस्ताक्षर करा लिया और कहा की आप बाहर मेरी बाइक के पास रहो। तुम्हारे खाता में पैसा डाला जा रहा है । मंगरी ग्राहक सेवा केंद्र के बाहर चली गई तो वह व्यक्ति ग्राहक सेवा संचालक से मंगरी के खाते से निकासी की गई तीस हजार रुपया ले लिया।

वार्ड नंबर 19 में पानी की किल्लत दर-दर भटक रहे शहरवासी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 19 में विगत कई महीनों से कान्दू मुहल्ला वर्मा चौक,नदी किनारे, बाल ज्योति स्कूल, राजकुमार शर्मा के घर के पास, गनौरी शर्मा के घर के पास, सुनील राम के घर के पास के सभी हैंड पंप विगत कई महीनों से खराब हालत में है। इसे आज तक मेदिनीनगर नगर निगम के द्वारा रिपेयर नहीं कराया गया है। यही कारण है कि लोगो को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। कुछ लोग पानी का जार लेकर काम चला रहे हैं। तो कुछ लोग रात के अंधेरे में महिला और बच्चों के साथ पानी नदी से लाते हैं। इन सभी समस्याओं के बाद भी मेदिनीनगर नगर निगम के आला अधिकारी के साथ ही हमारे विधायक और सांसद भी चुप्पी साधे हुए हैं। भीषण गर्मी में भी हैंड पंप को रिपेयर नहीं कराया गया। निगम के मिस्त्री हैंड पंप बनाने आते भी है तो बिना हैंड पंप खोलें ही हैंडल चला कर कहते हैं कि पानी का लेयर नीचे चला गया है और फिर चले जाते हैं यही जरूरत है ऐसे मिस्त्री पर विभाग को एक्शन लेने की जरूरत है।

NEWS इन ब्रीफ

सी.बी.एस.ई की पूरक परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

मेदिनीनगर । पलामू में सी.बी.एस.ई की 10वीं एवं 12वीं कक्षा की पूरक परीक्षा शनिवार को संपन्न हो गई। यह परीक्षा 17 जुलाई शुरू हुई थी। पलामू जिले में झारखंड के 4 जिलों गुमला, लातेहार, गढ़वा एवं मेदिनीनगर के छात्रों के लिए दो परीक्षा केंद्र एम. के. डी.ए. वी पब्लिक स्कूल डाल्टनगंज एवं रोटरी पब्लिक स्कूल चैनपुर को बनाया गया था। आज दसवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान विषय (087) की परीक्षा थी, जिसमें एक को छोड़ सभी नामांकित परीक्षार्थी उपस्थित हुए। सी.बी.एस.ई पलामू एवं गढ़वा जिले के सिटी को-ऑर्डिनेटर सह एम.के.डी.ए.वी पब्लिक स्कूल डाल्टनगंज के प्राचार्य डॉक्टर जी.एन. खान ने बताया कि यह परीक्षा जीरो टोलरेंस,कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई है। इसमें सी.बी.एस.ई के सभी निदेशों का पूर्णतः पालन हुआ है। दोनों परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारी एवं पर्याप्त पुलिस बल तैनात था।

रक्तदान से चरित्र निर्माण होता है: डॉ.एनसी अग्रवाल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर । लायंस क्लब इंटरनेशनल की युवा शाखा लियो क्लब ऑफ डालटेनगंज के युवाओं ने आज नारायण ब्लड सेंटर में रक्तदान किया। इस दौरान आधे से अधिक युवा पहली बार रक्तदान किये। रक्तदान के महत्व को समझाते हुए डॉ एन सी अग्रवाल ने लायंस क्लब के सेवा भाव के जज्बे की सराहना की। कहा कि जूनियर विंग लियो क्लब के आने से इनकी सेवा कार्यों में वृद्धि होगी। जो युवा रक्तदान करता है निजी तौर पर समाज के बारे अच्छा सोचता है, उसमें देने की प्रवृत्ति पैदा होती है। आने वाले समय में वह देश का अच्छा नागरिक बनता है ।डा.राहुल अग्रवाल ने सभी युवाओं को प्रोत्साहित किया और उन्हें अप्रीसिएशन सर्टिफिकेट प्रदान किया। कार्यक्रम में डॉ.गौरव अग्रवाल ने सभी युवाओं का स्वागत करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि आने वाले समय में लियो क्लब के साथ कोई भी स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में सक्रिय योगदान देंगे'। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्टेट मोटीवेटर ब्लड डोनेशन इंद्रजीत सिंह डिंपल ने सभी को रक्तदान करने के लिए बधाई दी और अनुरोध किया कि रक्त दान की महिमा और दान के महत्व को पहचानते हुए वह आने वाले समय में अपने मित्रों और संबंधियों को भी जागरूक करेंगें। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रीजन चेयरपर्सन समीर खन्ना अध्यक्ष आलोक माथुर, पूर्व अध्यक्ष नवीन गुप्ता, सचिव रितेश कुमार, के अलावा लियो क्लब के अध्यक्ष मेहर सिंह , साहब सिंह नामधारी, ऋषभ आनंद ,दीपांशु शिवम, अभिषेक रोशन, तेज प्रताप रिपुदमन सिंह ,विकास कुमार सिंह ,केतन आनंद, ओम गोस्वामी ने रक्तदान किया।

मणिपुर की घटना पर पलामू में आक्रोश, पीएम का पुतला फूंका

महिलाओं के साथ साथ सामूहिक बलात्कार देश के माथे पर कलंक है

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मणिपुर की कूकी महिलाओं की बर्बर नग्न परेड व यौन हिंसा को लेकर शहर के छह मुहान चौक के पास विभिन्न दलों के नेताओं ने बैनर तले प्रदर्शन किया। मौके पर उपस्थित प्रदर्शनकारियों ने आज वामपंथी पार्टियों ने जिसमें सीपीआई भाकपा माले सीपीएम , इप्टा, एआईएसएफ, एवं आयशा ने भाजपा शासित प्रदेश मणिपुर में लगातार हो रही आगजनी बलात्कार हत्या के खिलाफ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। मणिपुर की कूकी महिलाओं की बर्बर नग्न परेड व यौन हिंसा का वह वीडियो भाजपा के डबल इंजिन शासन की असलियत को उजागर कर संघ ब्रिगेड की भीड़ हिंसा की संस्कृति की खौफनाक सच्चाई को सामने ला रहा है। प्रधानमंत्री की इतने दिनों तक की चुप्पी ने इस अपराध की गंभीरता को बढ़ा दिया है। ऐसे में मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को तत्काल इस्तीफा दे

देना चाहिए। महिलाओं के साथ साथ सामूहिक बलात्कार देश के माथे पर कलंक है। मणिपुर मई के महीने से जल रहा है, लगभग 150 लोगों की मौत हो चुकी है और जातीय हिंसा के चलते हजारों लोग अपनी जगहों से उजड़ चुके हैं। हिंसा भड़कने का तात्कालिक कारण मणिपुर उच्च न्यायालय का वह आदेश बना, जिसमें बहुसंख्यक मैती समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की बात कही गयी थी। मणिपुर और केंद्र सरकार, मणिपुर के लोगों, खास तौर पर आदिवासियों की रक्षा करने में विफल रहे हैं। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह, कुकी-जो समुदाय को विदेशी बताने वाले विमर्श को आगे बढ़ाते हुए, खुद भी आदिवासियों के खिलाफ घृणा फैलाने में शामिल हैं। हम मांग करते हैं की सभी अपराधियों की तत्काल शिनाख्त कर, गिरफ़्तारी हो। उक्त जांच दल, ऐसी सभी घटनाओं में मणिपुर पुलिस की कार्यवाही का जरूर संज्ञान ले। सभा को भाकपा माले नेता अनीता देवी, राजद युवा प्रदेश सचिव पूनम अंबेडकर, लेसलीगंज की पूर्व जिला परिषद निर्मला जी, ऊषा , अखिल भारतीय किसान महासभा राज्य अध्यक्ष बीएन सिंह, दिहाड़ी मजदूर यूनियन प्रभारी राजीव , राजद रामनाथ चंद्रवंशी, फूलन देवी विचार मंच शैलेश चंद्रवंशी, झारखंड क्रांति मंच के शत्रुधन शत्रु, ईश्वरी महतो, एससी एसटी ओबीसी माइनोरिटी एकता मंच अध्यक्ष रवि पाल,युवा नेता अनूप प्रजापति, राजद प्रदेश उपाध्यक्ष राहिल राज, राजद युवा जिला अध्यक्ष केदार यादव, इंकलाबी नौजवान सभा जिला सचिव पवन विश्वकर्मा, आइसा जिला अध्यक्ष गुड्डू भुइयां, आदिवासी महासभा त्रिपुरारी सिंह, भाकपा माले नेता सरफराज आलम ने मुख्य रूप से संबोधित किया।सभा की अध्यक्षता सीपीआई नेता केडी सिंह, संचालन इंकलाबी नौजवान सभा सचिव अविनाश रंजन ने किया। सभा में दर्जनों सामाजिक राजनीतिक दल के कार्यकर्ता के साथ सैकड़ों नागरिक उपस्थित थे।

दहेज हत्यारोपी पति को 10 वर्ष की सजा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के पंचम जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अभिमन्यु कुमार की अदालत ने दहेज हत्यारोपी पति मुकेश कुमार यादव को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। वहीं पांच हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। अर्थदंड की राशि नहीं देने पर छह माह अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। इस मामले में लेस्लीगंज थाना के बनुवा निवासी तेतर यादव ने मुकेश कुमार यादव, पटन यादव, बसंती देवी व रीना कुमारी के विरुद्ध लेस्लीगंज थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया था। जो लेस्लीगंज थाना कांड संख्या 9/2019 तिथि 20 जनवरी 2019 को भारतीय दंड विधान की धारा 304 बी/34,302/34,201/34 के तहत दर्ज किया गया था। न्यायालय में मृतिका के पति मुकेश कुमार यादव, ससुर पटन यादव,सास बसंती देवी के

विरुद्ध ट्रायल चल रहा था। इसमें सास व ससुर को निर्दोष पाकर रिहा किया गया हैं। वहीं मुकेश कुमार यादव को साक्ष्य के आधार पर दोषी पाते हुए 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाया है। वहीं पांच हजार रुपये अर्थदण्ड लगाया है। इस मामले में मुकेश कुमार यादव पर आरोप था कि उसकी शादी अंजू देवी के साथ 2017 में हुई थी। शादी के बाद अंजू देवी ससुराल गई जहां उसके पति मुकेश कुमार यादव, ससुर पटन यादव सास बसंती देवी उसे दहेज में मोटरसाइकिल की मांग किये। मांग पूरा नहीं होने पर उसके साथ मारपीट करते थे। जिसे लेकर गांव में पंचायत भी हुआ था। जिसमें पंचों के समक्ष उसका पति मुकेश कुमार यादव स्वीकार किया था कि अंजू देवी को ठीक से रखेंगे। तथा उससे कोई मांग नहीं करेंगे। अंजू देवी को 10, 15 दिन से ठीक से रखें तथा उसके साथ पुनः मारपीट करने लगे। सन 2018 में अंजू देवी को मायके में एक पुत्री जन्म ली थी। जिसके बाद मुकेश कुमार यादव उसे मायके से अपने घर ले जाने आए तो उसके मायके में बोले कि गाड़ी नहीं देने पर मारकर अंजू देवी को फेंक देंगे।

बजरंग दल ने गरीबों के बीच बांटी खिचड़ी

मेदिनीनगर । नगर बजरंग दल की टीम के द्वारा सेवा सप्ताह के प्रारंभ में शनिवार को शहर के शनि मंदिर और रेलवे स्टेशन परिसर में गरीबों के बीच खिचड़ी का वितरण किया गया। बजरंगियों ने कहा कि हमारे समाज में शनिवार को खिचड़ी खाने या खिलाने की परंपरा रही है। भगवान की सेवा तो सभी करते हैं, लेकिन भूखे को भोजन और प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ी सेवा है। हमारी संस्कृति में कहा भी गया है, नर सेवा ही नारायण सेवा है। बजरंग दल उसी सेवा भावना से हमेशा समाज के लोगों की सेवा करती रहती है। बताया कि बजरंग दल का सेवा सप्ताह 23 जुलाई से 30 जुलाई तक चलेगा। सेवा सप्ताह के दौरान बजरंग दल के द्वारा प्रखंड स्तर पर वृक्षारोपण एवं प्लास्टिक मुक्त मंदिर_ तीर्थ स्थल करने का निर्णय लिया गया है। इस पर सभी प्रखंडों में कल से तीस जुलाई तक योजना बनाकर कार्य किया जाएगा।

रिक्त पड़े डीडीओ पद पर शिव प्रसाद ने दिया योगदान

मेदिनीनगर। पलामू जिले के उंटारी रोड मध्य विद्यालय में प्रधानाध्यापक सह निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी के रूप में मध्य विद्यालय डाली, छतरपुर के प्रधानाध्यापक शिवप्रसाद यादव ने पदभार ग्रहण ग्रहण किया। मौके पर उपस्थित प्रधानाध्यापकों में राधेश्याम चौधरी, योगेंद्र कुमार, विनोद राम, वरुण कुमार, प्रवीण कुमार, कृष्णा राम, मदन गोपाल राम, प्रभाकर, स्र मनोज कुमार, राजमोहन कुमार, लकड़ही के वीरेंद्र कुमार सहित अनेकों प्रधान शिक्षक उपस्थित थे।

उमस — कई तरह के इंफेक्शन से हो सकता है खतरा

अस्पताल में मरीजों की बढ़ी भीड़, बरसाती बीमारी तेज

एक दिन में अस्पताल में 500 से अधिक मरीजों ने पर्चा बनवाया

मौसम में उतार चढ़ाव का असर बच्चों पर भी तेजी से हो रहा है

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में भीषण उमस के साथ ही लोग वायरल फीवर का शिकार होने लगे हैं। इसका असर सदर अस्पताल में दिखने लगा है। यहां मरीजों की भीड़ उमड़ने लगी है। शनिवार को अस्पताल में पर्चा बनवाने से लेकर ओपीडी में डॉक्टरों के कक्ष और जांच के लिए मरीजों की मेडौल जांच के बाहर लंबी लाइन लगी रही। एक दिन में अस्पताल में 500 से अधिक मरीजों ने पर्चा बनवाया। हाल में हुई

बारिश व तेज उमस भरी गर्मी से मौसम के इस बदलाव का असर अस्पताल की ओपीडी में रोज दिख रहा है। मौसम में उतार चढ़ाव का असर बच्चों पर भी तेजी से हो रहा है। इस मौसम की चपेट में आने से छोटे छोटे बच्चे बुखार, खांसी, जॉन्डिस, डायरिया-डिसेंट्री व अन्य बीमारियों के चपेट में आ रहे है।ओपीडी के चिकित्सको ने बताया कि मरीजों का उपचार किया जा रहा है। दूषित पानी पीने से उल्टी, दस्त, पीलिया जैसी बीमारियों की चपेट में लोग आ जाते हैं। बारिश के बाद उमस और गर्मी से लोग काफी परेशान है। इसके साथ ही मौसम जनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। जिसमें सर्दी, बुखार व खांसी सहित मलेरिया, टायफायड आदि रोगों से लोग बीमार हो रहे हैं।चिलचिलाती धूप और अचानक से छांव के कारण मरीजों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है।बदलते मौसम की वजह से लोगों में सीजनल फीवर व सर्दी खांसी के लक्षण पाए जा रहे हैं। अधिकतर बच्चे या 50 से अधिक उम्र के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। ऐसे में काफी सावधान रहने की आवश्यकता है। मौसम के उतार-चढ़ाव की वजह से सर्दी-खांसी के मरीज काफी बढ़ गए हैं। इन परेशानियों के बीच अत्यधिक गर्मी से चर्म रोग की परेशानी भी हो रही है। ऐसे में इन्फेक्शन होने की संभावना बढ़ जाती है। इनफेक्शन में वायरल इनफेक्शन, फंगल इनफेक्शन समेत कई तरह के इंफेक्शन हो सकता है।

जीयर स्वामी ने कहा, श्रद्धा व विश्वास के साथ मूर्ति का दर्शन करना चाहिए

'महिलाओं के लिए एकांत में संतों की सेवा वर्जित'

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

जीयर स्वामी ने कहा कि शास्त्र के अनुसार जो नारी अपने पति को हरि मानकर सेवा करती है, वह बैकुंठ लोक में लक्ष्मी के समान पति के साथ विराजती है। नारी समाज निर्माण की नींव हैं। वे सृष्टि चक्र को आगे बढ़ाने के साथ ही भरण, पोषण और समर्पण परंपरा के आधार हैं। स्वामी ने कहा कि साधु-संत चाहे कितने भी बड़े एवं विरक्त हो, माताओं को उनके साथ एकांत में कभी मिलने अथवा उनकी सेवा करने की इच्छा जाहिर नहीं करनी चाहिए। स्त्री को अपने पति के अतिरिक्त किसी भी परपुरुष का सान्निध्य वर्जित है। यहां तक कि एकांत में किसी अन्य पुरुष के साथ हास-परिहास भी शास्त्र-सम्मत नहीं है।

उन्होंने कहा कि प्रकाश वहीं देता है, जो स्वयं प्रकाशित होता है। जिसका इंद्रियों और मन पर नियंत्रण होता है, वही समाज के लिए अनुकरणीय होता है। जो इंद्रियों और मन को

वश में करके सदाचार का पालन करता है, समाज के लिए वही अनुकरणीय होता है। केवल वेश-भूषा, दाढ़ी-तिलक और ज्ञान-वैराग्य की बातें करना संत की वास्तविक पहचान नहीं। उन्होंने कहा कि विपत्ति में धैर्य, धन, पद और प्रतिष्ठा के बाद मयार्दा के प्रति विशेष सजगता, इंद्रियों पर नियंत्रण और समाज हित में अच्छे कार्य करना आदि साधू के लक्षण हैं। जीयर स्वामी ने कहा कि मूर्ति की पूजा करनी चाहिए। मूर्ति में नारायण वास करते हैं। मूर्ति भगवान का अर्चावतार हैं। मंदिर में मूर्ति और संत का दर्शन ऑखें बंद करके नहीं करना चाहिए। मूर्ति से प्रत्यक्ष रूप में भले कुछ न मिले लेकिन मूर्ति-दर्शन में कल्याण निहित है। उन्होंने कहा कि एकलव्य ने द्रोणाचार्य की मूर्ति से ज्ञान और विज्ञान को प्राप्त किया। श्रद्धा और विश्वास के साथ मूर्ति का दर्शन करना चाहिए।

जीयर स्वामी ने कहा कि काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद्य एवं मत्सर से बचना चाहिए। ये आध्यात्मिक जीवन के रिपु हैं। मत्सर का अर्थ करते हुए स्वामी जी ने बताया कि उसका शाब्दिक अर्थ द्वेष - विद्वेष एवं ईर्ष्या भाव है। उन्होंने कहा कि दूसरे के हर कार्य में दोष निकालना और दूसरे के विकास से नाखुश होना मत्सर है। मानव को मत्सरी नहीं होना चाहिए। अगर किसी में कोई छोटा दोष हो तो उसकी चर्चा नहीं करनी चाहिए। जो लोग सकारात्मक स्वाभाव के होते हैं, वे स्वयं सदा प्रसन्नचित्त रहते हैं। इसके विपरीत नकारात्मक प्रवृति के लोगों का अधिकांश समय दूसरे में दोष निकालने और उनकी प्रगति से ईर्ष्या करने में ही व्यतीत होता है।

खरौंधी में बिजली तार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

नवीन मेल संवाददाता। खरौंधी

खरौंधी थाना क्षेत्र अंतर्गत खरौंधी पंचायत के टोला गोबरदाहा में भोलाराम उम्र लगभग 50 वर्ष बिजली करंट की चपेट में आने से मौत हो गयी। बताया जाता है कि भोलाराम रोजाना की तरह चापाकल पर स्नान करने गए हुए थे, पास ही 440 वोल्ट तार गुजरा हुआ था। भोलाराम स्नान कर कपड़ा धो रहे थे कि अचानक बिजली का तार टूट कर गिर गया, जिसकी चपेट में वह आ गए। ग्रामीणों की मदद से आनन-फानन में भोलाराम को खरौंधी के एक निजी क्लीनिक में ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके मृत होने की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। पांच वर्ष पूर्व भोलाराम की पत्नी का भी निधन हो गया था। भोलाराम की तीन

लड़की हैं जिसमें सबसे छोटी लड़की का शादी भी नहीं हुयी है। छोटी लड़की कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में पढ़ती है। भोलाराम के घर पर कोई नहीं था, वह अकेले रहते थे। छोटी लड़की को जैसे ही इसकी सूचना मिली वहां से आने के बाद दहाड़ कर रोने लगी। प्रखंड के जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंच कर परिजनों को ढांढस बंधाया। दाह संस्कार के लिये आर्थिक सहयोग किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गढ़वा भेजा गया। मौके पर जिला परिषद सदस्य धर्मराज पासवान, विधायक प्रतिनिधि उपेंद्र दास, मंडल अध्यक्ष संध्याकर विश्वकर्मा, बाबूलाल पासवान, शशि पासवान सहित कई लोग मौजूद थे।

पारिवारिक विवाद के कारण प्री-प्लान कर घटना को दिया था अंजाम

पत्नी के दो भाइयों ने की थी सिराज अहमद की हत्या

भवनाथुपर ब्लॉक कोआर्डिनेटर हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

बीती 14 जुलाई को भवनाथपुर-नगर उंटारी मुख्य मार्ग तुलसीदामर घाटी के समीप भवनाथपुर ब्लॉक कोआर्डिनेटर सिराज अहमद की हत्या प्री-प्लान कर, उसके दो साले ने पारिवारिक विवाद के कारण की थी। यह जानकारी श्री बंशीधर नगर के एसडीपीओ प्रमोद कुमार केशरी ने अपने अनुमंडलीय कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि हत्या के बाद उसके भाई इसरार अंसारी के आवेदन पर नगर उंटारी थाना में 15 जुलाई को मामला दर्ज कर, उच्च पदाधिकारियों के निर्देशानुसार एक टीम का गठन किया गया। इसके बाद हत्या कांड में संलिप्त दो लोगों को गढ़वा थाना क्षेत्र के फरठिया स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए दोनों युवकों ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए मामले का खुलासा किया।

एसडीपीओ प्रमोद कुमार केशरी ने कहा कि मृतक सिराज अहमद द्वारा उनकी बहन को नहीं रखने के कारण उसके ससुराल वाले परेशान थे। ऊपर से मृतक सिराज अहमद द्वारा पिछले दिनों कोर्ट में केस भी कर दिया गया था, जिससे ससुराल वाले और भी गुस्से में थे। मृतक से उसकी पत्नी के भाई 28 वर्षीय टीपू सुल्तान तथा 24 वर्षीय इमरान अंसारी दोनों ने उसकी हत्या करने की योजना बनायी। इसके लिए दोनों हफ़्तों तक उसकी रैकी की और विगत 14 जुलाई को तुलसीदामर घाटी में सुनसान जगह पर गाड़ी रोक कर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि इस हत्या में कुछ और लोग भी शामिल हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। छापेमारी टीम में थाना प्रभारी नीतीश कुमार सिंह, पुअनि राहुल कुमार, कुमार विक्रम सिंह, चंद्रदेव कुमार, सुनील कुमार दास, सअनी श्रीकांत पांडेय सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

हवलदार चंद्रिका सिंह की ह्रदय गति रुकने से मौत

नवीन मेल संवाददाता। भंडरिया

भंडरिया थाना में पदस्थापित झारखंड सशस्त्र पुलिस बल 8 आई कंपनी के हवलदार के पद पर पदस्थापित चंद्रिका सिंह (40) की शुक्रवार की रात ह्रदय गति रुकने से मौत हो गई। मृतक हवलदार गढ़वा जिला के अरसली गांव के दक्षिण टोला बैगाडीह निवासी बताया गया है। उक्त हवलदार झारखंड सशस्त्र पुलिस बल के 2004 बैच का जवान था। जानकारी के अनुसार हवलदार शुक्रवार की शाम थाना परिसर में ही जवानों के साथ वालीबॉल खेलने के उपरांत जवानों की गिनती लेने के बाद अपने कमरे में जाकर दुरभाष पर बात कर रहे थे कि

अचानक तबीयत बिगड़ गयी। आनन फानन में अन्य जवानों के द्वारा इलाज के लिए भंडरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विजय किशोर रजक ने जवान को मृत घोषित कर दिया। इसकी जानकारी मृतक के स्वजनों को दी गई। साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गढ़वा भेजा गया है।

केतार में जिला परिषद सदस्य ने धोती-साड़ी का किया वितरण

केतार। केतार प्रखंड के परसोडीह गांव के जनवितरण प्रणाली दुकान के लाभुकों के बीच शनिवार को जिला परिषद सदस्य ज्वाला प्रसाद ने धोती साड़ी और लुंगी वितरण किया गया। इस मौके पर उप मुखिया सतेंद्र गुप्ता, चंद्रदेव रजवार, बैजनाथ रजवार, मंजय रजवार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

लातेहार संक्षिप्त

पशुधन विकास योजना को लेकर हुई बैठक

बरवाडीह। प्रखंड कार्यालय सभागार में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना को लेकर प्रखंड स्तरीय चयन समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय ने की। वहीं बैठक में प्रखंड प्रमुख सुशीला देवी जिला परिषद की सदस्य संतोषी शेखर, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ प्रमोद कुमार, विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह पिंटू मौजूद रहे, जबकि प्रखंड स्तरीय कमेटी के सदस्य कल्याण पदाधिकारी नदारद रहे। बैठक के दौरान मुख्य रूप से मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत बकरा विकास योजना, सुकर विकास योजना, कुक्कुट पालन योजना, बॉयलर कुक्कुट पालन योजना और बत्तख पालन योजना के तहत लाभुकों के ग्रामसभा के माध्यम से चयन के पूर्व प्रखंड स्तरीय एक कमेटी के माध्यम से पंचायत का चयन किया गया। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना को लेकर प्रखंड विकास अधिकारी ने बताया कि झारखंड सरकार की महत्वकांक्षी योजना के तहत चयनित गांव से लाभुकों का चयन करके उन्हें अनुदान के माध्यम से योजना का लाभ देने का काम किया जाएगा। लाभुकों को बेहतर पालन करने को लेकर शेड भी उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी ने कहा कि इस योजना के तहत विधवा महिला को विशेष प्राथमिकता देने के साथ-साथ एसटी, एससी महिलाओं को प्राथमिकता देने का प्रावधान है। जिन्हें ग्रामसभा के माध्यम से चयनित करने के बाद प्रखंड स्तरीय कमेटी के द्वारा चयन करने की प्रक्रिया की जाएगी।

बीस सूत्री समिति की बैठक में मुद्दों पर चर्चा

बारियातु। प्रखंड कार्यालय सभागार परिसर में बीस सूत्री समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता अध्यक्ष राजेंद्र गंझु ने की। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी प्रतिमा कुमारी समिति के सदस्य रिगन कुमार उपस्थित रहे। इसमें पशुधन योजना के अंतर्गत बांटे गए बकरा, बकरी हुई मौत के संबंध में संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई का निर्देश दिया गया। वहीं प्रखंड मुख्यालय स्थित परियोजना प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापिका द्वारा कथित रूप से इस सत्र में बच्चों को नामांकन के लिए परेशान किये जाने के संबंध में उन्हें अपनी कार्य-प्रणाली में सुधार करने का निर्देश दिया गया। मौके पर बीपीओ रवि कुमार, प्रखंड समन्यवक पंकज पांडेय, अरबिंद पांडेय, जेएसएलपीएस बीपीएम सुनील कुमार, एटीएम समीम अंसारी, सीआई अनिल होरो, राजश्वक्रमचारी नंनदेव राम, संदीप कुमार, राजी राम, बीस सूत्री समिति सदस्य, रोजगार सेवक व अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

कैंप लगा साइलो भू-रैयतों को एलपीसी सौंपा

बालूमाथ। मगध सीसीएल कोल माइंस केस पीट ऑफिस में निर्धारित कार्यक्रम के तहत कैंप का आयोजन कर साइलो निर्माण कार्य में गए भू रैयतों को एलपीसी दिया गया। बता दें कि आरा ग्राम में साइलो निर्माण में जिन रैयतों की भूमि गयी है उनको एलपीसी उपलब्ध कराने हेतु बालूमाथ अंचलाधिकारी आफताब आलम की अध्यक्षता में कैंप का आयोजन किया गया। जिन भूरैयतों ने भूमि का खतियान, लगान, रसीद इत्यादि कागजात कैंप में जमा किया उन्हें सीसीएल एवं अंचल के द्वारा एलपीसी उपलब्ध कराया गया। इस दौरान शिवनारायण प्रसाद, रवि प्रकाश, जितेंद्र प्रसाद, शंभू साव, पदुम यादव, विनोद गंझू, खेमलाल गंझू, राजेश राम, रूपलाल राणा, हरिहर प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद, राजन यादव, दीपक गंझू, महेंद्र साव, विमल गंझू, वीरमोहन साव, रविंद्र उरांव, रामवृक्ष साव, विनोद उरांव, गणेश उरांव, पवन कुमार आदि उपस्थित रहे।

एसडीओ ने किया औचक निरीक्षण, योजनाएं जांचीं

नवीन मेल संवाददाता। केतार

बंशीधर नगर अनुमंडल पदाधिकारी आलोक कुमार ने शनिवार केतार प्रखंड सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने प्रखंड सह अंचल कर्मी में उपस्थिति पंजी की जांच की। इस दौरान बायोमेट्रिक उपस्थिति पंजी नहीं मिल पाई जिस पर एसडीओ ने नाराजगी जताते हुए कार्यशैली में सुधार लाने की हिदायत दी। इसके पश्चात बलिगढ़ पंचायत के चेचरीया, दासीपुर गांव संचालित विकास योजना सोख्ता, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, वर्मी कम्पोस्ट योजना की जांच की। उन्होंने बीपीओ मनोज कुमार को समय पर टारगेट के अनुसार योजनाओं को पुर्ण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने पाचाडुमर बालू घाट का भी निरीक्षण किया। मौके पर बीडीओ मुकेश मछुआ, पंचायत सचिव राजीव कुमार, बीपीओ मनोज कुमार, पंद्रहवें वित्त समन्वयक राकेश कुमार मौजूद थे।

चिलबिल के पेड़ पर लटका मिला शव

धुरकी। पुलिस ने ग्राम कुंबाकला स्थित बलुवाही ढोंढा स्थित जंगल में चिलबिल के पेड़ में गमछा में लटका हुआ एक सड़ी हुयी अवस्था में शनिवार को शव बरामद किया है। शव की शिनाख्त शिवरी गांव के परीखा भूईआं का पुत्र दिलीप भूईआं (30) के रूप में की गयी। शव को पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया गया। थाना प्रभारी सदानंद कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों ने जानकारी दी है कि दिलीप मानसिक रूप से विक्षिप्त था। उसका कुछ दिन पहले हाइड्रोसील का ऑपरेशन हुआ था। मृतक ने अपना अंडकोष स्वयं ब्लेड से काट कर निकाल लिया था और घर से करीब एक सप्ताह से फरार था। उसकी खोजबीन परिजन कर रहे थे। मृतक के चार बच्चे हैं।

युवक की मौत से सिलीदाग में मातम

नवीन मेल संवाददाता। रमना

सिलीदाग पंचायत में गम का माहौल थमने का नाम नहीं ले रहा। अभी गत सप्ताह ही एक युवा मजदूर की हुयी मौत का मातम समाप्त भी नहीं हुआ था कि शनिवार को एक और युवा मंदिश भूईयां की अचानक मौत से लोग सदमे में हैं। ग्रामीणों के अनुसार मृतक को सुबह में शरीर में जलन महसूस हुआ, जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी। घरवाले शरीर देखे तो सांप काटने का निसान दिखा। उसे लेकर आनन फानन में गढ़वा हॉस्पिटल ले गये, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के चार नाबालिक बच्चे हैं, जिनका पालन -पोषण कैसे होगा? कौन देखभाल करेगा। इस बात की चर्चा सभी की जुबां पर है। मृतक मंदिश भूईयां पूर्व

सांसद मनोज भूईयां के कार्यकाल में रमना के सांसद प्रतिनिधि भी रह चुके थे। मृतक काफी मिलनसार एवं मृदु भाषी व्यक्ति और आयुर्वेद दवा के जानकार थे। मुखिया अनीता देवी मृतक के घर पहुंच कर परिजनों को हिम्मत बढ़ायी व हरसंभव आर्थिक मदद का आश्वासन भी दिया।

कार्यक्रम | मिलिनियम स्कूल में ग्रीन उत्सव मनाया गया

'पेड़ों के बिना जीवित नहीं रह सकते'

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधरनगर

सीबीएसई से मान्यता प्राप्त टेन प्लस टू सीनियर सेकेंडरी मिलिनियम पब्लिक स्कूल परिसर में शनिवार को मिलिनियम एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसाइटी के तत्वाधान में मिलिनियम ग्रीन उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक मुमताज राही ने कहा कि 2016 से ही प्रतिवर्ष 22 जुलाई को मिलिनियम ग्रीन उत्सव का आयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य संपूर्ण वातावरण में हरा भरा स्वच्छ व सुंदर बनाना है मानव का आदिकाल से ही पेड़ पौधे के साथ अन्योन्याय संबंध है, जिसके बिना हम जीवित नहीं रह सकते। यह प्रकृति की पूजा है। हम सभी को प्रकृति पूजा का पालन करना चाहिए। प्रत्येक मानव जाति को अपने सुरक्षित

भविष्य के लिए अवश्य एक पौधा लगाना एवं बचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मिलिनीयम ग्रीन उत्सव कर विद्यालय परिसर हरा- भरा स्वच्छ सुंदर हैं। विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने एक-एक पौधा लगाने का संकल्प लिया है। विद्यालय में आम, जामुन, बहेरा, हावड़ा, महोगनी, चंदन नींबू, संतरा, केवड़ा, जास्मीन, गुलाब सहित अन्य पौधा लगाया गया। मौके पर विद्यालय चेयरपर्सन नूरजहां बेगम, नागेंद्र प्रसाद सिंह, अनेश यादव, रविशंकर चौबे, मनोज कुमार, सूरज तमंग, जयप्रकाश ठाकुर, स्नेप्रिया, रीमा तिवारी, किरण, कौशल प्रवीण, असगर अंसारी, रामेश्वर प्रसाद सहित विद्यालय छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

मुखिया ने बच्चों के बीच किया पोशाक वितरण

नवीन मेल संवाददाता। केतार

प्रखंड क्षेत्र के मुकुन्दपुर पंचायत के मुखिया मुंगा साह ने शनिवार को उत्क्रमित नव प्राथमिक विद्यालय मायर और नव प्राथमिक विद्यालय ताली के छात्रों के बीच पोशाक वितरण किया। इस अवसर मुखिया ने नव प्राथमिक विद्यालय ताली में कक्षा एक और दो के 40 बच्चों और उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय मायर के 27 बच्चों के बीच पोशाक वितरण किया। बच्चों को दो सेट ड्रेस,जुता और मोजा दिया गया। इससे पूर्व मुखिया ने विद्यालय में बन रहे एमडीएम का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर मुखिया मुंगा साह ने कहा की सरकार गरीब तबके के बच्चों को पढ़ाई में हर तरह से मदद कर रही है। उन्होंने कहा की ड्रेस पहनकर विद्यालय आने से बच्चों में एकरूपता आती है। उन्होंने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शिक्षकों को बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मेनू की अनुसार मध्यान्ह भोजन देने की बात कही। इस मौके पर वार्ड सदस्य धर्मेंद्र सिंह, ब्रह्मदेव पासवान, कौशल्या देवी, शिक्षक महेंद्र सिंह, राम कुमार राम आदि मौजूद थे।

काली घटाएं तो छा रही हैं लेकिन बादल बिन बारिश लौट जा रहे

इंद्रदेव की बेरुखी से लातेहार के किसान हलकान, खेत हैं सूखे

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार
लातेहार जिले में जून माह ही नहीं जुलाई माह 15 तुलाई तक अच्छी बारिश न होने से शहरवासी ही नहीं किसान परेशान नजर आ रहे हैं। जिले के किसान इंद्र देव के मिजाज नहीं समझ पा रहे हैं, काली घटाएं तो छा रही है लेकिन बादल बिन बारिश लौट जा रही है। इंद्रदेव की नाराजगी लातेहार जिले के किसानों के लिए परेशानी का सबब बनते जा रही है। जिले के किसान मानों इंद्रदेव से कह रहे हों हे इंद्रदेव आप ना रूठे, खेत हैं सूखे, हम रह जायेंगे भूखे। कृषि कार्य के लिए किसान अच्छी बारिश की मानो बेसब्री से इंतजार कर रहे है।

बिचड़ा बचाने के लिए मोटर का सहारा

जिला में बारिश कम होने से खेती की जो स्थिति दिख रही है उससे किसान काफी परेशान हलकान नजर आ रहे हैं। कई किसान तो बारिश नहीं होने के कारण अपना बिचड़ा बचाने के लिए मोटर का सहारा ले रहे हैं। जून माह में बारिश का नामोनिशान नहीं दिखा अब जुलाई माह भी आधा बीत चुका है। ऐसे में लातेहार जिले में आधा मात्रा में भी बारिश नहीं होना किसानों की चिंता को और बढ़ा दी है। जिले में जुलाई माह खत्म होने में 15 दिन ही बचा है लेकिन बारिश सामान्य से 344.7 मिली मीटर वर्षा के जगह पर मात्र 32.4 मिली मीटर ही वर्षा का रिकार्ड दर्ज किया गया है। किसान शुरुआती मौसम को देखते हुए बिचड़ा खेतों में डाल चुके हैं पर अभी के समय में खेतों में बारिश नहीं होने की वजह से बिचड़ा सूख रहा है और कही अपना बिचड़ा बचाने के लिए किसान मजबूरन मोटर का सहारा ले रहे हैं।

जिले में 4 फीसदी ही हुई है धान की रोपाई

लातेहार जिले को 15 जुलाई तक बात करें तो कृषि विभाग को मिले लक्ष्य के बात करें तो बारिश नहीं होने के कारण 30 हजार हेक्टेयर में मात्र चार फीसदी ही धान की रोपा अभी तक हो पाई है। वहीं अरहर की बात करें तो 27 हजार हेक्टेयर में आधे भी नहीं बुआई हुई है। केलव 42 फीसदी ही अरहर की पूरे जिले में रोपा हुआ है। वहीं मक्का की बात करें तो कृषि विभाग को लातेहार में मिले लक्ष्य 1160 हेक्टेयर में केवल 34 फीसदी ही रोपा हो पाया है। पूरे जिले में 15 जुलाई तक औसत 344.7 मिमी के बदले मात्र 32.4 मिमी ही वर्षा हुआ है। इसी प्रकार अन्य प्रखंड की हालत हो गई है।

गर्मी से आमजनों का जीना हुआ मुहाल

बारिश नहीं होने की वजह से उमस भरी गर्मी में आमजनों का पसीना सूखने का नाम नहीं ले रहा है। मौसम पर नजर डाले तो दिनभर सूर्य देव और बादल के बीच खींचतान होते रहता है कभी सूर्यदेव उग जाते हैं तो कभी आसमान में बादल दिखने लगता है। लातेहार जिले के तापमान की बात करें तो अधिकतम तापमान 30 डिग्री से ऊपर व न्यूनतम तापमान 25 डिग्री से उपर नजर आता है।

क्या कहतें है कृषि पदाधिकारी

जिला कृषि पदाधिकारी अमृपेश कुमार सिंह कहतें हैं कि लातेहार जिले में अभी तक बारिश की स्थिति सही नहीं हैं। 15 जुलाई तक जिले में केवल 10 फीसदी ही बारिश हुई है। हम अभी और 15 दिनों तक वेट करेंगे। यदि बारिश नहीं हुई तो हम किसानों से अपील करेंगे की वह कम पानी की खपत आले फसल लगाएं जैसे की मडूआ, अरहर आदि। साथ ही उन्होंने किसानों से अपील की है कि आप चिंतित नहीं हो, प्रशासन हर संभव आपकी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि आप सभी को किसी भी प्रकार की समस्या हो तो विभाग में आकर संपर्क कर सकते हैं हर समस्या का समाधान करने की कोशिश किया जायेगा।

वन क्षेत्र को उजाड़ कर खेती करने वाले 13 पर केस दर्ज

नवीन मेल संवाददाता। बारियातु
थाना क्षेत्र के विश्रामपुर व बारा ग्राम मे वन क्षेत्र को उजाड़कर अवैध तरीके से खेती करने वाले 13 लोगों पर भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वन विभाग के प्रभारी फॉरेस्टर विजय शंकर शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि शिबला पंचायत अंतर्गत विश्रामपुर ग्राम में वन भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए लवकुश सिंह, विनय उरांव, लुरक लोहरा सहित 13 अतिक्रमणकारियों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

वहीं कई ग्रामीणों को समझाया गया और उन्हें चेतावनी दी गई कि भविष्य में इस तरह का वन अपराध ना करें अन्यथा नियम संगत कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान समय में वन संपदा की रक्षा ही हमारा प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए, जिससे ग्रामीणों के पशुओं के लिए चरागाह की उचित व्यवस्था एवं ग्रामीणों को वनोपज का उचित लाभ मिल सके। इधर भाटचतरा, बारा डहर, चैनपुपुर वन क्षेत्र के आसपास रहने वाले को हिदायत देते हुए दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से बताया है कि यदि वन क्षेत्र में जंगल उजाड़ कर खेती करते पकड़े गए तो वन अधिनियम के तहत शख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रकृति को सुरक्षित रखने के लिए ग्रामीण सहयोग करें।

मदरसा चिसतिया में तीन वर्ष से मिड-डे मील का आवंटन बंद

दान के एक-एक मुट्ठी चावल से बन रहा बच्चों का मध्याह्न भोजन

नवीन मेल संवाददाता। मयूरहंड(चतरा)
सिमरीया विधानसभा में एकलौता मदरसा चिसतिया महेशा में सरकार द्वारा बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन का आवंटन तीन वर्षों से बंद है, जबकि मदरसा चिसतिया प्रबंधन समिति में अध्यक्ष सिमरिया विधायक किशुन कुमार दास, सचिव मोहम्मद इशाक अली, पदेन सदस्य जिला शिक्षा पदाधिकारी चतरा, पदेन सदस्य अनुमंडल पदाधिकारी चतरा एवं प्रधानाध्यापक केबी हाई स्कूल इटखोरी शामिल हैं।

ज्ञात हो मदरसा की स्थापना वर्ष 15 नवंबर 1972 को किया गया, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर 7244 एवं मदरसा नंबर 720 है। बावजूद मदरसा में मध्याह्न भोजन का आवंटन उपलब्ध नहीं हो रहा है। जबकी आवंटन बंद होने की स्पष्ट जानकारी किसी के पास नहीं है। मदरसा में प्रतिनियुक्त प्रधानाध्यापक मोहम्मद हशमुदीन अंसारी ने बताया कि हमारा पदस्थापना सोकी उच्च विद्यालय में था। डिप्टेशन में अगस्त 2022 से यहां प्रभारी प्रधानाध्यापक पदस्थापित हूं। तब से लेकर अभी तक विभाग के तरफ से मध्याह्न भोजन का आवंटन उपलब्ध नहीं करवाया गया है और ना हीं रसोइया का वेतनमान दी जा रही है। प्राप्त जानकारी अनुसार कोविड समय से हीं आवंटन बंद पड़ा हुआ है। इसकी सूचना संबंधित पदाधिकारी को भी दी गई है। विद्यालय में ऑनलाइन 45 बच्चे नामांकित है और नामांकन जारी है। इन सभी बच्चों का मध्याह्न भोजन की व्यवस्था ग्रामीणो द्वारा एक-एक मुट्ठी चावल दान कर की जा रही है। वहीं सचीव इशाक अली द्वारा मदरसा में बच्चों को भोजन और अच्छी शिक्षा मिल सके इसके लिए रसोइया एवं एक निजी शिक्षक को वेतन दी जा रही है। इस पर प्रभारी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी मंजु कुमारी ने बताया कि उपर से हीं आवंटन बंद कर दी गई है। इसकी जांच आरडीडी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा भी की गई है। विधायक से पुछे जाने पर बताया गया कि इसकी जानकारी मुझे नहीं थी। अब जानकारी हुई है जिला शिक्षा पदाधिकारी से बात कर जल्द समाधान किया जाएगा। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि जानकारी अनुसार पूर्व के जांच रिपोर्ट अनुसार विद्यालय में बच्चे नहीं थे जिसके कारण आवंटन बंद कर दी गई थी। जिला शिक्षा अधीक्षक को जांचकर रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी।

मणिपुर में महिलाओं के अपमान से देश शर्मशार : जेएमएम

चंदवा। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मणिपुर घटना की निंदा की है। झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुरेश गंझू ने कहा कि भाजपा शासित प्रदेश मणिपुर में बीते ढाई माह से हिंसा जारी है। मणिपुर में बेकसूरआदिवासियों को निशाना बनाया जा रहा है। हिंसा में अबतक सैकड़ों लोगों की जान चली गई है। लाखों परिवार बेघर हो गए हैं। वे राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। बीते दिनों मणिपुर में दो आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने की घटना से देश शर्मशार हुआ है। वहीं झामुमो युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रंजीत उरांव ने कहा कि मणिपुर में इतने दिनों से जारी हिंसा रोक पाने में केंद्र व राज्य सरकार विफल रही है। सरकार के इशारों पर ही वहां निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। बहू बेटियों की इज्जत लुटी जा रही और सत्तारूढ़ भाजपा सरकार तमाशबीन बनी हुई है। नेताओं ने मणिपुर में शांति बहाली करने के साथ मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह को बर्खास्त कर वहां राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। निंदा व्यक्त करने वालो में झामुमो जिला उपाध्यक्ष शितमोहन मुंडा, जिला संगठन सचिव सुमन सुनील सोरेन, प्रखंड उपाध्यक्ष मो सरफराज, प्रखंड सचिव मो इजहार, रामधन गंझू, रामपाल उरांव, सुरेंद्र उरांव, रवींद्र गंझू आदि शामिल हैं।

करीब दो केजी अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, एक बाइक व दो फोन किये जब्त

नवीन मेल संवाददाता। चतरा
पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने एक किलो 700 ग्राम अफीम के साथ 2 तस्करों को सदर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया। गिरफ्तार तस्कर राजू कुमार और रमेश प्रसाद वर्मा दोनों गिद्धौर निवासी के पास से पुलिस ने एक मोटरसाइकिल और 2 स्मार्ट फोन और एक आधार कार्ड भी जब्त किया है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए एसडीपीओ अविनाश कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली कि मोटरसाईकिल से दो व्यक्ति गिद्धौर से अवैध अफीम लेकर बेचने के लिए ईटखोरी की और जा रहे हैं।

सूचना के आलोक में मेरे नेतृत्व में थाना प्रभारी मनोहर करमाली, पुलिस अवर निरीक्षक मनोज पाल, प्रकाश सेठ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सदर थाना क्षेत्र के चतरा-इटखोरी मार्ग स्थित पेक्सा द्वार के समीप वाहन चेकिंग के क्रम में मोटरसाईकिल से दो व्यक्ति आते दिखे जो पुलिस को देखते ही भागने का प्रयास करने लगे। दोनों को पकड़ तलाशी ली गई, तो दोनों के पास से कमर में छुपाकर रखे गए एक किलो 700 ग्राम अफीम बरामद किया गया। वहीं इस बाबत एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज करते हुए दोनों को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद जेल भेज दिया गया।

कुंदा में अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कुंदा(चतरा)। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कुंदा थाना क्षेत्र से छापेमारी कर एक केजी अफीम पट्टा और 6 किलो 400 ग्राम गिला अफीम बरामद किया है। थाना प्रभारी कौशल कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन को मिली गुप्ता सूचना के आधार पर कुंदा थाना क्षेत्र के आसेदिरी गांव से शुक्रवार को राकेश कुमार पिता बसंत यादव के घर से उपरोक्त अफीम बरामद किया गया। वहीं राकेश के निशानदेही पर वशिष्ट नगर जोरी के पोस्तिया (टोला मनुवातरी) के शिवदेव गंझू पिता सुकन गंझू को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी ने आगे बताया कि जैसे ही आसेदिरी पुलिस पहुंची तो अफीम माफिया भागने लगा जिसमे एक को दौड़ाकर पकड़ लिया गया और दो अन्य भागने में सफल रहे। दोनो तस्करों को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद जेल भेज दिया गया है। वहीं अन्य फश्रार तस्करों के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

बकाया रॉयल्टी जमा नहीं कराने वाले मनरेगा भेंडरों पर होगी कार्रवाई : बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता। बरवाडीह
प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय की अध्यक्षता में विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। इसमें सभी मनरेगा कर्मी, बीपीओ, कनीय अभियंता समेत संबंधित लोग उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम प्रखंड में चल रहे सभी मनरेगा कार्यों की पंचायत वार समीक्षा की गयी। इसके बाद बीडीओ ने मनरेगा कर्मी को 2021 तक लांबित मनरेगा कार्यों को 15 दिनों के अंदर बंद करने का निर्देश दिया।

समीक्षा बैठक :प्रखंड विकास पदाधिकारी ने लिया निर्णय

बीडीओ ने जॉब कार्ड के नाम पर फर्जीवाड़ा रोकने के लिए बिना आधार नंबर से बने सभी जॉब कार्ड को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने का आदेश दिया। बकाया रॉयल्टी का भुगतान नहीं करने पर बीडीओ ने ऐसे सभी मनरेगा भेंडर को चिन्हित कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जानकारी हो की प्रखंड में मनरेगा निर्माण कार्यों में 1 दर्जन से अधिक आपूर्तिकर्ता सामानों की आपूर्ति करते हैं। इसमें प्रखंड के गुप्ता इंटरप्राइजेज पर 1,79566/- रुपये की रॉयल्टी बकाया है। इसी प्रकार गुप्ता ट्रेडर्स 1,57994 रुपये, और रामेश्वर यादव ने 162552 रुपये की रॉयल्टी की राशि जमा नहीं की है। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने इन आपूर्तिकर्ताओं पर कार्रवाई करते हुए रॉयल्टी वसूली करने का निर्णय लिया गया। बैठक में बीपीओ त्रिवेणी राम, रवि कांत रवि, विजय कुमार पप्पू समेत सभी मनरेगा कर्मी उपस्थित थे।

छिपादोहर स्टेशन को हटाने के विरोध में धरना प्रदर्शन आज

बरवाडीह। पलामू टाइगर रिजर्व क्षेत्र अंतर्गत आने वाली रूट डाइवर्ट करने को लेकर छिपादोहर स्टेशन हटाए जाने की सुगबुगाहट शुरू होने के साथ ही छिपादोहर के ग्रामीणों द्वारा छिपादोहार रेलवे स्टेशन हटाए जाने के विरोध में आंदोलन करने का मन बना लिया है। रविवार को ग्रामीणों द्वारा छिपादोहार में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। ग्रामीणों के धरना प्रदर्शन को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी को लिखित सूचना देते हुई कार्यक्रम की तैयारी शुरू कर दी है।

शिक्षा की पहल : सवा लाख बच्चों मिलेगा अक्षर ज्ञान

नवीन मेल संवाददाता। चतरा
जिला मुख्यालय स्थित राज्य संपोषित बालक उच्च विद्यालय के सभागार में शिक्षा की पहल कार्यक्रम का आगाज शनिवार को हुआ। कार्यक्रम पिरामल फाउंडेशन व कैवल्य एजुकेशन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई थी। इसका उद्घाटन जिप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी, डीईओ दिनेश कुमार मिश्रा व गंधरिया मुखिया ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन कर रही दीपांशी निगम ने सभी पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। अतिथियों ने

कार्यक्रम के उद्देश्यों और इसके अनुभवों को साझा करते हुए शिक्षा की पहल कार्यक्रम को सराहा। कार्यक्रम प्रबंधक गरिमा ने कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य 1-5 वर्ष के बच्चों में एफएलएन (साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान) को बढ़ाने के साथ अनामांकित बच्चों का स्कूल में दाखिला कराना, वर्ष दर वर्ष प्राथमिक से माध्यमिक एवं माध्यमिक से सेकंडरी में प्रवेश दर को बढ़ाना। इसके तहत जिले में 100 मास्टर कोच तैयार किए जायेंगे। जिससे वित्तीय वर्ष के अंत तक लगभग 125000 बच्चों के ज्ञान एवं साक्षरता को सुदृढ़ किया जायेगा। बाला, पुस्तकालय, बाल संसद, मॉर्निंग असेंबली, विद्यालय प्रबंधन समिति आदि बहुत सारे तथ्यों को मजबूत करते हुए शिक्षा की इस पहल को आगे बढ़ाया जाएगा। कैवल्य एजुकेशन फाउंडेशन की प्रतिनिधि अमृता प्रजापति ने कार्यक्रम का पूरा परिचय दिया। संस्था जिला प्रतिनिधि अमित भारती ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से शिक्षकों, बीपीओ आदि को बेहतर तरीके से कार्य करने के बारे में बताया।

खेलकूद | लगोरी में लोहरदगा व कैरम में बाघमारा बना विजेता

क्षेत्रीय टेबल टेनिस में चतरा चैंपियन

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार
विद्या भारती विद्यालय सरस्वती विद्या मंदिर लातेहार में आयोजित उत्तर पूर्व क्षेत्र द्वारा दो दिवसीय क्षेत्रीय कैरम, टेबल सॉकर एवं लगोरी प्रतियोगिता के दूसरे दिन की शुरुआत मुख्य अतिथि अजय कुमार तिवारी विद्या विकास समिति के प्रदेश सचिव, सुरेश मंडल क्षेत्रीय खेल कूद प्रमुख, नीरज कुमार लाल पलामू विभाग निरीक्षक, अनिल कुमार ठाकुर विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष, प्रीति भारती विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सह सचिव, सुधांशु दुबे पूर्व छात्र एवं खेलकूद प्रतियोगिता के संयोजक तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण कुमार चौधरी के द्वारा संयुक्त रूप से से की गयी। क्षेत्रीय सह खेलकूद

प्रमुख सुरेश मंडल ने भैया/ बहनों को बताया कि लगोरी में प्रथम आए भैया /बहन अखिल भारतीय खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए चयनित हुए हैं। वे मध्य प्रदेश के सतना में 1 से 3 दिसंबर तक आयोजित होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेंगे। कैरम बोर्ड में बाल, किशोर, तरुण वर्ग में प्रथम आए भैया/ बहन उत्तर क्षेत्र शिमला में 5 से 8 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली अखिल भारतीय खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल होंगे। टेबल सॉकर में प्रथम आए भैया/ बहन भी अखिल भारतीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

पेड़ से लटका मिला अज्ञात युवक का शव हत्या की आशंका

चंदवा। थाना क्षेत्र के कामता पंचायत अंतर्गत भूषाड़ गांव मे शनिवार सुबह सखुवा पेड़ पर लटका एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी बब्लू कुमार सदल बल घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों के सहयोग से शव को पेड़ से निचे उतारा। पुलिस ने इस संबंध में आसपास के लोगों से जानकारी ली पर शव की पहचान नहीं हो पाई। शव को देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पहले इसकी हत्या कि गयी उसके बाद उसे पेड़ पर करीब 15 फीट ऊपर लटका दिया गया। मृतक के शरीर के कई हिस्सों में चोट के निशान हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये लातेहार भेज दिया। पुलिस ने लोगों से शव की पहचान को लेकर अपील की है।

एक दूसरे के प्रति सम्मान से ही कायम होगा सामाजिक सौहार्द : एसडीपीओ

नवीन मेल संवाददाता। बालूमाथ
लातेहार पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के निर्देश पर बालूमाथ थाना परिसर में मोहर्रम को लेकर शांति समिति व कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम के तहत संयुक्त रूप से अंचल अधिकारी आफताब आलम की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि 2019 बैच के नवप्रोन्नत आईपीएस सह बालूमाथ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार शामिल हुए। बालूमाथ थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव से आए लोगों को संबोधित करते हुए एसडीपीओ अजीत कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में एक दूसरे के परस्पर सम्मान से ही सांप्रदायिक सौहार्द को कायम किया जा सकता है। इमाम हुसैन की शहादत संपूर्ण मानवता के लिए एक प्रेरणा है। मोहर्रम के मर्म को समझना आज के परिप्रेक्ष्य में हम लोगों के

लिए अति आवश्यक है। बालूमाथ पुलिस शांतिपूर्ण माहौल में एक दूसरे का सम्मान करते हुए आपके सहयोगी बनकर कार्य करेगी बशर्ते आम लोग पुलिस को सहयोग करें। आलम ने कहा कि इस वर्ष भी बालूमाथ के लोग आपसी मेलजोल के साथ त्योहार मनाएंगे ऐसे ही उम्मीद है। पुलिस इंस्पेक्टर शशि रंजन ने कहा कि बालूमाथ की धरती आपसी सौहार्द की बेहतरीन मिसाल है। मौके पर पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद साहू, श्याम सुंदर यादव, लक्ष्मण कुशवाहा, अमित कुमार, गंगेश्वर यादव, आमिर हयात, शैलेश सिंह, मोहम्मद जुबेर, अख्तर अंसारी, राजकुमार गुप्ता, गंगेश्वर यादव, एसआई कैलाश बाड़ा, मुरपा टिकट प्रभारी राजेश मुर्मू, अंजुमन के सदर हाजी शब्बीर, कृष्णा यादव, नमेश्वर गुप्ता, विजय यादव, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष ऐश्वर्य उरांव, शेरगढ़ मुखिया सुरेंद्र उरांव, बालूमाथ थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद आदि मौजूद रहे।

छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह में टॉपर सहित सैकड़ों मेधावी बच्चे हुए सम्मानित

जीवन में लक्ष्य लेकर पढ़ाई करें विद्यार्थी : साहू

राहुल कौशल। लोहरदगा

बीएस कॉलेज के मल्टीपर्पज हॉल में शनिवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन पासवा के द्वारा किया गया। इस दौरान सीबीएसई, आईसीएसई एवं जैक बोर्ड में मैट्रिक इंटर के टॉपरों सहित सभी सरकारी, गैर सरकारी स्कूलों के मैट्रिक व इंटर परीक्षा पास किये हुए विद्यार्थियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। लोहरदगा जिला टॉपर्स को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं लोहरदगा के उन प्रतिभावान बच्चों को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। मौके पर विभिन्न स्कूल कॉलेज के प्राचार्य को भी सम्मानित किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि लोहरदगा के मेधावी विद्यार्थियों को आज प्रतिभा सम्मान के माध्यम से सम्मानित करने का मौका मिल रहा है। आज के बच्चे कल का भविष्य है। उन्होंने सभी बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आप बच्चे एक लक्ष्य लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयारी करे। आपके आगे की पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होने दिया जाएगा। आज इस परिसर में सैकड़ों की संख्या में मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जा रहा है, यह बहुत ही गौरव की बात है। हमारा प्रयास है लोहरदगा का सर्वांगीण विकास करना। यहाँ के विद्यार्थी देश विदेश में अपना नाम रौशन करें इसके लिए जो संभव होगा हम मदद करेंगे। कहा कि आदिवासी बहुल इस जिले के गरीब और पिछड़े समाज के स्कूली बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उनकी प्रतिभा को सम्मान देने से उनमें आगे बढ़ने की क्षमता का विकास होगा। आप बेझिझक अपनी समस्या लेकर हमारे पास आ सकते हैं हम आपकी मदद अवश्य करेंगे। सांसद ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों में ऊर्जा का संचार होता है। इससे पहले कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद धीरज साहू, विशिष्ट अतिथि वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव, पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार, डीडीसी समीरा एस, मंत्री पुत्र रोहित प्रियदर्शी उरांव, पासवा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे, डीएवी के पूर्व डायरेक्टर एल.आर.सैनी, राष्ट्रपति अवार्डी फलक फातिमा, बीएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ एसकेपी गुप्ता समेत अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इससे पहले समारोह में आये हुए अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। अतिथियों का स्वागत मोमेंटो, पुष्प गुच्छ और शॉल ओढ़ाकर किया गया। मौके पर सभी बच्चों का स्वागत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं वेलकम संगीत के माध्यम से किया गया।

बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं : उरांव

विशिष्ट अतिथि वित्त मंत्री सह लोहरदगा विधायक रामेश्वर उरांव ने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के विकास के लिए हर संभव कदम उठा रही हैं। मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति दिया जा रहा है। लोहरदगा के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है। यहां के बच्चे राज्य का नाम रौशन कर रहे हैं। हम बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आशीर्वाद देते हैं। वहीं रोहित प्रियदर्शी उरांव ने उपस्थित विद्यार्थियों में जोश व ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि लक्ष्य लेकर आप आगे बढ़े सफलता अवश्य मिलेगी। आप युवाओं पर ही देश का भविष्य टिका है। आप पढ़ेंगे तभी आप शिक्षित होंगे और देश का शिक्षा का स्तर बढ़ेगा। आप आगे बढ़े हम आपके साथ है। आपके हर कठिनाई को दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

रुचि के अनुरूप करें विषयों का चयन : एसपी

एसपी आर रामकुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को मोटिवेट करना हमारा प्रयास रहता है। मुझे अच्छा लगता है विद्यार्थियों के बीच आने में। विद्यार्थियों को अनुशासन के साथ पढ़ाई करनी चाहिए। अपने विश्वास को हमेशा बनाये रखें सफलता अवश्य मिलेगी। मैट्रिक इंटर की परीक्षा पास के बाद भविष्य की योजनाओं पर फोकस कर पढ़ाई करे। अपनी रुचि के अनुसार विषयो का चयन करें और कड़ी मेहनत लगन से पढ़ाई करे। इंटरनेट का उपयोग अपनी पढ़ाई करने के लिए करें। अपना रोल मॉडल के चयन करने में विशेष ध्यान रखें। वहीं समाज के विकास के लिए भी कार्य करे। अपने समाज को अच्छी दिशा में लेकर जायें। मौके पर बीएस कॉलेज के डॉ शशि गुप्ता, बीएड कॉलेज की सिस्टर शीला, उसुर्लाइन विद्यालय के प्रिंसिपल सिस्टर असरिता, डीएवी के जीपी झा, प्रिंसिपल फादर थॉमस, स्नेह कुमार, नैंसी सिमा लकड़ा, फादर इग्नासुस कुजूर, उषा मिंज, शिवनारायण कुमार समेत कमिटी के माजिद आलम, ज्ञान गंगा सिंह, विशाल डुंगडुंग, विनय उरांव, मनीषा तिर्की, मो. इरशाद, बिपीन कुमार, नीरज कुमार आदि मौजूद रहे।

चार गौवंश पशुओं के शव मिले, ग्रामीणों में आक्रोश

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत निंगनी पंचायत में शुक्रवार रात्रि अज्ञात अपराधियों के द्वारा गोवंश पशुओं को पिकअप वैन में लाकर रात के अंधेरे में ईंट भट्ठा के पास निजी जमीन में फेंक देने से ग्रामीणों में आक्रोश है। घटनास्थल पर दो बैल व दो गाय के शव पाए गए हैं जो रस्सी से बंधे हुए हैं। इस घटना की सूचना अन्य इलाकों में आग की तरह फैल गई। ग्रामीण घटनास्थल पर इकट्ठा होने लगे। ग्रामीणों ने आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी एवं जिला प्रशासन के द्वारा गोवंश पशु के उचित क्रिया कर्म की मांग की।

ग्रामीण इसे किसी बड़े षडयंत्र का हिस्सा मान रहे हैं। उन्होंने जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है ताकि इस तरह की घटना भविष्य में न हो। वहीं सदर थाना प्रभारी घटनास्थल पर पहुंचकर गहनता से जांच में जुट गये। उन्होंने कहा कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं बजरंग दल के सह गौरक्षा प्रमुख चंदन गोयल ने डॉक्टरों की टीम को बुलाकर गाय का पोस्टमार्टम करवाया। बजरंग दल जिला संयोजक सचिन कुमार ने प्रशासन से इस तरह का घटना को अंजाम देने वालों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। जिला बजरंग दल सुरक्षा प्रमुख उमेश सिंह ने कहा कि जिस तरह से लोहरदगा जिला में आतंकी गतिविधि में सम्मिलित लोगों की पहचान कर कार्रवाई की जाए। बजरंग दल जिला सहसंयोजक लवकेश कुमार ने कहा कि प्रशासन की जानकारी के बावजूद भी गौ तस्करी लोहरदगा जिला में धड़ल्ले से की जा रही है। गौ तस्करी का मुख्य मार्ग जुरिया, जेल खाना कुटुम नदिया और भी क्षेत्रों से धड़ल्ले से गौ तस्करी का कार्य चल रहा है। आए दिन इस तरीके घटनाएं से आने वाले समय में लोहरदगा का माहौल काफी खराब होने की संभावना है।

शिशु मंदिर में प्रतिभाओं का सम्मान

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर में प्रतिभा सम्मान आयोजित किया गया। इस दौरान फन विद कलर्स ईस्टर्न इंडिया इंटर स्कूल कलरिंग कंटेस्ट 2023 में विजेता घोषित हुए विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु मंदिर के कक्षा प्रथम से पंचम तक ने भाग लिया था। जिसमें प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहनों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करके सम्मानित किया गया। इसमें कक्षा प्रथम कि आशव सहदेव, निहारिका उरांव, माही कुमारी, कक्षा द्वितीय की परी कुमारी, अमन लोहरा,अमृता कुमारी, कक्षा तृतीय की सिद्धि शर्मा, नमन कुमार एवं विराट कुमार साहू, कक्षा चतुर्थ के विक्रांत कुमार साहू,राधिका कुमारी, दिव्य उरांव तथा कक्षा पंचम की प्राची सोनी, आशी कुमारी, आरुषि पन्ना ने क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र पांडे ने सभी भैया बहनों को अन्य प्रतियोगिता में सहभागिता करके विद्यालय का नाम रोशन करने का शुभ आशीष दिया। आयोजक मंडल के निशांत प्रवीण स्वीप एवाक्स छतर बगीचा लोहरदगा ने मुख्य भूमिका निभाई ।इस अवसर पर विद्यालय के नंद किशोर साहू, गणेश साहू, त्रिलोचन साहू, अशोक प्रसाद साहू, महेंद्र कुमार मिश्रा, मीनाक्षी, दिव्या, दीपिका सिंह, लक्ष्मी देवी जगदीश पांडे आचार्य बंधु भगिनी तथा भैया बहनों के अभिभावक भी उपस्थित थे।

खनन विभाग ने अवैध बालू स्टॉक को किया सील

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

डांडू में बालू माफिया के द्वारा किये गये अवैध बालू स्टॉक को खनन विभाग ने पुलिस के सहयोग से सील कर दिया। प्रखंड क्षेत्र के डांडू पंचायत ग्राम में अवैध रूप से बालू डम्पिंग करने की सूचना जिला सहायक खनन पदाधिकारी राजराम प्रसाद को मिलते ही सेन्हा थाना प्रभारी अभिनव कुमार एवं शस्त्र बल के सहयोग से डांडू ग्राम स्थित अवैध बालू डम्पिंग स्थल पहुंच स्टॉक बालू को सील किया गया। वहीं बालू माफिया के विरुद्ध खनन अधिनियम के तहत कारवाई भी की जायेगी। फिलहाल अवैध रूप से डम्पिंग बालू को सील कर दिया गया है। बालू डम्पिंग किसके द्वारा कराया जा रहा था इसको लेकर स्थानीय लोग भी कुछ बोलने से परहेज कर रहे। वहीं सहायक खनन पदाधिकारी राजाराम प्रसाद ने बताया कि 30 से 40 ट्रैक्टर बालू स्टॉक में पाया गया, जो अवैध है। उन्होंने कहा खनिज संपदा चोरी एवं विभाग को राजस्व की क्षति पहुंचाने को लेकर उन बालू माफिया के विरुद्ध कानूनी की जायेगी।

फेसबुक पर लड़कियों से दोस्ती कर अश्लील फोटो बनाने का आरोपी धराया

नवीन मेल संवाददाता। चैनपुर (गुमला)

पैसे ठगने के लिए साइबर ठग अब नया तरीका अपना रहे हैं। ठग फेसबुक से फोटो चुराकर उसे अश्लील बनाकर लोगों को फेसबुक मैसेंजर एप एवं व्हाट्सएप पर भेज पैसों की मांग कर रहे हैं। पैसे नहीं देने पर अश्लील फोटो को वायरल करने की धमकी दी जा रही है। ऐसे ही एक आरोपी को चैनपुर पुलिस ने शुक्रवार देर शाम लातेहार जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी हेरहंज प्रखंड शिक्षा विभाग के कार्यालय में सविंदा (अनुबंध) के रूप में कंप्यूटर ऑपरेटर का कार्य करता है। आरोपी ने चैनपुर क्षेत्र की एक लड़की से फेसबुक पर दोस्ती करने के बाद दूसरे का अश्लील फोटो चेहरे में बदल कर फोटो वायरल करने की धमकी देते हुए पैसे की मांग कर रहा था। इसके बाद इसकी सूचना चैनपुर सर्किल इंस्पेक्टर बैजू उरांव को मिली घटना की जानकारी मिलते ही चैनपुर थाना में मामला दर्ज करते हुए त्वरित कार्रवाई की गई। इसके बाद आरोपी विकाश कुमार रवि को लातेहार जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं शनिवार को उसे जेल भेज दिया गया। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए सर्किल इंस्पेक्टर बैजू उरांव ने बताया कि आरोपी पिछले कई सालों से अपने मोबाइल से फेसबुक पर लड़कियों से दोस्ती करता था दोस्ती करने के बाद दूसरे का अश्लील फोटो में चेहरा बदलकर फेसबुक मैसेंजर एप एवं व्हाट्सएप के माध्यम से भेज कर पैसे की मांग करता था। उन्होंने बताया कि जाल में फंसे लोगों से 10 से 20 हजार रुपये की मांग करता था। पैसे नहीं देने पर फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करने की धमकी देता था। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। साथ ही कहा कि सोशल मीडिया साइबर ठगी के लिए मुख्य अड्डा है साइबर ठगी करने वाले तरह-तरह के हथकंडे अपना कर लोगों को ठग रहे हैं आप सतर्क रहें सावधान रहें।

लगोरी प्रतियोगिता में विद्या मंदिर ने पाया प्रथम स्थान

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर लातेहार में आयोजित 34 वां क्षेत्रीय लगोरी, कैरम और टेबल सोकर प्रतियोगिता के अंतर्गत लगोरी प्रतियोगिता में शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा के करमचंद भगत, कमलेश उरांव की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर पूरे झारखंड, बिहार क्षेत्र में विद्यालय का नाम रोशन किया। वंदना सभा में प्रधानाचार्य बिपिन कुमार के द्वारा प्रतिभागी को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान किया गया। टीम तथा खेल आचार्य जोधन सिंह के द्वारा प्रधानाचार्य को स्मृति चिन्ह भेंट किया। मौके पर प्रबंध कारिणी समिति के सचिव अजय प्रसाद, अध्यक्ष शशिधर लाल अग्रवाल, गुमला विभाग के विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार आदि मौजूद थे।

भूमि सम्मान मिलना हर्ष की बात : जिप अध्यक्ष

कुडू। भूमि संसाधन विभाग भारत सरकार द्वारा दिल्ली स्थित विज्ञान भवन के सभागार में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा भूमि रिकॉर्ड सुधार हेतु संचालित अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भूमि सम्मान-2023 प्लेटिनम सर्टिफिकेट से सम्मानित होकर लौटे लोहरदगा उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण का जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी ने पुष्पगुच्छ देकर गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके साथ पूर्व पेशरार जिप सदस्य बिनोद सिंह खेरवार, आदिवासी छात्रसंघ के अध्यक्ष अवधेश उरांव सहित अन्य मौजूद थे। रिना कुमारी ने कहा कि राष्ट्रपति द्वारा जिले को भूमि सम्मान मिलना लोहरदगा जिले के लिए बड़े गर्व की बात है। सभी जिले वासियों में इस उपलब्धि पर हर्ष व्याप्त है।

दुकानदारों की समस्याओं से अवगत हुए विधायक-सांसद

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

परिसदन में वित्त मंत्री सह लोहरदगा विधायक डॉ रामेश्वर उरांव एवं राज्यसभा सांसद धीरज साहू से व्यवसायी संजय बर्म्मन की अगुवाई में नगर परिषद द्वारा आवंटित भूखंड तथा दुकानदारों के समूह ने मिलकर गुहार लगाई तथा उन्हें बताया कि परिषद द्वारा नोटिस देकर दुकानों के किराए में अप्रत्याशित रूप से 700/800 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। सफाई शुल्क के नाम पर बगैर कभी नोटिस दिए 6 साल का 500 महीना की दर से एकमुश्त 35,500 जमा करने, दुकानों को सिर्फ पति पत्नी और बेटा द्वारा ही दुकान संचालित करने आदि कई तरह के कागजात जमा करने एवं सभी प्रकार के राशि 03 दिनों के अंदर जमा करने का आदेश दिया है जो न्यायोचित नहीं है। संबंधित मामले पर मंत्री रामेश्वर उरांव व सांसद धीरज साहू ने भरोसा दिलाया हैं कि किराया को संशोधित कराया जायेगा। डॉ उरांव ने दुकानदारों से यह भी कहा कि वे 25 जुलाई को मंत्रिमंडल की बैठक में भी इस बात का जिक्र करेंगे तथा किसी भी दुकानदार के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। मौके पर दुकानदार संजय बर्म्मन, नईम अंसारी, लालू साहू, अमजद अंसारी, विनोद अग्रवाल, हसनैन अली, विनय शर्मा, सऊद आलम, विवेक सिंघल, शकील अंसारी, अभिषेक अग्रवाल, आशिक अंसारी, टीपू सुल्तान, रवि मेहता, मो. अनवर, कुलदीप राम, आफताब आलम, मनोज राम ,परवेज आलम, मो. मुतुर्जा, विजय ठाकुर, मो मतीन, सुबोध महतो, मो जमाल, मो कलीम, पप्पू वर्मा आदि उपस्थित थे।

खेलकूद

बेसिक उच्च विद्यालय के खेल मैदान में सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

उउवि शाहबुटी की टीम ने बेसिक स्कूल सेन्हा को हराया

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

प्रखंड मुख्यालय स्थित बेसिक उच्च विद्यालय के खेल मैदान में खेलो झारखंड के तहत आयोजित सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन किया गया। इसमें प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न सरकारी विद्यालय के 14 और 17 आयु वर्ग के बालक बालिकाओं की टीमों ने भाग लिया। वहीं 14 वर्ष आयु बालक वर्ग में उत्क्रमित उच्च विद्यालय शाहबुटी का टीम बेसिक स्कूल सेन्हा को पराजित कर प्रखंड चैंपियन बना।

17 वर्ष आयु वर्ग में बालिकाओं के फाइनल मैच नंदलाल प्लस 2 उच्च विद्यालय अरु और कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पेशरार के बीच खेला गया। इसमें नंदलाल प्लस 2 उच्च विद्यालय की टीम ट्राइब्रेकर में पेशरार को पराजित कर विजयी हुयी। वहीं 17 वर्ष आयु वर्ग का फाइनल मैच उत्क्रमित उच्च विद्यालय शाहबुटी और उच्च विद्यालय सीठीयो के बीच खेला गया। इसमें उत्क्रमित उच्च विद्यालय शाहबुटी की टीम उच्च विद्यालय सीठीयो 3-0 से पराजित कर प्रखंड विजेता बनी। सूत्रों के अनुसार खेल के दौरान कमेटी की ओर से नेट, बॉल और रेफरी की व्यवस्था नहीं की गयी थी। इससे खिलाड़ियों को काफी असुविधा महसूस हो रही थी। सभी टीमों के अधिकांश खिलाड़ी खाली पैर ही खेल रहे थे। मौके पर बीईओ रामकरण द्विवेदी के अलावा अंबिका पांडेय, रंजन यादव, सारू उरांव, बिनोद सिंह, अनिल उरांव, संगीता लकड़ा, राजवीर चौधरी आदि शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थे।

प्रखंड स्तरीय बालिका सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

भंडरा। भंडरा प्रखंड स्तरीय 17 वर्षीय बालिका सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन लाल बहादुर शास्त्री प्लस टू विद्यालय के मैदान में हुआ। प्रतियोगिता में छह टीमों ने भाग लिया। इसमें प्रथम स्थान प्लस टू विद्यालय बामंडीहा चट्टी ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान उत्क्रमित उच्च विद्यालय मसमानो की छात्राओं ने प्राप्त किया। मौके पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी जय नाथ महतो, निशांत कुमार, राम विजय खलखो, महावीर साहू, सोहराई उरांव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अंडर 17 स्कूली फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता। कैरो

62वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगितामें भाग लेने के लिये खेलो झारखंड के अंतर्गत कैरो हाई स्कूल खेल मैदान में आयोजित प्रखंड स्तरीय अंडर 17 स्कूली फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला अनुमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल, अंचलाधिकारी कमलेश उरांव, प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार महतो, बीईईओ जयमंगल लोहरा आदि ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन मैच नगजुआ और गराड़ीह स्कूल के बीच खेला गया, जिसमें नगजुआ स्कूल ने जीत हासिल की। बालक एवं बालिका वर्ग में डॉक्टर अनुग्रह नारायण प्लस टू उच्च विद्यालय विजेता एवं बालक वर्ग में उपविजेता नगजुआ एव बालिका वर्ग में उत्क्रमित उर्दू उच्च विद्यालय गराड़ीह उपविजेता रही। मौके पर जिला अनुमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल ने कहा कि सुब्रतो फुटबॉल कप प्रतियोगिता के माध्यम से प्रखंड, जिला, प्रदेश व देश स्तर पर खेल सकते हैं। मौके पर प्रधानध्यापक गणेश कुमार शास्त्री, अभिषेक केशरी, राजेश साहू, बीपीओ ओम प्रकाश आदि उपस्थित थे।

NEWS इन ब्रीफ

एनएसई ने निवेशकों को सुनिश्चित रिटर्न योजना के प्रति किया आगाह

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने निवेशकों को दो व्यक्तियों की तरफ से प्रस्तावित किसी भी सुनिश्चित लाभ (रिटर्न) योजना में अपना पैसा लगाने के प्रति आगाह किया। ये दो व्यक्ति शेयर बाजार से जुड़े उज्जवल प्रियदर्शी और ट्रेडस्पेर से जुड़ी नेहा हैं। एनएसई ने दो अलग-अलग बयानों में कहा, वे (उज्ज्वल और नेहा) शेयर बाजार में निवेश पर सुनिश्चित लाभ देने और कारोबार के लिए प्रतिभूति बाजार संबंधी सलाह प्रदान कर रहे थे और निवेशकों को उनके ट्रेडिंग खातों को संभालने की पेशकश भी कर रहे थे। बयानों के अनुसार, ये व्यक्ति एक्सचेंज के पंजीकृत सदस्य के सदस्य या अधिकृत व्यक्ति के रूप में पंजीकृत नहीं हैं।

पीएफसी ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में किए 2.37 लाख करोड़ रुपए करार

पणजी। ऊर्जा परियोजनाओं के लिए वित्त पोषण करने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनी पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) ने अदानी, ग्रीनको, राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी जैसीसार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की 20 कंपनियों के साथ स्वच्छ उर्जा क्षेत्र परियोजनाओं में सहयोग के लिए 2.37 लाख करोड़ से अधिक के करार किए हैं। कंपनी की शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार के साथ ये करार (एमओयू) सौर, पवन ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी स्टोरेज, इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में हरित ऊर्जा परियोजनाओं के लिए उपकरण का विनिर्माण करने वाली कंपनियों के साथ किए गए हैं। पावर फाइनेंस के साथ हस्ताक्षर करने वाली कंपनियों में अदानी, ग्रीनको, रिन्यू, कॉन्टिनम, अवाडा, जेबीएम ऑटो, मेघा इंजीनियरिंग और राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी जैसी कंपनियां शामिल हैं।

नहीं चाहिए तुम्हारी इलेक्ट्रिक कार, चीन के मेगाप्लान को मोदी सरकार ने किया खारिज

बीवाईडी भारत में नहीं लगा पाएगा ईवी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट

एजेंसी। नई दिल्ली

चीन की दिग्गज इलेक्ट्रिक कार कंपनी बीवाईडी को बड़ा झटका लगा है। बीवाईडी ने भारत में एक अरब डॉलर का निवेश करने का प्रस्ताव रखा था। चीन की इलेक्ट्रिक कार कंपनी बीवाईडी हैदराबाद बेस्ड मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के साथ साझेदारी करके भारत में एक प्लांट लगाना चाहती थी। लेकिन अब कंपनी के इस प्लान पर पानी फिर गया है। केंद्र की मोदी सरकार ने चीन की इलेक्ट्रिक कार कंपनी बीवाईडी के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इसके पीछे की वजह सुरक्षा बताई जा रही है। चीनी इलेक्ट्रिक कंपनी भारत में तेजी से पैर जमाने की कोशिश में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,

कंपनी के निवेश प्रस्ताव का आकलन करने के लिए डीपीआईआईटी ने विभिन्न विभागों से इनपुट मांगा था। चर्चा के दौरान भारत में चीनी निवेश से संबंधित सुरक्षा मुद्दों पर चिंताएं उठाई गईं। बीवाईडी मामले में सरकार की भी ऐसी ही चिंताएं थीं, जो अब सामने आ गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षा संबंधी चिंताओं को देखते हुए सीमा पार के प्लेयर्स को भारतीय बाजार से बाहर रखने के सरकार के रुख के मद्देनजर चीनी कंपनियों के प्रवेश को लेकर गृह और विदेश मंत्रालय में बेचैनी है। विदेशी कंपनियों के भारत में कदम रखने के लिए स्थानीय कंपनियों के साथ करार करना होता है। कुछ मामलों में ऐसा देखा गया है कि स्थानीय कंपनियां डमी की तरह होती हैं। बीवाईडी मामले में सरकार की भी ऐसी ही चिंताएं थीं। इसके चलते केंद्र सरकार ने इसे खारिज कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीनी इलेक्ट्रिक कंपनी ने प्रस्ताव दिया था कि वह सालाना 10,000-15,000 इलेक्ट्रिक कारों का निर्माण करेगी। बिक्री के मामले में दुनिया की अग्रणी इलेक्ट्रिक वाहन निमार्ता कंपनी इ ऊपहले ही भारत में दो एव मॉडल पेश कर चुकी है। इसके अलावा बीवाईडी अपनी इलेक्ट्रिक बसों के लिए टएक्छ की सहायक कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक को तकनीकी सहायता प्रदान कर रही है। बता दें कि ओलेक्ट्रा को 2,000 बसों का ऑर्डर मिला है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी चार्जिंग पर 18 प्रतिशत कर

नई दिल्ली। कर्नाटक अथॉरिटी आफ एडवांस रूलिंग (एएआर) ने कहा है कि इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाली बैटरी चार्ज करने पर 18 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगना चाहिए। चामुंडेश्वरी इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कॉर्पोरेशन लिमिटेड से जुड़े एक मामले की सुनवाई के बाद एएआर ने कहा कि कंपनी को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की अनुमति दी जानी चाहिए।न्यायालय के सामने यह मामला था कि क्या बैटरी चार्जिंग वस्तु की आपूर्ति है या सेवा की आपूर्ति। वस्तु की आपूर्ति के मामले में कोई जीएसटी नहीं लगता है और सेवा की आपूर्ति में 18 प्रतिशत जीएसटी का प्रावधान है। वह नियम उन लोगों के लिए नकारात्मक है, जो बैटरी चार्जिंग इकाई स्थापित करना चाहते हैं, अगर इसे न्यायालय के आदेश की नजीर के रूप में देखा जाए।

यस बैंक ने जारी किए नतीजे, जून तिमाही में 10 फीसदी बढ़ा मुनाफा

नई दिल्ली। प्राइवेट सेक्टर के यस बैंक ने शनिवार को नतीजे जारी किए हैं। यस बैंक के लिए जून तिमाही शानदार रही है। एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई जानकारी के मुताबिक, यस बैंक का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 10.3 फीसदी और तिमाही आधार पर 69.2 फीसदी बढ़त के साथ 343 करोड़ रुपये पहुंच गया है। यस बैंक की नेट इंट्रेस्ट इनकम यानी एनआईआई की बात करें तो यह भी सालाना आधार पर 8.1 फीसदी बढ़कर 2 हजार करोड़ रुपये पहुंच गई है। इसी के साथ बैंक की ब्याज से आय यानी एनआईआई भी बढ़ी है।

एक महीने से भी कम समय में हल्दी की कीमतें 42% बढ़ीं

नई दिल्ली। जीरा, टमाटर और दलहन के बाद अब हल्दी की कीमत बढ़ने की बारी है। प्रमुख इलाकों में बोआई में देरी, व्यापारियों के पास स्टॉक कम होने और पिछले कुछ सीजन में कम मुनाफा के कारण इसकी खेती को लेकर उदासीनता के कारण एक महीने से भी कम समय में हल्दी की कीमत में करीब 42 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। कुछ व्यापारियों का कहना है कि कुछ जमाखोरी भी संभव है, क्योंकि कई साल के बाद इससे मुनाफे में सुधार हुआ है। एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक हल्दी का हाजिर भाव 20 जून को मोटे तौर पर 8,100 रुपए प्रति क्विंटल था, जो 19 जून को बढ़कर 11,500 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक हल्दी की खुदरा महंगाई जनवरी के 7.6 प्रतिशत से घटकर जून में 4 प्रतिशत पर आ गई है, जो मंत्रालय के अंतिम उपलब्ध आंकड़े हैं। हल्दी लंबे समय में तैयार होने वाली फसल है और इसकी ज्यादातर फसल 250 से 270 दिन में पकती है। इसकी बोआई सामान्यतया जाते मॉनसून के वक्त जुलाई में शुरू होती है और मार्च में फसल तैयार होती है। हालांकि कुछ ऐसी किस्में हैं, जो जल्दी तैयार हो जाती हैं लेकिन अधिकतर फसल को तैयार होने में 8 महीने लग जाते हैं। पहले अग्रिम अनुमान के मुताबिक 2022-23 फसल वर्ष में भारत में 11.6 लाख टन हल्दी का उत्पादन हुआ, जो 2021-22 के 12.2 लाख टन की तुलना में मामूली कम था। सामान्यतया 2,90,000 से 3,30,000 हेक्टेयर जमीन पर हल्दी की खेती की जाती है लेकिन 2022-23 में आधिकारिक अनुमान के मुताबिक इसके रकबे में करीब 10,000 हेक्टेयर की कमी आई है।

तेजी से अपनी लोकप्रियता खो रहा मेटा थ्रेड्स

नई दिल्ली। इंस्टाग्राम का ट्विटर प्रतिस्पर्धी थ्रेड्स तेजी से अपनी लोकप्रियता खो रहा है, जो जुलाई की शुरुआत में अपने उच्चतम स्तर से 70 प्रतिशत की भारी गिरावट है। मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग के इस दावे के बावजूद कि थ्रेड्स पर प्रतिदिन लाखों लोग वापस आ रहे हैं, थ्रेड्स पर डेली एक्टिव यूजर्स की संख्या दूसरे सप्ताह में गिरकर 13 मिलियन हो गई, जो 7 जुलाई के हाई प्वाइंट से 70 प्रतिशत की गिरावट पर है। सेंसर टॉवर डेटा का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है, साइन-अप में शुरुआती उछाल के बाद थ्रेड्स पर यूजर एंगेजमेंट में गिरावट जारी है, जिससे मूल मेटा प्लेटफॉर्म पर दबाव बढ़ रहा है। इसमें कहा गया है कि डेटा से पता चलता है कि यूजर्स इंगेजमेंट में 70 प्रतिशत की गिरावट आई है। क्योंकि अधिकारी क्रोनोलॉजिकल फीड जैसे विकल्पों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हालांकि, मेटा अधिकारियों ने कहा है कि वे गिरावट को चिंताजनक नहीं मानते हैं और कहा है कि वे अतिरिक्त फीचर्स पर काम कर रहे हैं

पेटीएम ने लगातार तीन तिमाहियों में कमाया मुनाफा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत की अग्रणी भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने एक और प्रभावशाली तिमाही वृद्धि दिखाई है। इसने साल-दर-साल 39 प्रतिशत की बंपर राजस्व वृद्धि दर्ज की है, जिससे वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में इसका राजस्व 2,342 करोड़ रुपये हो गया है। यह जीएमवी में वृद्धि, मर्चेंट सब्सक्रिप्शन रेवेन्यू और प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत ऋणों की वृद्धि से हासिल हुआ है। ईएसओपी से पहले पेटीएम का ईबीआईटीडीए (अर्निंग्स बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्स, डेप्रिसिएशन एंड अमॉर्टाइजेशन) सालाना आधार पर 359 करोड़ रुपये से बढ़कर 84 करोड़ रुपये हो गया, जबकि वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही में यह 52 करोड़ रुपये (यूपीआई

प्रोत्साहन को छोड़कर) था। वित्त वर्ष 24 में, पेटीएम ने अपने योगदान लाभ को सालाना आधार पर 80 प्रतिशत बढ़ाकर 1,304 करोड़ रुपये कर दिया। योगदान मार्जिन में वृद्धि और मुनाफा में लगातार सुधार से प्रेरित, ईएसओपी मार्जिन से पहले ईबीआईटीडीए भी 4 प्रतिशत तक सुधर गया। पिछले एक साल में, कंपनी का मर्चेंट ग्राहक आधार जून 2023 तक दोगुना से अधिक 79 लाख हो गया और इसका मर्चेंट आधार 3.6 करोड़ तक बढ़ गया, जो कि पेटीएम साउंड बॉक्स और पेटीएम कार्ड मशीन जैसे इसके अग्रणी उपकरणों के लिए एक मजबूत वृद्धि है। शुद्ध भुगतान मार्जिन में वृद्धि और ऋण वितरण व्यवसाय में वृद्धि के साथ, कंपनी का योगदान मार्जिन इस तिमाही में बढ़कर 56 प्रतिशत हो गया, जो सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही के लिए इसकी भुगतान सेवाओं का राजस्व सालाना आधार पर 31 प्रतिशत बढ़कर 1,414 करोड़ रुपये हो गया। मर्चेंट पेमेंट में अग्रणी होने के नाते, पेटीएम लगातार लोकप्रियता हासिल कर रहा है और प्रति डिवाइस प्रति माह 100 रुपये से 500 रुपये तक की कमाई करता है। इस बीच, वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में वितरित व्यापारी ऋणों की संख्या में सालाना आधार पर 141 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मर्चेंट लोन का मूल्य सालाना आधार पर 232 प्रतिशत बढ़कर 2,744 करोड़ रुपये हो गया। पेटीएम द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सेवाओं से राजस्व में बंपर वृद्धि देखी गई।

विदेश

पहली बार अमेरिकी नौसेना का नेतृत्व करेगी महिला एडमिरल

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने नौसेना का नेतृत्व करने के लिए एडमिरल लिसा फ्रैंचेटी को चुना है। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियुक्ति की पुष्टि होने के बाद वह अमेरिकी सैन्य बेड़ा प्रमुख बनने वाली पहली महिला होंगी। इस समय नौसेना संचालन में उपप्रमुख फ्रैंचेटी, ह्याज्वाइंट चीफ ऑफ स्टॉफ' की पहली महिला सदस्य बनेंगी। कई अमेरिकी अधिकारियों ने पिछले महीने कहा था कि रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सिफारिश की है कि बाइडन नौसेना के प्रशांत बेड़े के वर्तमान कमांडर एडमिरल सैमुअल पापारो को चुनें। प्रशासन के अधिकारी ने कहा कि बाइडन इसके बजाय अमेरिका की हिंद-प्रशांत कमान का नेतृत्व करने के लिए पापारो को नामित कर रहे हैं।

कभी पुतिन समर्थक रहे रूसी जनरल ने राष्ट्रपति को बताया 'कायर'

अब मिली दुश्मनी की कड़ी सजा, पहुंचे जेल

एजेंसी। मॉस्को

रूस ने पूर्व अलगाववादी कमांडर और राष्ट्रवादी ब्लॉगर के तौर पर मशहूर इगोर गिर्किन को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें उनके उपनाम इगोर स्ट्रेलकोव के नाम से भी जाना जाता है। इगोर को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की तीखी आलोचना करने के बाद हिरासत में लिया गया है। उनके वकील की तरफ से इस बात की जानकारी दी गई है। गिर्किन की हिरासत प्राइवेट आर्मी ग्रुप वैगनर के कम समय के विद्रोह के बाद हुई। इस विद्रोह को विशेषज्ञों ने पुतिन के शासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती के रूप में करार दिया था। इगोर एक पूर्व

सैनिक और जासूस भी रहे हैं। उनके वकील अलेक्जेंडर मोलोखोव ने एएफपी को बताया कि उन्हें कानून प्रवर्तन द्वारा हिरासत में लिया गया है। सोशल मीडिया पर गिर्किन की पत्नी मिरोस्लावा रेगिंस्काया के एक मैसेज में कहा था कि उन्हें चरमपंथ के आरोपों के बाद हिरासत में लिया गया है। वकील मोलोखोव ने कहा कि उन्होंने अभी तक गिर्किन की हिरासत से जुड़ा कोई दस्तावेज नहीं मिला है। अब वह अपने क्लाइंट तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं। डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक के पूर्व आर्मी कमांडर 52 साल के गिर्किन क्रेमलिन के बड़े समर्थक थे। साल 2014 में जब पूर्वी यूक्रेन में लड़ाई छिड़ी थी तो उन्होंने उसका समर्थन किया था। साल 2022 में वह उन तीन लोगों में से एक थे जिन्हें 2014 में यूक्रेन के ऊपर मलेशिया एयरलाइंस की उड़ान टल17 को गिराने के मामले में डच कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। हाल के वर्षों में गिर्किन, पुतिन के सबसे आलोचक बन गए थे।

OFFICE OF THE DEPUTY COMMISSIONER-CUM-DISTRICT MAGISTRATE, PALAMU
(District Development Section)
Phone No.: 06562-224433 Email: ddc-pal@nic.in

Tender Reference No: Date:
Expression of Interest for Supply of Utensils for Anganwadi Centers, Palamu, Jharkhand.

Sl.	Information	Details
1	Name of the work	Expression of Interest for supply of Utensils for Anganwadi Centers, Palamu, Jharkhand
2	Period of Work	60 Days
3	Date of Publication of Bid on Website	21-07-2023
4	Tender Cost/ Document Fee	Rs 20,000/- (In the form of DD) in favour of DMFT, Palamu, Payable at Palamu (Non-Refundable)
5	Earnest Money Deposit (EMD)	Rs. 1,00,000/- in the form of DD (Valid for at least 6 months from the last date of submission of the bid) duly pledged in favour of DMFT, Palamu, Jharkhand
6	Last date and time of receipt of Bid	Date: 31-07-2023 Time: 2 PM
7	Date and time of opening of Bid	Date:31-07-2023 Time: 4 PM
8	Bid submission Place	Collectorate Building, District Development Section, Block-C, First Floor
9	Bid Opening Place	Collectorate Building, Meeting Hall, Block-A, First Floor

PR 303002 Palamu (23-24)_D

Deputy Commissioner
Palamu

कार्रवाई: पाकिस्तानी आर्मी चीफ की धमकी से नहीं डरे तालिबानी

टीटीपी पर नहीं लेंगे ऐक्शन, बुरे फंसे जनरल मुनीर

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की सेना जब अमेरिका के खिलाफ तालिबान की मदद कर रही थी, तब उसने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कभी ये आतंकी उसके लिए भस्मासुर बन जाएंगे। अब तालिबान की सरकार पाकिस्तान के लिए नासूर बन गई है और अब अपने आका की बात को भी नहीं मान रही है। पाकिस्तान के विशेष दूत अफगानिस्तान पहुंचे थे ताकि तालिबान को टीटीपी आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए मना लिया जाए। पाकिस्तान की यह कोशिश फेल हो गई है। तालिबान ने साफ कह दिया है कि वह टीटीपी के खिलाफ कोई ऐक्शन नहीं लेगा और यह भी नसीहत दे दी कि पाकिस्तान खुनी हमले कर रहे टीटीपी के आतंकियों से बातचीत करे। पाकिस्तान की सरकार ने अपने विशेष दूत के जरिए यह दबाव डालने की कोशिश की थी कि तालिबान अब टीटीपी आतंकियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करे। तीन

दिन तक समझाने के बाद भी तालिबान पर कोई असर नहीं हुआ और उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा है। तालिबान ने साफ कह दिया है वह कोई कार्रवाई नहीं करेगा, पाकिस्तान को टीटीपी से बातचीत करनी चाहिए। पाकिस्तानी दूत असद दुर्रानी ने अफगानिस्तान के डेप्युटी पीएम और विदेश मंत्री दोनों को मनाने की बहुत कोशिश की लेकिन वे नहीं पिघले। पाकिस्तान ने कहा कि उसका धैर्य जवाब दे रहा है। यह मामला आतंकवाद का है और पाकिस्तान के लिए गंभीर चिंता का विषय है। पाकिस्तानी अखबार के मुताबिक पाकिस्तान सरकार के टीटीपी के खिलाफ दबाव के बाद भी तालिबान सरकार इस रास्ते पर बढ़ने के लिए तैयार नहीं है। तालिबान के डेप्युटी पीएम ने सुझाव दिया कि ताकत की बजाय शांति के रास्ते को अपनाया जाए। पाकिस्तानी सूत्रों के मुताबिक यह इस बात का संकेत है कि तालिबान टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं करना चाहता है। तालिबान सरकार ने एक बार फिर से पाकिस्तान की सरकार से कहा कि वह टीटीपी के साथ शांति बातचीत करे। टीटीपी के ताजा हमले में 12 सैनिकों की मौत के बाद पाकिस्तान सरकार बौखलाई हुई है। टीटीपी के लगातार हो रहे हमलों के बाद पाकिस्तान ने इस आतंकी गुट के साथ बातचीत को बंद कर दिया था।

यूक्रेन पर पुतिन से पड़ी झाड़ तो मिमियाने लगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। यूक्रेन को करोड़ों डॉलर के हथियार बेचकर और रूस से सस्ता तेल तथा गेहूं लेकर दोहरा फायदा हासिल करने की कोशिश में लगा पाकिस्तान आखिरकार अपने ही जाल में फंस गया है। दरअसल, पाकिस्तान के दौरे पर आए यूक्रेन के विदेश मंत्री दमित्री कुलेबा नाराज न हो जाएं, इसके लिए बिलावल के विदेश मंत्रालय ने रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के रूसी पत्रकार को प्रेस कॉन्फ्रेंस से बाहर कर दिया। पाकिस्तान सरकार का यह फैसला रूस को काफी नागवार गुजरा और उसने इस पर नाराजगी जताते हुए सफाई मांग ली। रूस के सख्त रुख के बाद पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय सफाई दे रहा है। यही नहीं रूसी एजेंसी के पत्रकार ने पाकिस्तान और यूक्रेन के बीच पक रही खिचड़ी पर सवाल पूछ लिया जिसके बाद पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय अब बगलें झांकने लगा है। रूस के दबाव के बाद पाकिस्तान ने एक बार फिर से अब रूसी पत्रकार को विदेश मंत्रालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में आने की अनुमति दे दी है।

NAGAR PANCHAYAT, SHRI BANSHIDHAR NAGAR
Nagar Panchayat Office, Shri Banshidhar Mandir road, Shri Banshidhar Nagar, District- Garhwa, Jharkhand, 822121
Phone No.: 7763988693 email ID: npnagaruntari@gmail.com

(NIT No. 04/2023-24) 7th Call

Reference No.- ULB/NIT/SHRI BANSHIDHAR NAGAR SEPTAGE/TENDER/1910/2022/511 Date: 20-07-23

Short Term Tender Notice
IMPORTANT INFORMATION

1	Name of Work	Construction and Commissioning of Faecal Sludge Treatment Plant of Capacity 6 cum/day at Shri Banshidhar Nagar town (Jharkhand) followed by Operation and Maintenance including desludging operations for 5 years
2	Estimated Cost (INR)	Construction Cost: ₹ 1,36,52,734/- Operation & Maintenance Cost ₹ 87,57,955/- Total: ₹ 2,24,10,689/-
3	Bid Security (INR)	₹ 2,24,000/- (Rupees)
4	Cost of Bid Document (INR)	₹ 10,000/- (Rupees Ten Thousand Only); non-refundable
5	Time of Completion	1 year of construction which comprises 9 months of construction and 3 months of defect liability period including one month of trial run and 5 years of O&M post DLP
6	Date of e-publication of tender	20-07-2023, 16:00 Hrs
7	Document downloading start Date	20-07-2023, 16:00 Hrs
8	Start date for seeking clarification	20-07-2023, 16:00 Hrs
9	End date for seeking clarification	28-07-2023, 17:00 Hrs
10	Pre bid meeting date, Time & Venue	28-07-2023, 13:00 Hrs at Chamber of Office of Executive Officer, Nagar Panchayat Office,Shri Banshidhar Nagar Mandir road, Shri Banshidhar Nagar, Distt. Garhwa, Jharkhand – 822121.
11	Bid submission end date	04-08-2023, 17:00 Hrs
12	Last day for the submission of Bid Security, cost of bid document	05-08-2023, 17:00 Hrs
13	Bid opening date (online)	07-08-2023, 11:00 Hrs

Complete bid document is available on website http://Jharkhandtenders.gov.in and www.garhwa.nic.in other details can be seen in the bidding documents.
*Bid security 1% of Bid amount.

Executive Officer
Shri Banshidhar Nagar,
Nagar Panchayat

PR 303003 (Urban Development) 23-24 (D)

एक नजर इधर भी

नेपाल सीमा : खौफनाक सरहद

कभी आतंकी संगठनों की घुसपैठ, जाली भारतीय करेंसी तथा विदेशी वस्तुओं की तस्करी के लिए कुख्यात नेपाल की खुली सीमा इन दिनों सीमा हैदर को लेकर चर्चा में है। नेपाल के रास्ते बड़ी आसानी से अपने चार बच्चों के साथ भारत आई सीमा हैदर की सच्चाई क्या है यह सुरक्षा तंत्रों के जांच का विषय है, अभी सिर्फ यह है कि भारत नेपाल की खुली सीमा जहां सुरक्षा व जांच पड़ताल के व्यापक प्रबंध है, वहां की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर तार तार होती दिखी। सरहद की चर्चा होने पर भारत-पाक सरहद का खौफनाक दृष्य आंखों के सामने कौंध जाता है। वहां की भयावहता ऐसी कि कब दिल दहला देने वाली मनहूस खबर आ जाय कुछ तय नहीं रहता। वेशक ऐसी डरावनी संभावना भारत-नेपाल सीमा पर भले ही न हो लेकिन इस सीमा को भी अब कम खतरनाक आंकना भूल होगी। यह मानना है नेपाल सीमा पर तैनात खूफिया एजेंसियों की। खूफिया एजेंसियों की यह आशंका पूर्व में भारत के बड़े शहरों में तबाही मचाने जैसे षणयंत्रों का खुलासा और लखनऊ, दिल्ली में पकड़े गये आतंकी संगठनों के सदस्यों के कबूलनामें पर आधारित हो सकता है। पाकिस्तान से जुड़ी अर्तंरराष्टीय सीमाओं पर सख्ती के बाद पाकिस्तानी आतंकी संगठन नेपाल के रास्ते भारत में घुसपैठ करने के फिराक में रहते हैं। नेपाल सीमा पर तैनात खूफिया सूचनाओं की मानें तो भारत-नेपाल की संपूर्ण 1757 किमी की खुली हुई लंबी सीमा भारत के लिए गंभीर खतरा बन गई है। नेपाल और भारत से लगी यह लंबी सीमा यूपी, उत्तराखंड, बिहार,पश्चिम बंगाल और सिक्किम को स्पर्श करती है। नेपाल सीमा की भयावह तस्वीर दरअसल वक्त वक्त पर तब उभरती है जब देश में कहीं भी आतंकी बारदात या आतंकियों के नेपाल के रास्ते घुसपैठ की खबरें आती है। खूफिया रिपोर्टों की मानें तो नेपाल सीमा के दोनों तरफ भारत विरोधी तत्वों का आमद रफ्त बना रहता है। नेपाल सीमा के दोनों तरफ कुछ ऐसे लोग हैं जो अवांछनीय तत्वों को संरक्षण देते रहते हैं। नेपाल की राजधानी काठमांडू भारत विरोधियों के राजनीतिक संरक्षण का प्रमुख केन्द्र पहले से ही है। दोनों देशों के बीच परागामन संधि के तहत कुल 18 मार्ग ही आवागमन के लिए अधिकृत हैं। इन रास्तों से लोगों को गहन तलाशी के बाद आने जाने दिया जाता है लेकिन इसके अलावा सैकड़ों ऐसे रास्ते हैं जो जंगल झाड़ी तथा नदी नालों से होकर गुजरते हैं जहां सुरक्षा के कोई बंदोबश्त नही है। लिहाजा ये रास्ते तस्करी सहित अवांछनीय तत्वों के आवगमन के लिए मुफीद साबित हो रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों के लिए ये मार्ग सदैव ही चुनौती बने रहते हैं। नेपाल सीमा पर कुख्यात आतंकी यासीन भटकल, अब्दुल करीम टुंडा, जब्बार, जावेद कमाल, वसीम, बब्बर खालसा का सुखविंदर सिंह,भाग सिंह, अजमेर सिंह तथा मुंबई बम कांड के कुख्यात आतंकी टाइगर मेमन सहित दर्जन भर आंतकियों के नेपाल में पकड़े जाने से भी इस सीमा को भारत के आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरे की दृष्टि से देखा जाने लगा है। नेपाल सीमा के क्रमशः सोनौली, ठूठी बारी खुनुवा, बढ़नी, ककरहवा, अलीगढ़वा सीमा को मुफीद मानते हैं। नेपाल सीमा के मार्ग यूपी के सिद्धार्थनगर तथा महराजगंज जिले में स्थित है। सीमा हैदर के सिद्धार्थनगर जिले के खुनुवा सीमा से भारत में प्रवेश की बात सामने आ रही है। इस सीमा से ज्यादा तर लोग पैदल ही आते जाते हैं। माना जा रहा है कि सीमा नकाब पहनकर अपने बच्चों के साथ इस रास्ते आसानी से भारत में दाखिल हो गई। भारत नेपाल सीमा आतंकी अथवा आंतकी संगठनों के लिए कितना मुफीद है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कश्मीर में आंतकियों के समक्ष जब आत्मसमपर्ण का प्रस्ताव रखा गया तो 90 प्रतिशत आतंकियों ने नेपाल सीमा के रास्ते आकर आत्मसमर्पण की इच्छा जताई। गृहमंत्रालय के आंकड़े के अनुसार पिछले कुछ सालों में तीन सौ से अधिक कश्मीरी आतंकियों ने नेपाल सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों के समक्ष आत्म समपर्ण किया जिन्हें जम्मू कश्मीर सरकार को सुपुर्द किया गया।

■ यशोदा श्रीवास्तव

हिंदू राष्ट्रवाद के पितामह थे लोकमान्य तिलक

बाल गंगाधर तिलक प्रखर राष्ट्रवादी, हिन्दूवादी नेता एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व थे। वे समाज सुधारक, राष्ट्रीय नेता, थे जिन्हें भारतीय इतिहास, संस्कृत, हिन्दू धर्म, गणित और खगोल विज्ञान में महारथ हासिल थी। तिलक ने ही सबसे पहले ब्रिटिश राज के दौरान पूर्ण स्वराज की मांग उठाई थी। स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे ले कर रहूंगा। इस नारे ने बहुत से लोगों को प्रोत्साहित किया था। आजादी के परवानों के लिए ये महज कुछ शब्द भर नहीं थे बल्कि एक जोश, एक जुनून था जिसके जरिए लाखों लोगों ने अपनी कुर्बानियां देकर मां भारती को अंग्रेजों से आजादी दिलाई। इस वाक्य को पढ़ने और सुनने वाले को बाल गंगाधर तिलक की याद आ ही जाती है। लोकमान्य का अर्थ है लोगों द्वारा स्वीकृत किया गया नेता। लोकमान्य के अलावा इनको हिंदू राष्ट्रवाद का पितामह भी कहा जाता है। बाल गंगाधर तिलक भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के जनक के रूप में जाने जाते हैं। बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी के एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। रत्नागिरी गांव से निकलकर आधुनिक कॉलेज में शिक्षा पाने वाले ये भारतीय पीढ़ी के पहले पढ़े लिखे नेता थे। इन्होंने कुछ समय तक स्कूल और कालेजों में गणित पढ़ाया। अप्रतिम प्रतिभा सम्पन्न तिलकजी कुशल मानवशिल्पी के साथ राष्ट्र-शिल्पी थे। उनकी वाणी तीक्ष्ण, तेजधार होने के साथ-साथ सीधी, सरल एवं हृदय को छूने एवं प्रभावकारी परिणाम करने वाली थी। अपनी पारखी दृष्टि से व्यक्ति की क्षमताओं को पहचान कर न केवल उसका विकास करते थे अपितु उसे देश, समाज एवं राष्ट्र हित में नियोजित भी करते थे। राष्ट्रोत्थान की भावना जगाने में उनका कौशल अद्भुत था। एक सामाजिक-सांस्कृतिक-राष्ट्रीय व्यक्तित्व होते हुए भी तिलकजी ने भारतीय राजनीति की दिशा को राष्ट्रीयता की ओर कैसे परिवर्तित किया है, यह समझने के लिए भी उनके जीवन-दर्शन को पढ़ना आवश्यक है। अखण्ड भारत का स्वप्न देखने एवं उसे आकार देने वालों में प्रखर राष्ट्रवादी नेता तिलक पश्चिमी शिक्षा पद्धिति के बड़े आलोचक थे। उनका मानना था इसके द्वारा भारतीय विद्यार्थियों को नीचा दिखाया जाता है और भारतीय संस्कृति को गलत ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है।अंग्रेजी शिक्षा के ये आलोचक थे। इस वजह से ये मानते थे कि यह भारतीय सभ्यता के प्रति अनादर सिखाती है। कुछ सोच विचार के बाद वे इसी नतीजे में पहुंचें कि एक अच्छा नागरिक तभी बन सकता है, जब उसे अच्छी शिक्षा मिले। भारत में शिक्षा को सुधारने के लिए उन्होंने अपने मित्र के साथ मिलकर 'डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी' की स्थापना की ताकि भारत में शिक्षा का स्तर सुधरे। शिक्षा का स्तर सुधारने की दिशा में भी काफी काम किया। तिलक ने अंग्रेजों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी। जब अंग्रेजों ने तिलक को 1906 में विद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर 6 साल की सजा सुनाई और बर्मा को एक जेल में डाल दिया तो जेल में महान किताब गीता रहस्य लिख डाली जो तिलक जैसा व्यक्तित्व ही कर सकता है। गणेश उत्सव और शिवाजी के जन्म उत्सव जैसे सामाजिक उत्सवों को प्रतिष्ठित कर उन्होंने लोगों को एक साथ जोड़ने का काम भी किया। बाल गंगाधर तिलक को ब्रिटिश राज के दौरान स्वराज के सबसे पहले और मजबूत अधिवक्ताओं में से एक माना जाता है। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कई नेताओं से एक करीबी संधि बनाई, जिनमें बिपिन चन्द्र पाल, लाला लाजपत राय, अरविन्द घोष, वी० ओ० चिदम्बरम पिल्लै और मुहम्मद अली जिन्नाह शामिल थे। बाल गंगाधर तिलक ने इंग्लिश में मराठा दर्पण व मराठी में केसरी नाम से दो दैनिक समाचार पत्र शुरू किए, ये दोनों जल्द ही जनता में बहुत लोकप्रिय हो गये। तिलक ने अंग्रेजी शासन की क्रूरता और भारतीय संस्कृति के प्रति हीन भावना की बहुत आलोचना की। इन्होंने मांग की कि ब्रिटिश सरकार तुरन्त भारतीयों को पूर्ण स्वराज दे। वो अपने अखबार केसरी में अंग्रेजों के खिलाफ काफी आक्रामक लेख लिखते थे। इन्हीं लेखों की वजह से उनको कई बार जेल भेजा गया। तिलक अपने समय के सबसे प्रख्यात आमूल परिवर्तनवादियों में से एक थे। इसके अलावा वो जल्दी शादी करने के भी विरोधी थे। इसी वजह से वो शुरू से ही 1891 एज ऑफ कंसेन्ट विधेयक के खिलाफ थे, क्योंकि वे उसे हिन्दू धर्म में अतिक्रमण और एक खतरनाक उदाहरण के रूप में देख रहे थे। इस अधिनियम ने लड़की के विवाह करने की न्यूनतम आयु को 10 से बढ़ाकर 12 वर्ष कर दिया था। तिलक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से 1890 में जुड़े। चूंकि उन दिनों कांग्रेस का राज था, इस वजह से वो भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए लेकिन जल्द ही वे कांग्रेस के नरमपंथी रवैये के विरुद्ध हो गए, वो उनके विरोध में बोलने लगे। इसके अलावा कई अन्य नेता भी इसी तरह से विरोध में बोलने लगे और कई समर्थन में बोलने लगे। जिसकी वजह से 1907 में कांग्रेस गरम दल और नरम दल में विभाजित हो गयी। गरम दल में तिलक के साथ लाला लाजपत राय और बिपिन चन्द्र पाल शामिल हो गए, इन तीनों को लाल-बाल-पाल के नाम से जाना जाने लगा। 1908 में तिलक ने क्रान्तिकारी प्रफुल्ल चाकी और खुदीराम बोस के बम हमले का समर्थन किया जिसकी वजह से उन्हें बर्मा (अब म्यांमार) स्थित मांडले की जेल भेज दिया गया। जेल से छूटकर वे फिर कांग्रेस में शामिल हो गये और 1916 में एनी बेसेंट और मुहम्मद अली जिन्ना के साथ अखिल भारतीय होम रूल लीग की स्थापना की।

स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे ले कर रहूंगा। इस नारे ने बहुत से लोगों को प्रोत्साहित किया था। आजादी के परवानों के लिए ये महज कुछ शब्द भर नहीं थे बल्कि एक जोश, एक जुनून था जिसके जरिए लाखों लोगों ने अपनी कुर्बानियां देकर मां भारती को अंग्रेजों से आजादी दिलाई। इस वाक्य को पढ़ने वाले को गंगाधर तिलक की याद आ ही जाती है।

इन दिनों

ललित गर्ग

भ्रष्टाचार को उजागर करते बाढ़ के बाद के दृश्य

प्रकृति ने पिछले दिनों हुई बेतहाशा बारिश पर लगाम लगा तो जरूर दी है परन्तु बाढ़ व जल प्रलय की विभीषिका के बाद के भयावह दृश्य व उनके दुष्प्रभाव सामने आने शुरू हो चुके हैं। शासन प्रशासन इन चुनौतीपूर्ण हालात का सामना करने की कोशिश कर रहा है। कई जगह जहां बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी सरकारी तंत्रों ने अपने मेहनतकश कर्मचारियों के दिन रात किये गये अथक परिश्रम से विद्युत आपूर्ति को बहाल किया। जहाँ जहाँ जलापूर्ति प्रभावित थी या गंदे पानी की आपूर्ति हो रही थी उसे भी अधिकांश जगहों पर सामान्य किया जा चुका है। और जहाँ नहीं हो सकी है उसके लिये प्रयास जारी हैं। सरकार द्वारा पेय जल प्रदूषित होने के कारण फैलने वाली बीमारी से बचाव के मद्देनजर कई जगहों पर नागरिकों में दवाइयां वितरित करवाने की कोशिश की जा रही है। निचले इलाकों में ठहरे हुये पानी से सड़ांध फैली हुई है इससे बीमारी फैलने की आशंका है। तमाम स्थानों से मवेशियों के मरने व सड़ने की खबरें आ रही हैं। इनसे निपटना भी एक बड़ी चुनौती है। जहाँ जहाँ अंडर पास ओवर फ्लो हो गये थे वे भी अब खाली हो चुके हैं उनमें जमी गाद भी साफ की जा चुकी है। और जहाँ अंडर पास में डूबने से कोई मर गया था वहां सरकार ने चेतावनी के बोर्ड लगवा दिये हैं। जहाँ जहां रेल लाइनों पर जलभराव के चलते रेल परिचालन बाधित हुआ था उसे दुरुस्त कर रेल आवागमन लगभग नियमित किया जा चुका है। परन्तु बाढ़ व भारी बारिश की इस विभीषिका ने सरकार व प्रशासन की एक बार फिर पोल खोल कर भी रख दी है। जहाँ जहाँ सड़कों पर जलभराव था वहां अनेक जगहों पर बने गड्ढे इस बात की गवाही दे रहे हैं कि सड़क निर्माण में कितनी घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी सड़कों पर अनेक जगहों पर बजरी बाहर निकल आई है जिससे निर्माण में बरती गयी लापरवाही व भ्रष्टाचार का साफ पता चल रहा है। दर्जनों पुल व बाँध टूटने के बाद उनके निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़ा हो रहा है। जिसतरह कई निर्माणाधीन या नवनिर्मित पुल व बाँध इस भीषण तबाही में ध्वस्त हो गये उसी तरह देश में कुछ स्थानों से उस नव निर्माणाधीन रेल लाइनों के नीचे से जमीन धंसने व बहने के भी समाचार हैं जोकि देश के चारों कोने को जोड़ने के लिये विशेष समर्पित माल ढुलाई गलियारा के नाम से बनाया जा रहा है। अभी इसपर मॉल गाड़ियां भी नहीं दौड़ीं और नई बिछाई गयी रेल लाइनों के नीचे से जमीन भी खिसक गयी ? इस तरह के दृश्य योजना अभियांत्रिकी तथा निर्माण की गुणवत्ता आदि अनेक पहलू से सवाल खड़ा कर रहे हैं। इसी तरह कई जगहों पर नालों की सफाई जो बारिश से पहले ही की जानी चाहिये वह नहीं हो पाई जिसके चलते शहरी इलाकों में जलभराव हुआ। अनेक बस्तियों में पानी घुस आया। लोगों को भरी क्षति का सामना करना पड़ा। और जब बारिश रुकने के बाद जे सी बी के द्वारा गहरे नालों की सफाई की भी गयी तो अनेक नाले क्षतिग्रस्त हो गये। क्योंकि उनमें घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग हुआ था। और उनमें जमी घास फूस नियमित रूप से साफ नहीं की जा रही थी। सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का झूठा ढोल जरूर पीटती रहती है, परन्तु नालों नालियों व सड़कों गलियों के निर्माण की गुणवत्ता स्वयं इस बात का सुबूत है कि इनमें कितना भ्रष्टाचार किया गया है। कई जगहों पर तो नालों नालियों में लगने वाली ईटों को एक दूसरी पर रखकर और बिना सीमेंट से उन्हें जोड़े हुए प्लास्टर कर ढक दिया जाता है। जबकि इस तरह की निर्माण परियोजना में शामिल सरकारी तंत्र व ठेकेदारों का नेटवर्क अपने घरों के निजी निर्माण में उच्च गुणवत्ता बनाये रखने में कोई कसर बाकी नहीं रखता ? शहरी इलाकों में जलभराव का मुख्य कारण यह भी है कि प्रायः गलियों व सड़कों के निर्माण के नाम पर इन्हें बार बार ऊँचा कर दिया जाता है। इसके चलते अधिकांश मकानों का स्तर गलियों व सड़कों से नीचे हो जाता है। परिणाम स्वरूप जब ऐसी सड़कों व गलियों में बारिश का पानी भरता है तो वह गलियों सड़कों के भरने से पहले ही लोगों के मकानों या दुकानों में भर जाता है। उधर इन्हीं सड़कों व गलियों के किनारे बनने वाली कमजोर व घटिया सामग्री का इस्तेमाल की गयी नालियां टूटने या क्षतिग्रस्त हो जाने से नालियों का पानी जमीन में रिसाव कर लोगों के गली के नीचे स्तर के हो चुके मकानों में जमीन के नीचे से रिसने लगता है। और लोगों के घरेलू सामन का काफी नुकसान होता है व भारी परेशानी भी उठानी पड़ती है।

सरकार द्वारा पेय जल प्रदूषित होने के कारण फैलने वाली बीमारी से बचाव के मद्देनजर कई जगहों पर नागरिकों में दवाइयां वितरित करवाने की कोशिश की जा रही है। निचले इलाकों में ठहरे हुये पानी से सड़ांध फैली हुई है इससे बीमारी फैलने की आशंका है। तमाम स्थानों से मवेशियों के मरने व सड़ने की खबरें आ रही हैं।

■ निर्मल रानी

है न विचित्र बात !

राजनीतिक से ज्यादा प्रशासनिक तंत्र की लापरवाही

मेरठ एक्सप्रेस वे पर बस और कार की टक्कर महज हादसा नहीं थी, बल्कि वह प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा रही। एक्सप्रेस वे पर आठ किलोमीटर तक कोई बस कैसे गलत दिशा में दौड़ती रह सकती है? इसका अनुमान तंत्र को होना चाहिए और उसे रोकने का इंतजाम भी उसे ही करना चाहिए। प्राकृतिक आपदाओं पर किसी का वश नहीं। लेकिन इन आपदाओं से जुड़ी कुछ घटनाएं और सामान्य हादसे ऐसे होते हैं, जिन पर काबू पाया जा सकता था। हाल के दिनों में घटी कुछ घटनाओं को इन्हीं श्रेणियों में रखा जा सकता है। इन घटनाओं ने देश और समाज को विचलित कर दिया। पहली घटना रही मेरठ से दिल्ली को जोड़ने वाले एक्सप्रेस वे पर हुई दुर्घटना, जिसमें गलत दिशा से आ रही एक बस से कार की आमने-सामने की टक्कर हुई, जिसमें एक हंसता-खेलता परिवार खत्म गम और आंसुओं के समंदर में डूब गया। इस हादसे के कुछ ही दिन पहले दिन में हुई जोरदार बारिश ने दिल्ली को जैसे झील में तब्दील कर दिया। कुछ इसी तरह हिमाचल प्रदेश भी डूब रहा है। मंडी जिले में तो सड़कों पर मलबे की बाढ़ आ गई। इन घटनाओं में पहली नजर में कोई समानता नजर नहीं आती। एक जहां सड़क हादसा है तो दूसरी-तीसरी घटना प्राकृतिक आपदा है। लेकिन इन घटनाओं में समानता इस लिहाज से है कि इनसे बचा जा सकता था या उनसे होने वाले नुकसान को कम से कम किया जा सकता था। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे ज्यादा सवालों के घेरे में राजनीतिक तंत्र होता है। लोगों के मत से चुनकर आने की वजह से उन पर सवाल होना भी चाहिए। हमने जिस तरह का नैरेटिव विकसित किया है, उसमें मोहल्ले की गड़बड़ी से लेकर राष्ट्रीय समस्या के लिए सिर्फ और सिर्फ राजनीतिक तंत्र ही जिम्मेदार माना जाता है। इसलिए सवालों के घेरे में वही सबसे ज्यादा रहता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ राजनीतिक तंत्र ही इसके लिए जिम्मेदार है? क्या यह सवाल नहीं उठना चाहिए कि इसके लिए व्यवस्था और उसके सबसे अहम अंग नौकरशाही जवाबदेह नहीं है? नौकरशाही पर सबसे वैज्ञानिक और स्वीकार्य अध्ययन जर्मन समाजशास्त्री मैक्स वेबर का माना जाता है। उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था में निरंतरता के लिए नौकरशाही और प्रशासनिक तंत्र को बेहतरीन जरिया बताया है। अपने इसी अध्ययन में मैक्स वेबर नौकरशाही की नकारात्मक भूमिका की ओर भी ध्यान दिलाते हैं। उनका मानना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की नौकरशाही नियमों और उसकी प्रक्रिया को ही अपना लक्ष्य मान लेती है। दफ्तरी सोच की वजह से यह तंत्र एक तरह से कल्पनाहीन विशेषज्ञों का समूह विकसित करने लगती है। चाहे मेरठ एक्सप्रेस वे पर हुआ हादसा हो या दिल्ली के डूब जाने की कहानी या फिर ऐसी ही कोई और घटना, हर घटना या हादसे का विश्लेषण करेंगे तो पायेंगे कि हमारा व्यवस्था तंत्र भी कल्पनाहीनता की सुरंग में समाता जा रहा है। मेरठ एक्सप्रेस वे हुई घटना महज हादसा नहीं है, बल्कि प्रशासनिक तंत्र की लापरवाही भी है। दिल्ली अगर डूब रही है, यहां की सड़कें अगर धंस रही हैं, कुछ साल पहले अगर पटना डूब रहा था, अगर मंडी की गलियों में मलबा बह रहा है, कुछ साल पहले जयपुर की सड़कें अगर मलबे से डूब गई थीं, तो इसके मूल में कहीं न कहीं भारतीय तंत्र की कल्पना और अनुमानहीनता की कमी ज्यादा जिम्मेदार रही है। हमारा तंत्र हादसों और घटनाओं के बाद चेतता है। वह उन हादसों और घटनाओं का अनुमान लगाकर उन्हें रोकने या बाधित करने के लिए जरूरी कदम नहीं उठा पाता। पुरानी पीढ़ी के लोग अपने अनुभवों के आधार पर कहते रहे हैं कि आजादी के पहले की नौकरशाही ज्यादा कल्पनाशील थी। वह अपनी हर योजना भविष्य, भावी अनुमानों और उस पर आधारित परिणामों को ध्यान में रख बनाती थी।

■ उमेश चतुर्वेदी

सावन में वायु भी गुनगुनाती है शिव संकल्प

सावन शिवार्चन और नीराजन आराधन का मास है। तब मेघ भी उतर आते हैं -शिव आराधक होकर। सुनता आया हूं कि शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। शिव के माथे पर सोम चन्द्र हैं। ऋग्वेद के ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सावन वनस्पतियों के युवा हो जाने का काल है। झमाझम वर्षा का महीना। वायु भी शिव संकल्प सूक्त गुनगुनाते हुए बहती है और रुकती है उमस सहित तो शिव का रूद्राभिषेक करने के लिए। सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं। वनस्पतियां और औषधियां उगती हैं। खिलती हैं। खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में एक दिन सोम का। पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। सोमवार को शिव आराधन की मुहूर्त जाना गया है। ठीक भी है। हमारे समाज में भी प्रतिष्ठित लोग सप्ताह में एक दिन खुलकर मिलते हैं। बाकी दिन व्यस्त रहते हैं। शिवभक्तों को सोमवार प्रीतिकर है। शिव भी सोमवार का दिन भक्तों के लिए ही खाली रखते होंगे। नहीं जानता सच। एक बार सावन का अंतिम सोमवार था। मैंने समूची वाराणसी को सोम शिव पाया। बम भोले और हर-हर महादेव की गूंज। लोक आह्लाद का आनंद। पौराणिक शिव बड़े आकर्षक हैं। बैल की सवारी और पार्वती मां से बतरस। 'विज्ञान भैरवतंत्र' में शिव और पार्वती के मध्य गहन दार्शनिक संवाद का उल्लेख है। हमारी अपनी प्रिय बचपने से ही हमारे मन को वात्सल्य रस देने वाली सई नदी हमारे गांव के पास ही शिव सीढ़ी का जलाभिषेक करती है। जलराशि निरंतर घटी है पर भाव राशि का क्या कहना? यहां भवरेश्वर शिव मंदिर में सावन के सोमवार लाखों श्रद्धालु जुटते हैं। लोकमन हर-हर महादेव हो जाता है। ऋग्वेद वाले रूद्र शिव 'सुगंधिं पुष्टिवर्द्धनं' हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त-मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। चरमोत्कर्ष वाले नृत्यकत्रा। श्रीकृष्ण के पास बांसुरी तो शिव के पास डमरू। बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे तो डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकर हो जाते हैं लेकिन यही रूद्र शिव हैं। ऋग्वेद में 'जो रूद्र है, वही शिव भी है।' त्रिशूल उनका हथियार। सोचता हूं कि ये तीन शूल क्या हैं? ये दैविक, दैहिक और भौतिक कष्ट तो नहीं हैं? या भौतिक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक वेदनाएं हैं। शिव दुख हारी हैं - त्रिशूल धारक जो हैं। लेकिन सोचने से मन नहीं भरता। मन यहां, वहां, जहां, तहां भागता ही है। शिव संकल्प मंत्र दोहराता हूं- 'हमारा मन भागता है। यहां वहां। ऐसा हमारा मन शिव संकल्प से भरापूरा हो- तन्मे मनः शिव संकल्पं अस्तु।' मैं राजनीति में हूं सो मंच, माला, माइक का त्रिशूल भीतर बहुत गहरे तक धंसा हुआ है। कह सकता हूं कि मैं भी त्रिशूलधारी हूं। सोम सामने है, भीतर ओम है। लेकिन सोम से वंचित हूं। ओम की अनुभूति नहीं। पढ़ा सुना काम आता नहीं। करूं तो क्या करूं? ऋग्वेद के ऋषि वशिष्ठ ने आर्तभाव से पुकारा था त्र्यम्बक रूद्र को - हमें पकी ककड़ी की तरह मृत्यु बंधन से मुक्त करो। मैं भी डंठल से चिपका हुआ पका फल हूं। शिव निर्णय लें कि 'उवरिक्मिव मृत्योरमोक्षीय' कब करना है? भारतीय साहित्य शिव-पार्वती के सम्वाद से भरापूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकत्रा। तुलसीदास के रामचरित मानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही प्रश्न पूछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। लेकिन शिव सब जानते थे। वे प्रतिपल यत्र-तत्र सर्वत्र उपस्थित हैं। वे नीलकंठ हैं। गले में सांप है। चन्द्रमा शिव का प्रिय आभूषण है। शरद् चन्द्र की पूनो शिव रस सोम की ही वर्षा करती है। शिव ने सनत कुमारों को बताया कि, 'उनके तीन नेत्र हैं। सूर्य दायां नेत्र है और बायां चन्द्रमा। अग्नि मध्य नेत्र हैं। सूर्य की अपनी प्रिय राशि सिंह है। चन्द्र की कर्क है। सूर्य इस यात्रा में कर्क से सिंह क्षेत्र में पहुंचते हैं। तब बड़ा शुभ मुहूर्त बनता है। ऐसी संक्रांति सावन मास में पड़ती है। सो शिव को सावन प्रिय है।' सावन है भी मनभावन। तब धरती और आकाश मधुरसा हो जाते हैं। शिव का सावन प्रेम तरल सरल ही तो है। श्रीकृष्ण को बसंत ऋतु प्रिय है और मार्गशीर्ष-अगहन का मास। लेकिन शिव की बात निराली है। ऋतुराज बसंत में पृथ्वी और वायु का चरम आनंद है। सावन में पांचों महाभूत - क्षिति, जल, पावक और गगन समीर भी मधुरसा हो जाते हैं। आकाश में मेघ गर्भ धारण करते हैं। धरती हरीतिमा के परिधान धारण करती है और प्रियतमा हो जाती है। धरती माता और आकाश पिता की प्रीति परवान चढ़ती है। आकाश मेघ भेजते हैं, धरती लहालोट होती है। वायु सोम तरंग लेकर बहती है। आकाश इन्द्रधनुष रचता है। लोक लहक उठता है। संसार क्षर से क्षर की यात्रा है। भौतिक से भौतिक की ओर लेकिन जीवन में भौतिक के साथ चेतन भी है। अन्तर्यात्रा भौतिक से चेतन की यात्रा है। स्थूल से सूक्ष्म की यात्रा। पत्ती, पुष्प से पेड़ और पेड़ से जड़ की यात्रा सुगम है। जड़ें देखते ही बीज का ध्यान आता है। फूल का पकना ही बीज है। बीज के भीतर अनंत संभावनाएं हैं। फिर पेड़, शाखा, पत्तियां और फूल। फिर-फिर बीज। ओम बीज के भीतर की प्राण शक्ति है और सोम इसी बीज का पल्लवन पुष्पन। ऋग्वेद में सोम पर पूरा एक मण्डल है। सोमवार हर सातवें दिन उन्हीं की स्मृति दिलाता है। सोम से ओम की यात्रा शिव है। परम चरम आनंद है। यहां कोई भौगोलिक दूरी नहीं। सोम और ओम साथ-साथ हैं। सोम शिव के ललाट पर हैं ही। शिव रूपक का सोम प्रतीक बड़ा प्यारा है। ऋग्वेद में सोम को पृथ्वी का निवासी बताया गया है। सोम असाधारण देवता हैं। वे जलों के पुत्र हैं और आनंददाता हैं। शिव भोले शंकर हैं। औघड़दानी हैं। गण समूहों के मित्र हैं। गणों के साथ स्वयं भी नृत्य करते हैं। गण देवता गणेश स्वाभाविक ही उनके पुत्र हैं। वे रूद्र शिव एशिया के बड़े भूभाग में प्राचीन काल से ही उपासित हैं। शिव गूढ़ रहस्य हैं। युधिष्ठिर के मन में शिव जिज्ञासा थी।

सावन वनस्पतियों के युवा हो जाने का काल है। झमाझम वर्षा का महीना। वायु भी शिव संकल्प सूक्त गुनगुनाते हुए बहती है और रुकती है उमस सहित तो शिव का रूद्राभिषेक करने के लिए। सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं। वनस्पतियां और औषधियां उगती हैं। खिलती हैं। खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में एक दिन सोम का।

■ हृदयनारायण दीक्षित

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार -829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॅम्प्लेक्स लोहरदगा- फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

“ भारतीय सेना हमेशा से अपनी जीत का परिचय देती आयी है। भारत आजादी के बाद भी पाकिस्तान पर अपना कब्जा करने के लिए संघर्ष करता रहता है। लगातार युद्ध होने के बाद देश का माहौल खराब हो रहा था। पाकिस्तान ने चोरी चुपके अपनी सेना को भेज दिया। पाकिस्तान अपना दबाव डालकर कश्मीर के मुद्दे को अपनी तरफ करना चाहता था। जिसके लिए उनकी सेना ने सियाचीन ग्लेशियर पर अपना कब्जा कर दिया था। भारतीय सेना को उतने ऊंचे पहाड़ पर हथियार ले जाने में बड़ी कठिनाई आयी। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अंत में भारतीय सेना वहां पहुंच ही गई। पाकिस्तान बराबर भारत को हमलें की धमकिया देता रहा। भारत की उस समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने युद्ध को रोकने के लिए कई प्रयास किए। पाकिस्तान लगातार युद्ध का दबाव बनाता रहा। जिसके चलते पूरे देश में अशांति फैल गई। भारत में हुए तीसरे युद्ध के बाद अगला युद्ध कारगिल की लड़ाई के रूप में लड़ा। जिसमे भारतीय सेना को विजय प्राप्ति हुई और पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा। ”

भारतीय सेना निस्वार्थ भाव से काम करती है

कारगिल विजय दिवस को हमारा देश में बहुत महत्वपूर्ण दिवस माना जाता है। जिस वजह से भारत और पाकिस्तान देश के बीच महायुद्ध हुआ जो लगभग 60 दिन तक चला और इसका समापन 26 जुलाई को हुआ। तब से ही कारगिल विजय सभी वीर जवानों ने साहस और हौसले के साथ युद्ध लड़ा है। भारत के लोग 1999 में कारगिल में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हैं। इस घटना को कारगिल दिवस के रूप में भी जाना जाता है। सर्दियों के महीनों के दौरान, जब पहाड़ी स्थानों पर बहुत अधिक बर्फ पिघलती है। इस संघर्ष के दौरान, भारतीय सेना ने युद्ध में भाग लिया, पाकिस्तानी सेना को हराया और भारत के सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर पुनः कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना पर विजय प्राप्त की। हम कारगिल संघर्ष में जीत हासिल करने में सफल रहे। चार परमवीर चक्र, नौ महावीर चक्र, और कई वीर चक्र विजेताओं सहित वीरता अलंकरणों के कई प्राप्तकर्ताओं ने राष्ट्र के लिए बहादुरी और सेवा के लिए नए मानक स्थापित किए। इस लड़ाई के परिणामस्वरूप दोनों पक्षों में बड़ी संख्या में सैनिक हताहत हुए, इस विशेष अभियान के दौरान भारत के कई वीर पुरुषों का नुकसान हुआ। पाकिस्तानी सैनिकों ने शुरू में नियंत्रण रेखा पार की जिसे लाइन ऑफ कण्ट्रोल कहा जाता है और भारत नियंत्रित क्षेत्र में प्रवेश किया। बाद में स्थानीय चरवाहों ने लाइन ऑफ कण्ट्रोल पार करने वाले संदिग्ध लोगों के बारे में सेना को सूचित किया। नजर रखने के लिए, भारतीय सेना ने अतिरिक्त सैनिकों को लद्दाख से कारगिल क्षेत्र में भेजा और उन्हें पता चला कि पाकिस्तानी सेना एलओसी पार कर भारत के नियंत्रण वाले क्षेत्र में घुस गई है। जमीन पर दावा वापस पाने के लिए दोनों सैनिकों ने गोलीबारी शुरू कर दी। बाद में भारतीय वायु सेना घाटी से सभी घुसपैठियों को साफ करते हुए युद्ध में शामिल हुई। भारत और पाकिस्तान की सरहदों पर स्थित कारगिल दुनिया के सबसे ऊंचे और खराब मौसम परिस्थितियों वाला युद्ध मैदान है। जोकि श्रीनगर से लगभग 205 किलोमीटर की दूरी पर है। टाइगर नमक पहाड़ी पर मौसम बहुत ठंडा होता है जोकि उस समय रात में -45 डिग्री तक पहुंच जाता है और इस क्षेत्र में रातें बहुत लम्बी होती है। भारतीय सेना देश के लिए हमेशा तैयार रहती है, आतंकवाद, प्राकृतिक आपदा, आतंकी हमले या कर्फ्यू से लड़ने की कोई भी स्थिति या स्थिति हो। कारगिल युद्ध एक ऐसी घटना है जिसे भुलाया नहीं जा सकता। भारतीय सेना एक मां की तरह है जो निस्वार्थ भाव से काम करती है और बदले में कभी नहीं मांगती है। हमारी सेना के इस वीर बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता है, और यह हमें हमेशा प्रेरित करेगा। कारगिल युद्ध के दौरान वीरता से लड़ने और वीरगति को प्राप्त करने वाले सभी सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कारगिल विजय दिवस को पूरे देश में मनाया जाता है। कॉलेज और सरकारी संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं; ध्वजारोहण किया जाता है। हर जगह तिरंगा नजर आता है; बच्चे देश के प्रति कुछ प्यार दिखाने के लिए जेब पर पिन किए हुए बैच पहनते हैं। स्कूलों में भाषण, निबंध, वाद-विवाद, अभिरुचि जैसी गतिविधियां और देशभक्ति की भावना को चित्रित करने के लिए गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। एक मुख्य घटना जिसे लोग देखने के लिए इंतजार करते हैं, वह है परेड और सेना के अधिकारियों द्वारा किए गए स्टंट। देश भर की ऐतिहासिक धरोहरों को भारतीय ध्वज के रंगों से चमकाया गया है। देशभक्ति की विभूतियां हर जगह महसूस की जाती हैं।

❖ **ओम प्रकाश प्रजापति**

26 जुलाई बनाम विजय दिवस

भारत ने निडर होकर उनका सामना किया और जल्द ही बढ़ते भारतीय फौज के दबाव के कारण पाकिस्तान को अपने फौज को पीछे हटाना पड़ा। इसके साथ ही भारतीय सेना ने उन इलाकों पर फिर से कब्जा कर लिया जिस पर पाकिस्तान कब्जा करने की कोशिश कर रहा था।

कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी घुसपैठियों पर जीत हासिल करने के दिन की वर्षगांठ मनाने के लिए भारत हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाता है। भारत ने निडर होकर उनका सामना किया और जल्द ही बढ़ते भारतीय फौज के दबाव के कारण पाकिस्तान को अपने फौज को पीछे हटाना पड़ा। इसके साथ ही भारतीय सेना ने उन इलाकों पर फिर से कब्जा कर लिया जिस पर पाकिस्तान कब्जा करने की कोशिश कर रहा था। भारतीय फौज द्वारा किये गए इस संघर्ष को ऑपरेशन विजय नाम दिया गया। भारत ने विजय पायी और तभी से यह दिन कारगिल विजय दिवस के नाम से मनाया जाता है। कई भारतीय सैनिकों ने अपनी जान गंवाई फिर भी, उनके बलिदानों ने दुनिया के बाकी हिस्सों में एक शानदार संदेश भेजा। एक शांतिपूर्ण राष्ट्र के रूप में भारत की प्रतिष्ठा के बावजूद, भारतीय सेना कभी भी किसी भी तरह के कब्जे को बर्दाश्त नहीं करेगी। अपने चरित्र के अनुरूप अपने क्षेत्र के भीतर युद्ध लड़ने की भारी कीमत चुकाने के बावजूद, भारतीय बलों ने पाकिस्तानियों को, जो लगभग घुटनों के बल गिड़गिड़ा रहे थे। नियंत्रण रेखा के पार लौटने की अनुमति दी। आगे बढ़ती भारतीय सेनाओं ने यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी कि एक भी पाकिस्तानी सैनिक भारतीय भूमि पर न रहे। भारतीय वायु सेना के समर्थन से, भारतीय सेना ने एक ऐसी उपलब्धि हासिल की, जिसका मुकाबला करना दुनिया भर की किसी भी सेना के लिए मुश्किल होगा। हमारे देश रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थिति पर कब्जा करने के बाद, भारतीय सेना को आसपास के क्षेत्रों से विरोधी सैनिकों को खदेड़ने और द्रास क्षेत्र पर नियंत्रण करने के लिए अतिरिक्त छह दिनों की आवश्यकता थी। भारतीय सैनिकों ने सामरिक चोटियों पर कब्जा किया। टाइगर हिल्स की ओर अपना मार्च जारी रखा। कारगिल क्षेत्र का सबसे ऊंचा स्थान टाइगर हिल्स में स्थित था। विश्वासघाती इलाके के साथ-साथ अच्छी तरह से घुसे हुए दुश्मन के कारण सेना को पूरे क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। जून और जुलाई के महीनों के बीच, रणनीतिक स्थानों पर कब्जा करने के लिए बड़ी संख्या में लड़ाइयां लड़ी गईं। कई सैनिकों के बलिदान के बाद अंत में भारतीय सेना को विजय की प्राप्ति हुई। भारतीय सेना के पास कम हथियार होने के बावजूद भी उन्होंने हार नहीं मानी। ये युद्ध सभी भारतीय नागरिको को याद रहेगा और प्रत्येक भारतीय नागरिक को हमारे देश की सेना पर गर्व होता है। 18 हजार फीट की ऊंचाई पर युद्ध लड़ना कोई आसान काम नहीं है। 2 महीने से चल रहे दोनों देशों के बीच परमाणु परिक्षण से सेना पर काफी दबाव पड़ गया था। अधिक समय से चल रहे युद्ध से भारतीय सेना को बहुत नुकसान पंहुचा। भारतीय सेना ने कारगिल युद्ध में अपने बहुतों सैनिको को खोया है।

❖ **कुमारी रिया**

पाकिस्तान के साथ कोई भी युद्ध कभी भी भारत की तरफ से शुरू नहीं हुआ

सियाचिन बेहद दुर्गम स्थल है जहां किसी सैनिक द्वारा निहत्थे चढ़ाई भी विकट है ऐसे में हथियार लेकर पहाड़ की चोटी पर दुश्मन का सामना करना वाकई भारतीय वीर सैनिकों के शौर्य और पराक्रम का अद्भुत परिचय था।

सारे युद्ध एक तरफ और कारगिल युद्ध एक तरफ क्योंकि इस युद्ध से भारत ने दुनिया में अपनी ताकत का लोहा मनवाया था। उस समय पाकिस्तान में परवेज मुशरफ का शासन था। जो सेना के जरिये सत्ता में आए थे वे अंतर्राष्ट्रीय दवाब और सैनिक कार्यवाही से भारत से जम्मू कश्मीर को हड़पने के अभियान पर लगे हुए थे। सियाचिन बेहद दुर्गम स्थल है जहां किसी सैनिक द्वारा निहत्थे चढ़ाई भी विकट है ऐसे में हथियार लेकर पहाड़ की चोटी पर दुश्मन का सामना करना वाकई भारतीय वीर सैनिकों के शौर्य और पराक्रम का अद्भुत परिचय था। पाक आर्मी अपनी योजना के तहत एलओसी के भारतीय क्षेत्र में घुस गई, स्थानीय चरवाहों द्वारा भारतीय सेना को इसकी सूचना मिलने के बाद भारत ने लद्दाख में अतिरिक्त सैनिको को कारगिल की ओर रवाना किया तथा इस तरह दोनों सेनाओं के मध्य कारगिल लड़ाई शुरू हो गई। कुछ समय बाद ही भारतीय वायुसेना ने मोर्चा सम्भाल लिया, दो तरफी मार पड़ने के बाद पाकिस्तानी आर्मी को मजबूरन पीछे हटना पड़ा। हमारा देश ने पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध का बिगुल फूंक दिया था। जिसके तहत भारत ने इस मिशन का नाम मिशन विजय रखा। कारगिल के युद्ध में कई हथियारों का इस्तेमाल किया गया था। इस युद्ध के बारे में यहां तक कहा जाता है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एक देश ने दूसरे देश पर इतनी सारी मिसाइलों और बमों का इस्तेमाल किया था। भारत ने उन सभी स्थानों पर विजय प्राप्त कर ली, जहां पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था। अंतर्राष्ट्रीय दबाव के कारण पाकिस्तानी सरकार ने अपनी सेनाएं नियंत्रण रेखा से हटा लीं। पाकिस्तान और उसकी सेना को भारतीय सेना ने बार-बार हराया लेकिन वे यह नहीं समझते कि युद्ध हर दृष्टि से दोनों देशों के लिए बुरा है। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधान मंत्री नवाज शरीफ कबूल करते हैं कि वह पाकिस्तानी सेना और अन्य लोगों द्वारा की गई गतिविधियों से अनजान थे। बाद में राजनीतिक दबाव के चलते उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच कोई भी युद्ध कभी भी भारत की तरफ से शुरू नहीं हुआ है। पाकिस्तान हर बार हमें लड़ने के लिए उकसाता है और युद्ध जैसे हालात पैदा करता है। इस युद्ध के परिणाम का भारत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा और पाकिस्तान पर भारी नकारात्मक प्रभाव पड़ा। इस युद्ध के बाद पाकिस्तान को अपनी सबसे बड़ी हार से दुनिया के सामने शर्मिंदा होना पड़ा। दूसरी ओर, भारत के लोगों को मनुष्य और सेना की प्रबल शक्ति के बारे में पता चलता है। भारत के लोगों ने अपने देश की रक्षा के लिए एक दृष्टिकोण विकसित किया और युद्ध में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए अत्यधिक प्यार और देखभाल दिखाई। इस युद्ध के बाद पाकिस्तानी सेना ने अपने कदम पीछे खींच लिये और काफी समय तक युद्ध के मैदान में भारत का सामना करने की कोशिश नहीं की।

❖ **वेद प्रकाश**

पाकिस्तान को कारगिल में करारी शिकस्त झेलनी पड़ी

हमारा देश भारत पाकिस्तान के बीच हुए शांति समझौते के बावजूद भी पाकिस्तान अपने सैनिकों की मदद से भारत में घुसपैठ कर कारगिल जैसे महासंहार का कारण बना आजादी के बाद से भारत पाकिस्तान बॉर्डर पर आए दिन गोली बारियां करता आया है। लेकिन जब-जब उसकी हरकतों ने हद पार करने की कोशिश की है। भारत के वीर जवानों से उसे मुंह की खानी पड़ी है। जब भारत ने पाकिस्तान को हराकर कारगिल युद्ध जीता था। उस दिन से लेकर हर साल 26 जुलाई को कारगिल दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। जम्मू कश्मीर में सबसे अधिक उंचाई वाले स्थानों में से एक कारगिल पर पाकिस्तानी सेना ने कई महीनों की पूर्व तैयारी के बाद आक्रमण कर दिया था। भारतीय इंटेलिजेंस ने पाकिस्तान की करतूत को अंजाम देने के कई महीने पूर्व से ही असफल करने की योजना बना ली थी। संसार की सबसे युद्ध स्थली के रूप में भी कारगिल घाटी को जाना जाता है। अमूमन अधिक उंचाई पर अवस्थित होने के कारण मौसम खराब रहता है। तथा स्वांस लेने में कठिनाई यहां आम बात है। इन सबके उपरान्त श्रीनगर से 200 किमी दूर टाइगर हिल पर लड़े गये। इस युद्ध में भारतीय सेना ने ऐसे विकट समय में पाक आर्मी को रौंदा। जब यहां रात बहुत ठंडी हुआ करती थी।

1998-99 में पाकिस्तान की कायर आर्मी ने सर्दियों के मौसम में खराब परिस्थितियों का लाभ उठाने के लिए सियाचिन ग्लेशियर को अपने कब्जे में लेने की नियत से अपनी सैनिक टुकड़ियों को भेजना शुरू कर दिया था। पाकिस्तान ने यह गलत फहमी पाल रखी थी, कि अब कश्मीर की आम जनता उसके साथ है और ऐसे में वह कश्मीर को आसानी से हथिया सकता है। दोनों देशों द्वारा परमाणु परीक्षण के बाद माहौल और गरमा गया था। ऑपरेशन अल बदर के तहत पाक आर्मी ने एक विशाल सेना को प्रशिक्षण देकर 1998-99 के ठंड के मौसम में भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कराना शुरू कर दिया था। पाक आर्मी ने इन्हें मुजाइदीन का नाम देकर विश्व की नजरों में एक बार फिर कश्मीर की ओर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया गया। मगर पाकिस्तान की यह बाजी उल्ट उसके ही गले पड़ गई और उन्हें कारगिल में करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। इतनी आहुतियों के बाद भारत ने कारगिल युद्ध में विजय पाई थी। इस ऑपरेशन के नाम के अनुसार ही 26 जुलाई को विजय दिवस के रूप में उद्घोषित कर दिया गया ताकि आने वाली पीढ़ी भी उन देशभक्तों की वीरगाथाओं के बारे में जाने। आज जिस कारगिल और द्रास के क्षेत्रों को हम सब गर्व से भारत का हिस्सा बताते हैं वो उन्हीं शहीदों की देन है जिनको हर वर्ष विजय दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करके उनका आभार प्रकट करते हैं।

संकलन : ओम प्रकाश प्रजापति

कारगिल युद्ध पाकिस्तान की हार का प्रमाण

जुलाई 26 को भारतीय सैनिकों का दिन है, क्योंकि यह कारगिल युद्ध के दौरान शहीदों की वीरता को बयां करता है। हमारे भारतीय सेना की कार्यवाही के बाद पाकिस्तान को उन इलाकों से वापिस लौटना पड़ा, जिसे उसने कब्जा करने की नियत से सैनिक ट्रूप्स भेजे थे। भारतीय सेना ने इस अभियान को ऑपरेशन विजय का नाम दिया। लगभग तीन महीने तक दोनों सेनाएं आमने सामने रही और आखिर 26 जुलाई 1999 को भारत की विजय हुई और इस दिन को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। पूरी दुनिया में मशहूर भारत अपने साहस और वीरता के लिए जाना जाता है। हमारे सैनिकों ने पाकिस्तान की सेना को मारकर फिर से विजय हासिल कर ली। भारतीय सेना हमेशा से अपनी जीत का परिचय देती आयी है। भारत आजादी के बाद भी पाकिस्तान भारत देश पर अपना कब्जा करने के लिए संघर्ष करता रहता है। भारतीय सेना को उतने ऊंचे पहाड़ पर हथियार ले जाने में बड़ी कठिनाई आयी। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अंत में भारतीय सेना वहां पहुंच ही गई। हजारों हजार फीट की ऊंचाई पर युद्ध लड़ना कोई आसान काम नहीं है। अधिक समय से चल रहे युद्ध से भारतीय सेना को बहुत नुकसान पंहुचा। कई सैनिकों के बलिदान के बाद अंत में भारतीय सेना को विजय की प्राप्ति हुई। भारतीय सेना के पास कम हथियार होने के बावजूद भी उन्होंने हार नहीं मानी। ये युद्ध सभी भारतीय नागरिको को याद रहेगा और प्रत्येक भारतीय नागरिक को हमारे देश की सेना पर गर्व होता है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव किसी से छिपा नहीं है। यही कारण है कि भारत और पाकिस्तान के बीच समय-समय पर युद्ध देखने को मिलते रहते हैं। अगर जीत और हार को एक तरफ रख दिया जाए तो उन लोगों का दर्द समझना बहुत मुश्किल है जिन्होंने अपनों को खोया है। जब कोई सैनिक सेना में भर्ती होता है तो उसे यह नहीं पता होता कि वह युद्ध के मैदान से वापस लौटेगा या नहीं। एक सैनिक का बलिदान सर्वोच्च है। इसी बात को समझते हुए कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को सम्मान देने के लिए शहीदों के शवों को उनके घर लाया गया और राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। कारगिल युद्ध वह लड़ाई थी जिसमें पाकिस्तानी सेना ने द्रास-कारगिल पहाड़ियों पर कब्जा करने की कोशिश की थी। कारगिल युद्ध पाकिस्तान के गलत इरादों का सबूत है। हमारा देश बहुत बहादुरी से लड़ाई लड़ी और पाकिस्तान को हरा दिया। कारगिल युद्ध पाकिस्तान की हार का प्रमाण है। भारत ने अपने कई वीर योद्धाओं को खोया है जिनका बलिदान इस देश के लिए एक मिसाल बन गया। देश इन सपूतों के बलिदान को कभी नहीं भूलेगा।

❖ **गुड्डू कुमार**

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

25 जुलाई तक देश के विभिन्न इलाकों में बारिश की संभावना

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से दो डिग्री कम है। मौसम विज्ञानियों ने दिन के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना जताई है और अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। इसके अलावा, शनिवार सुबह 8.30 बजे सापेक्ष आर्द्रता 59 प्रतिशत दर्ज की गई। अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान 33 डिग्री से ऊपर और 38 डिग्री से नीचे और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री से कम लेकिन 25 डिग्री से ऊपर रहने की संभावना है। इस बीच, मौसम पूर्वानुमान एजेंसी ने कहा कि अगले दो दिनों के दौरान मध्य महाराष्ट्र और गुजरात राज्य के कोंकण, घाट क्षेत्रों में अलग-अलग अत्यधिक भारी वर्षा गतिविधि जारी रहने की संभावना है, जबकि पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के शेष हिस्सों में अगले 4-5 दिनों के दौरान हल्की बारिश जारी रहने की संभावना है। आईएमडी द्वारा जारी मौसम बुलेटिन में कहा गया है कि 25 जुलाई तक भारत के विभिन्न क्षेत्रों में मौसम की स्थिति में महत्वपूर्ण वर्षा और कुछ भारी बारिश होने की उम्मीद है। आईएमडी ने आगे भविष्यवाणी की कि मध्य भारत में अगले पांच दिनों के दौरान क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की उम्मीद की जा सकती है।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न सरकारी विभागों के लिए 70,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए, बोले

छोटे-छोटे प्रयासों से बदल सकते हैं जीवन

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित किया और विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त भर्तियों के लिए 70,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए। देश भर में चुने गए नए कर्मचारी राजस्व विभाग, वित्तीय सेवा, डाक, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, रक्षा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, जल संसाधन, कार्मिक और प्रशिक्षण और गृह मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में सरकार में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान देश भर के 44 स्थान मेले से जुड़े रहे। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह न केवल युवा नवनियुक्तों के लिए एक स्मरणीय दिन है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि आज वह दिन है जब 1947 में पहली बार

संविधान सभा द्वारा तिरंगे को उसके वर्तमान स्वरूप में स्वीकार किया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बहुत प्रेरणा की बात है कि नवनियुक्तों को इस महत्वपूर्ण दिन सरकारी सेवाओं के लिए नियुक्ति पत्र मिल रहा है। उन्होंने देश का नाम आगे ले जाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया। मोदी ने रेखांकित किया कि यह नवनियुक्तों की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का परिणाम है कि उन्हें ऐसे समय में विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में योगदान करने का अवसर मिल रहा है जब भारत आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। प्रधानमंत्री ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर नवनियुक्तों और उनके परिवारों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के अमृत काल में प्रत्येक नागरिक ने भारत को 'विकसित भारत' बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अगले 25 वर्ष नई भर्तियों और देश के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने हाल के वर्षों में विश्व से भारत की दिशा में प्रदर्शित विश्वास, महत्व और आकर्षण का अधिकतम लाभ उठाने पर जोर दिया। उन्होंने अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में भारत के उदय को रेखांकित किया क्योंकि यह बहुत शीघ्रता से विश्व की 10वीं से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत विश्व की शीर्ष 3 अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने जा रहा है, जैसा कि अधिकांश अर्थव्यवस्था विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, विश्व की शीर्ष 3 अर्थव्यवस्था बनना भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी, उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि इससे हर क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आम नागरिकों की आय भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा भर्ती किए जाने के लिए आज से बेहतर समय नहीं हो सकता क्योंकि नए अधिकारियों को अमृत काल में देश की सेवा करने का सुनहरा अवसर मिला है। उन्होंने सुझाव दिया कि उनकी प्राथमिकताएं देश के लोगों की सेवा करना और जीवन जीने की सुगमता बढ़ाने के लिए उनके मुद्दों का समाधान करना होना चाहिए, साथ ही खुद को विकसित भारत के लक्ष्यों के अनुरूप जोड़ना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, आपका एक छोटा सा प्रयास किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। उन्होंने दोहराया कि आम लोग ईश्वर के रूप हैं और उनकी सेवा करना स्वयं भगवान की सेवा करने जैसा है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि नियुक्त होने वाले नए लोगों को दूसरों की सेवा करने के विश्वास के साथ काम करना चाहिए जिससे कि संतुष्टि की सबसे बड़ी भावना को प्रकट किया जा सके।

बैंकिंग क्षेत्र की चर्चा करते हुए, जिसमें आज के कार्यक्रम में अच्छी संख्या में भर्तियां हुईं, प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था के विस्तार में बैंकिंग क्षेत्र की भूमिका को रेखांकित कियामोदी ने पिछले नौ वर्षों की यात्रा को याद करते हुए कहा, आज, भारत उन देशों में से है, जिनका बैंकिंग सेक्टर सबसे मजबूत माना जाता है। उन्होंने अतीत में इस क्षेत्र पर राजनीतिक स्वार्थ के बुरे प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने अतीत की 'फोन बैंकिंग' का उल्लेख किया जब शक्तिशाली लोगों के फोन कॉल पर ऋण संवितरित किए जाते थे। उन्होंने कहा, ये ऋण कभी नहीं चुकाए गए। उन्होंने कहा, इन घोटालों ने देश के बैंकिंग क्षेत्र की कमर तोड़ दी।

सुरम्य दूधसागर झरने में प्रवेश पर लगा प्रतिबंध

पणजी। गोवा सरकार ने शनिवार को एक आदेश जारी कर दक्षिण गोवा के सुरम्य दूधसागर झरने में पर्यटकों, ट्रैकर्स और सभी व्यक्तियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है, जो गोवा-कर्नाटक सीमा पर स्थित है। कई पर्यटक और ट्रैकर सप्ताहांत के दौरान दूधसागर झरने का दौरा करने आते थे। दक्षिण गोवा कलेक्टर ए अश्विन चंद्रू ने आदेश में कहा है, आगंतुकों को केवल वन विभाग द्वारा निर्दिष्ट प्रवेश बिंदुओं से खरीदे गए परमिट/टिकट के साथ निर्धारित मार्गों के माध्यम से दूधसागर जलप्रपात क्षेत्र के बेस में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी।

सीएम शिंदे ने परिवार समेत पीएम मोदी से की मुलाकात

एजेंसी। नई दिल्ली

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को अपने परिवार समेत प्रधानमंत्री से मुलाकात की। शिंदे प्रधानमंत्री से मिलवाने के लिए अपने पिता संभाजी शिंदे, पत्नी लता शिंदे, बेटे श्रीकांत शिंदे (लोक सभा सांसद भी हैं), बहु रुषाली शिंदे और पोते रुद्राक्ष को अपने साथ ले गए थे। पीएम से शिंदे की सपरिवार मुलाकात को एनडीए में उनके बढ़ते कद और भाजपा के साथ मजबूत होते रिश्तों की बानगी के तौर पर भी देखा जा रहा है।

नई पीढ़ी को मंदिरों के माध्यम से देने होंगे संस्कार : मोहन भागवत

एजेंसी। वाराणसी

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि हमारी नई पीढ़ी को मंदिरों के द्वारा शिक्षा संस्कार देनी पड़ेगी, क्योंकि भविष्य उन्हीं को संभालना है। इनको अभी से प्रशिक्षित करने की जरुरत है। संघ प्रमुख मोहन भागवत शनिवार को वाराणसी में टेंपल कनेक्ट की ओर से आयोजित मंदिरों के महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मंदिर को नई पीढ़ी को संभालना है तो उन्हें ट्रेनिंग दें। अपने साधन

और संसाधन को एक करके अपनी कला और कारीगरी को सशक्त करें। समाज के कारीगर को प्रोत्साहन मिले तो वह अपने को मजबूत करेगा। मंदिर सत्यम-शिवम-सुंदरम की प्रेरणा देते हैं। मंदिर की कारीगरी हमारी पद्धति को दिखाते हैं। मंदिर को चलाने वाले धर्म होने चाहिए। अपने यहां कुछ मंदिर सरकार और कुछ समाज के हाथ में है। काशी विश्वनाथ का स्वरूप बदला, ये भक्ति की शक्ति है। परिवर्तन करने वाले लोग भक्त हैं और इसके लिए भाव चाहिए। भागवत ने कहा कि छोटे से छोटे मंदिर में पूजा हो और वहां पर स्वच्छता की व्यवस्था हो, उसकी चिंता होनी चाहिए। कई जगहों पर मंदिर सरकार के नियंत्रण में हैं, उनको कैसे जोड़ा जाए, उस पर भी सोचना चाहिए।

पुलिस व नक्सलियों की मुठभेड़, एक नक्सली ढेर

एजेंसी। बीजापुर

शनिवार को बीजापुर जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर हो गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के पोटेनार और केशामुंडी के जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। भैरमगढ़ एरिया कमेटी के 10 से 15 सशस्त्र माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पर डीआरजी, बस्तर फाइटर एवं केंद्रीय रिजर्व पुलिस 222 बटालियन के जवान सर्चिंग पर निकले थे। तभी पुलिस और नक्सलियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हो गई थी। मुठभेड़ के पश्चात जवान लगातार क्षेत्र में सर्चिंग अभियान चला रहे थे। सर्चिंग के दौरान पूर्व से घात लगाये बैठे माओवादियों के द्वारा पुलिस पार्टी पर अधांधुंध फायरिंग की गई। पुलिस बल द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही करने पर माओवादी मौके से जंगल-पहाड़ का आड़ लेकर भाग गये। मुठभेड़ करीबन आधा घंटे तक चली। पुलिस के अनुसार फायरिंग रूकने पर आसपास सर्चिंग के दौरान केशामुण्डी के जंगल-पहाड़ से एक अज्ञात पुरूष माओवादी का शव बरामद हुआ जिसके शव के पास से एक नग पिस्टल मय मैग्जीन, दो राउण्ड बरामद किया गया।

चीनी क्षेत्र के पुनरुत्थान से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही रफ्तार और सशक्त हो रहे किसान

भारत सरकार ने हाल ही में चीनी सत्र 2023-24 के लिए गन्ने के 315 रुपये प्रति क्विंटल के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) की घोषणा की है, जिसमें भुगतान लागत के साथ-साथ पारिवारिक श्रम के मूल्यांकित मूल्य (ए2+एफएल लागत) पर 100 प्रतिशत से अधिक का मार्जिन शामिल किया गया है। यह फसलों के लिए सबसे ज्यादा मार्जिन में से एक है, जिससे किसानों के लिए ऊंचा रिटर्न सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस फैसले से लगभग 5 करोड़ गन्ना किसानों और उनके आश्रित लाभान्वित होंगे। नई एफआरपी का उद्देश्य भारतीय चीनी उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करते हुए किसानों की आकांक्षाओं को पूरा करना है।

एफआरपी वह बेंचमार्क कीमत है जिससे कम मूल्य पर कोई भी चीनी मिल गन्ना नहीं खरीद सकती। इसलिए, यह न्यूनतम समर्थन मूल्य की तरह है लेकिन यहां पर खरीद चीनी मिलों द्वारा की जाती है, सरकार द्वारा नहीं।

भारत में चीनी उद्योग का इतिहास उतार-चढ़ाव वाला रहा है और हाल के वर्षों में यह एक मजबूत क्षेत्र के रूप में उभरकर सामने आया है। 2020-21 से पहले 8 वर्षों में, भारत सरकार ने चीनी क्षेत्र को वित्तीय संकट से बाहर लाने के लिए 18,000 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता दी, ताकि मिलों द्वारा किसानों का भुगतान तत्काल जारी किया जा सके। हाल के वर्षों में, केंद्र सरकार के लक्षित हस्तक्षेप, चीनी उद्योग की कुशलता और अनुकूल वैश्विक कारकों के कारण चीनी क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है। चीनी क्षेत्र की सेहत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2021-22 के बाद से, इथेनॉल परियोजनाओं के लिए ब्याज अनुदान योजना (जिसके तहत 30 जून, 2023 तक 494 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं) को छोड़कर चीनी मिलों को कोई बजटीय सहायता नहीं दी गई है।

आधुनिकीकरण और विविधीकरण के लिए क्षेत्र में पूंजीगत व्यय के बढ़े हुए स्तर से पिछले 6 वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में 30,000 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त निवेश हुआ है और ग्रामीण युवाओं के लिए 50,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

सूचीबद्ध कंपनियों के शेयर की कीमतों का रुझान न केवल इस क्षेत्र की वर्तमान स्थिति बल्कि इसकी भविष्य की संभावनाओं का भी एक विश्वसनीय संकेत है। ऐसा देखा गया है कि शीर्ष 10 सूचीबद्ध चीनी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (उनकी गन्ना पेराई क्षमता के आधार पर) पिछले 4 वर्षों में दोगुना से अधिक हो गया है। चीनी क्षेत्र के कायापलट का श्रेय तीन प्रमुख कारकों को दिया जा सकता है। राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति 2018 इस लिहाज से अहम पहल रही जिसने चीनी क्षेत्र के पुनरुद्धार में सबसे अधिक योगदान दिया है। इसके जरिये पेट्रोल के साथ इथेनॉल के मिश्रण को बढ़ावा दिया गया। हालांकि, पेट्रोल के साथ इथेनॉल सम्मिश्रण (ईबीपी) कार्यक्रम वर्ष 2003 से लागू किया जा रहा है, लेकिन राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति की घोषणा को इस क्षेत्र में पुनरुत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण घटना कहा जा सकता है। तब से, कई नीतिगत पहलों ने इथेनॉल संयंत्रों की स्थापना की प्रक्रियाओं को सरल बना दिया है और मोलासेस से उत्पादित इथेनॉल के लिए लाभकारी मूल्य की पेशकश की गई है। केंद्र सरकार ने इथेनॉल परियोजनाओं के लिए ब्याज अनुदान योजना भी शुरू की है, जिसके तहत देश में इथेनॉल उत्पादन क्षमता को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से परियोजना के प्रस्तावकों को प्रति वर्ष 6 प्रतिशत ब्याज या 50 प्रतिशत ब्याज, जो भी कम हो, की 5 वर्षों के लिए प्रतिपूर्ति की जाती है। इसके तहत वर्ष 2018 से अभी तक 4,400 करोड़ लीटर अनुमानित क्षमता वाली 1,200 से ज्यादा परियोजनाओं को सैद्धांतिक मंजूरी दी जा चुकी है। महज दो वर्षों के दौरान, इथेनॉल मिश्रण का प्रतिशत दोगुना हो गया है और इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (दिसंबर-नवंबर), 2021-22 के दौरान लगभग 434 करोड़ लीटर इथेनॉल मिश्रित किया गया था, जो 10 प्रतिशत के लक्ष्य को पार कर गया। ईबीपी कार्यक्रम अब 2025 तक 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने की राह पर है, जिससे भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा इथेनॉल उत्पादक देश बन जाएगा। इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम के परिणामस्वरूप पिछले 4 वर्षों के दौरान चीनी आधारित डिस्टिलरीज को 51,000 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ है। इस साल तेल विपणन कंपनियों को इथेनॉल की बिक्री से डिस्टिलरीज को 22,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई होने की उम्मीद है।

चीनी का निर्यात दूसरा बड़ा घटनाक्रम है, जिससे चीनी मिलों को बुनियादी रूप से मजबूती मिली है। लगभग शून्य निर्यात से, भारत ने चीनी सत्र (नवंबर-अक्टूबर) 2021-22 में 110 लाख टन चीनी का निर्यात किया है और दुनिया में चीनी का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बन गया। अन्य बातों के अलावा, निर्यात ने चीनी क्षेत्र को अपनी अतिरिक्त इन्वेंट्री का निपटान करने में सक्षम बनाया है जो अब तक चीनी मिलों के लिए पैसे के फंसने और गन्ना किसानों को भुगतान में देरी की वजह बनता था। भारतीय चीनी ने अब निर्यात बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है और उसे ऊंची वैश्विक कीमतों का लाभ मिल रहा है, जो पिछले 3 वर्षों में लगभग दोगुनी हो गई हैं।

तीसरा कारक चीनी मिलों की उत्पाद श्रृंखला के विविधीकरण से संबंधित है। चीनी क्षेत्र आज देश में पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव डालने वाली चक्रीय अर्थव्यवस्था का मार्ग दिखाने वाला बना हुआ है। उद्योग साथ में बिजली, पोटाश आधारित उर्वरकों के उत्पादन और कम्प्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) बनाने के लिए प्रेस मड के इस्तेमाल के साथ अतिरिक्त कमाई कर रहा है। चीनी उद्योग ने न केवल अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने, बल्कि ग्रिड को अधिशेष बिजली प्रदान करने के लिए बिजली उत्पन्न करने में खोई का प्रभावी ढंग से उपयोग किया है। 9,500 मेगावाट की क्षमता के साथ, चीनी क्षेत्र अपने हरित ऊर्जा सह-उत्पादन बुनियादी ढांचे से लगभग 10,000 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित कर रहा है।

संजीव चोपड़ा
सचिव, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग।

यासीन मलिक सुरक्षा चूक मामला

चार अधिकारी निलंबित

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली जेल अधिकारियों ने यासीन मलिक सुरक्षा चूक मामले में चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। टेरर फंडिंग मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख यासीन मलिक को मानक संचालन प्रक्रिया (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) का पालन किए बिना सुप्रीम कोर्ट ले जाने के बाद शुक्रवार को जेल अधिकारियों ने जांच शुरू की थी। जेल के एक सीनियर अधिकारी ने

कहा कि 21 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में यासीन मलिक की फिजिकल पेशी के मामले में जेल विभाग ने शुक्रवार की रात एक उप अधीक्षक, दो सहायक अधीक्षक और एक हेड वार्डर को निलंबित कर दिया है।

खड़गे-राहुल 9 अगस्त को राजस्थान में आदिवासियों को करेंगे संबोधित

जयपुर। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 9 अगस्त को राजस्थान के बांसवाड़ा आएंगे और आदिवासियों को संबोधित करेंगे। पार्टी नेताओं ने यह जानकारी दी। दोनों यहां स्थानीय आदिवासियों के साथ विश्व आदिवासी दिवस मनाएंगे। नेता आदिवासी समुदाय के लोगों को भी संबोधित करेंगे। राज्य के मंत्रियों महेंद्रजीत सिंह मालवीय, अर्जुन सिंह बामनिया और अन्य नेताओं ने व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए बांसवाड़ा में प्रस्तावित स्थल, बांसवाड़ा कॉलेज ग्राउंड का दौरा किया।

मातृभाषा में पढ़ाई से छात्रों की आलोचनात्मक सोच बढ़ेगी : प्रधान

एजेंसी। भुवनेश्वर

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि 12वीं कक्षा तक शिक्षण के वैकल्पिक माध्यम के रूप में मातृभाषा का उपयोग करने के सीबीएसई के निर्णय से छात्रों की आलोचनात्मक सोच में वृद्धि होगी। प्रधान ने यहां संवाददाताओं से कहा, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध स्कूल अब तक शिक्षण के माध्यम के रूप में हिंदी या अंग्रेजी का उपयोग करते रहे हैं। हालाँकि, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 (एनईपी-2020) के प्रावधानों के अनुसार, छात्र अब अपनी मातृभाषा जैसे उड़िया, बंगाली, तेलुगु आदि में शिक्षा पा सकते हैं। एक उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, ओडिशा में सीबीएसई स्कूल के छात्र उड़िया भाषा में गणित और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषय सीख सकते हैं। हिंदी या अंग्रेजी के अलावा उड़िया भाषा के माध्यम से सीखना छात्रों के लिए वैकल्पिक होगा। प्रधान ने कहा, इस कदम का मुख्य उद्देश्य यह है कि छात्र बिना किसी संदेह के विषयों को ठीक से सीखें और भाषा उनके सीखने में बाधा न बने। यदि कोई छात्र मातृभाषा में शिक्षा ग्रहण करेगा तो इससे उसकी आलोचनात्मक सोच में वृद्धि होगी। शिक्षा मंत्री ने बताया कि सीबीएसई स्कूल छात्रों को चरणबद्ध तरीके से उड़िया, बंगाली, तमिल, तेलुगु, पंजाबी, गुजराती, मराठी, मलयाली, कन्नड़ सहित भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची के तहत मान्यता प्राप्त सभी भाषाओं में पढ़ाएंगे।

अमित शाह और जेपी नड्डा ने मातृभाषा में शिक्षा के सीबीएसई के फैसले पर जताई प्रसन्नता

अमित शाह और जेपी नड्डा ने मातृभाषा में शिक्षा के सीबीएसई के फैसले पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प का जिक्र किया है। अमित शाह ने सीबीएसई के फैसले की जानकारी देने वाले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के ट्वीट पर रिप्लाई करते हुए कहा, पीएम मोदी के मातृभाषा में शिक्षा के संकल्प पर बल देते हुए सीबीएसई द्वारा भारतीय भाषाओं में 12वीं तक की शिक्षा के विकल्प का निर्णय सराहनीय है। इसके लिए मैं शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बधाई देता हूं। शाह ने आगे कहा, विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा में शिक्षा मिलने से उनके चिंतन, तर्क व अनुसंधान की क्षमता में बढ़ोतरी तो होगी ही, साथ ही इस पहल से अधिक से अधिक छात्र अब सीबीएसई के माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

जनता को दिग्भ्रमित कर रही हेमंत सरकार : बालमुकुंद सहाय

रांची। भाजपा प्रदेश महामंत्री बालमुकुंद सहाय ने शनिवार को राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार जनता को दिग्भ्रमित कर रही है। राज्य सरकार के खाते में पिछले वर्षों के स्वीकृत आवास के पैसे पड़े हुए हैं लेकिन लगभग 75 हजार प्रधानमंत्री आवास का निर्माण कार्य लंबित है। पूरे प्रदेश में जिस प्रकार से बालू की तस्करी हो रही उससे सरकारी योजनाओं का निर्माण प्रभावित है। सहाय ने कहा कि जो राज्य केंद्र सरकार की योजनाओं को समयबद्ध पूरा कर रहे हैं वहां केंद्र सरकार अविलंब नई योजनाओं को स्वीकृति देती है। केंद्र सरकार ने कभी भी किसी राज्य को राशि उपलब्ध कराने में भेदभाव नहीं किया है। राज्य सरकार को बताना चाहिए कि उन्होंने जो अतिरिक्त राशि देकर आवास निर्माण की बात कही थी उसकी क्या स्थिति है। राज्य सरकार ने अपने योजना मद से कितने आवास का निर्माण कार्य पूरा किया।

मणिपुर की हिंसा को लेकर आदिवासी महिला संगठनों ने निकाला मार्च

मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर विरोध जताया

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मणिपुर की हिंसा और दो युवतियों के चीरहरण की घटना को लेकर जस्टिस फॉर मणिपुर सामूहिक दुष्कर्म, पीड़िता सर्ववाइवर के बैनर तले विभिन्न आदिवासी महिला संगठनों ने शनिवार को डंगराटोली चौक से पदयात्रा निकाला। अल्बर्ट एक्का चौक पर मणिपुर हिंसा में आदिवासी महिलाओं के साथ घृणित कार्य के विरोध में जोरदार प्रदर्शन और पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय महिला और बाल कल्याण मंत्री स्मृति ईरानी व मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह का पुतला दहन किया। महिलाओं ने कहा कि यह शर्मनाक घटना देश की आधी आबादी पर एक घातक प्रहार है। देश में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा एक धोखा साबित हुआ है। ह्यूमन एक्टिविस्ट तारामणी साहु ने कहा कि अमृतकाल और आजादी का अमृत महोत्सव के नाम पर बेटियों को सड़क

पर नंगा घुमा कर और खुलेआम उनका दुष्कर्म किया जा रहा है। ऐसे लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाया जाए। महिला सुरक्षा के नाम पर हर रोज अत्याचार हो रहा है। समाजिक कार्यकर्ता दयामनी बारला ने कहा कि मणिपुर के जलते वक्त प्रधानमंत्री का तीन महीनों की चुप्पी और विदेशी यात्रा, यह दशार्ता है कि अब देश चलाना, इनके बस की बात नहीं। प्रधानमंत्री इस कुर्सी के लायक नहीं है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का इस बर्बरतापूर्ण मामले पर चुप रहना महिलाओं और आदिवासीयों के लिए और भी घातक साबित हो रहा है। मौके पर एलिना होरो, सुनीता लकड़ा, दयामनी बारला, लीना, तारामणि साहु, तमन्ना बेगम, नगमा , डॉ। किरण, शांति सेन, नन्दिता भट्टाचार्य, कुमकुम, लीना पदम, ज्योतिषा कल्लामकल, सुषमा बिरुली, अलोका कुजूर, वासवी किड़ो, दीपा, जोशना, सिंघी खलखो, मुक्ता मरांडी, मृणालिनी टेटे, स्वीटी केरकेट्टा समेत स्कूल कॉलेज के छात्र शामिल हुए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले सांसद संजय सेठ

रांची। रांची के सांसद संजय सेठ ने शनिवार को नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से शिष्टाचार मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान सांसद ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को सांसद सांस्कृतिक महोत्सव की गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव में लोकसभा क्षेत्र के ऐसे कलाकारों को मंच प्रदान किया गया, जो गुमनाम थे। ऐसे कलाकार भी बड़ी संख्या में शामिल हुए, जो अभी कला के क्षेत्र में संघर्ष कर रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सांसद के इस आयोजन की सराहना की। वही सांसद ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को रांची लोकसभा क्षेत्र की राजनीतिक गतिविधियों के संबंध में भी अवगत कराया। विशेष संपर्क अभियान के तहत रांची लोकसभा क्षेत्र में हुए कार्यक्रमों की जानकारी उन्हें दी। उनसे मुलाकात के बाद सांसद ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने रांची लोकसभा क्षेत्र सहित झारखंड के राजनीतिक गतिविधियों की जानकारी ली है।

राज्य में 1 अगस्त से शुरू होगा ईवीएम व वीवीपैट के एफएलसी का कार्यक्रम

आयोग ने किया कार्यशाला का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

आगामी लोकसभा आम निर्वाचन 2024 की तैयारियों के क्रम में शनिवार को ईवीएमएवं वीवीपैट के फर्स्ट लेवल चेकिंग के संबंध मे राज्य के सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी, एफएलसी सुपरवाईजर एवं सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन श्री कृष्णा लोक प्रशासन संस्थान,रांची स्थित प्रेक्षागृह में किया गया । उक्त कार्यशाला में भारत निर्वाचन आयोग के सचिव श्री मधुसूदन गुप्ता द्वारा एश्ट एवं वीवीपैट के एफएलसी तथा उपयोग के संदर्भ में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ,झारखंड द्वारा सभी उपस्थित पदाधिकारियों को एफएलसी कार्य के महत्व एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इसे

संपन्न कराने हेतु निर्धारित मानकों के संदर्भ में अवगत कराया गया । सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी को एफएलसी के कार्यक्रम की सूचना जिलास्तर एवं राज्यस्तर पर सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एव स्टेट पार्टीज को ससमय उपलब्ध कराने एव एफएलसी के दौरान उनकी उपस्थिति हेतु अनुरोध करने का निदेश दिया गया। कार्यशाला में ईसीआईएल के प्रतिनिधि श्री कृष्णा त्रिपाठी एवं उनके दल के अन्य सदस्यों द्वारा ईवीएम एवं वीवीपैट की तकनीकी विशिष्टियों एवं एफएलसी कार्य के पूर्व तथा कार्य के दौरान उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियों के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला में एनएलएमटी राजेश रंजन वर्मा द्वारा टेक्निकल एवं एडमिनिस्टेटिव सेफगार्ड ऑन ईवीएम के संदर्भ में सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। राज्य के ईवीएम नोडल पदाधिकारी गीता चौबे द्वारा एफएलसी की तैयारी, प्रक्रिया एवं चरण के संदर्भ मे जानकारी दी गई।

मणिपुर की घटना पर बोलने वाले बंगाल की घटना पर भी मुंह खोलें : आरती कुजूर

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची। भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष आरती कुजूर ने राज्य के सत्ताधारी गठबंधन दलों पर कड़ा प्रहार किया। आरती ने कहा कि मणिपुर की घटना न सिर्फ मणिपुर के लिए बल्कि किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है,सच में घटना का वीडियो देख मन बहुत अक्रोशित हो गया है। देश के प्रधानमंत्री ने घटना में शामिल आरोपियों को कड़ी सजा देने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य की बहन बेटियां , उनके माता पिता मुख्यमंत्री से जानना चाहते है कि राज्य में 5500 से अधिक हुए बलात्कार, महिला उत्पीड़न, हत्या का जिम्मेवार कौन है? उन्होंने कहा कि मैं उन सभी नेताओं और

राजनीतिक पार्टी से पूछना चाहती हूं केवल मणिपुर की घटना पर ही आप बोलोगे, इसलिए कि वहां बीजेपी की सरकार है। झारखंड की बेटी रूपा तिर्की की हत्या पर, दुमका की अंकिता पर, नाला की बेटी पर, चतरा की बेटी पर एसिड अटैक पर, रुबिका हत्याकांड पर

राज्य की बहन बेटियां , उनके माता पिता मुख्यमंत्री से जानना चाहते है कि राज्य में 5500 से अधिक हुए बलात्कार, महिला उत्पीड़न, हत्या का जिम्मेवार कौन है? इसका जवाब कौन देगा

,जिसमें एक बेटी की बेरहमी से बलात्कार करके हत्या कर दी जाती है और शव को कई टुकड़ों काट दिया जाता है, रांची की संध्या टोपनो की ड्यूटी के दौरान कुचलकर हत्या कर दी जाती है, बंगाल में विधानसभा चुनाव और अभी हाल के दिन में हुए पंचायत चुनाव में आम लोगों की हत्या की जाती है, बहन बेटियों के साथ बलात्कार और हत्या की जाती है, एफआईआर तक दर्ज नहीं किया जाता उल्टे पीड़ितों को ही प्रशासन के द्वारा धमकी दिया जाता है,तब आप सब कहां चले जाते हैं,चुप क्यों हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति करने वालों से कहना चाहेंगे कि चाहे आप कितना भी राजनीति कर लो किंतु मां बहनों के साथ हुए बर्बरता पर भेदभाव न करें। जहां तक घटना का सवाल है इस तरह की घटना किसी भी राज्य में होता है तो सराहनीय नहीं है। उसे किसी भी रूप में माफ नहीं करनी चाहिए। अगर अपराधियों को छुट दे दी गई तो उनका मन और भी बढ़ जायेगा वह अपराध के लिए वह हमेशा तत्पर रहेंगे।

पारस हॉस्पिटल में गर्भवती महिलाओं की हुई गोद भराई

रांची। एचईसी स्थित पारस हॉस्पिटल में शनिवार को बेबी शावर (गोद भराई) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर अस्पताल में भर्ती गर्भवती महिलाएं एवं नवजात को जन्म देने वाली महिलाओं ने शिरकत की। अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ पूनम बांका ने कहा कि नवजात एवं उनके माता-पिता के लिए खास आयोजन किया गया है। प्रसव से पूर्व गर्भवती महिलाओं को सभी बड़ों का आशीर्वाद एवं बधाई देने की परंपरा है। उसी का निर्वहन पारस अस्पताल ने किया है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अनुपमा ने कहा कि गर्भवती महिलाओं के लिए सात-आठ महीने का समय काफी मुश्किल भरा होता है।

जिला मारवाड़ी सम्मेलन सदर अस्पताल में करेगा वृक्षारोपण

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पर्यावरण संरक्षण वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा मेन रोड स्थित रांची सदर अस्पताल में 24 जुलाई, दिन सोमवार को सुबह 10:30 बजे से पौधारोपण किया जाएगा। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, महामंत्री ललित कुमार पोद्दार एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने संयुक्त रूप से बताया कि वृक्षारोपण कार्यक्रम मे कई पौधों मे चंदन, रंगन, कनेल, नींबू, कचनार, मीठा नीम, आंवला, गुलमोहर, चंपा, रातरानी सहित दर्जनों फलदार, छायादार, फूलों एवं अन्य कई प्रकार के पौधा

का पौधारोपण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रांची सदर अस्पताल के उपाधीक्षक अनिल कुमार खेतान वृक्षारोपण कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग कर रहे हैं। तथा रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने वृक्षारोपण कार्यक्रम हेतु किशन अग्रवाल को कार्यक्रम संयोजक नियुक्त किया है। जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने सभी पदाधिकारियों व सदस्यों से वृक्षारोपण कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आग्रह किया है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का निर्णय सराहनीय : बाबूलाल

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 12वीं तक की शिक्षा को क्षेत्रीय, स्थानीय भाषाओं में देने की पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के भाषाई विविधता, सांस्कृतिक समझ और शैक्षणिक सफलता को बढ़ावा देने की दिशा में बहुभाषी शिक्षा का महत्वपूर्ण दृष्टिकोण में व्यापक रूप से मान्यता प्रदान करते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 12वीं तक की शिक्षा को मातृभाषा, क्षेत्रीय भाषा, स्थानीय भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने के निर्णय का स्वागत। मरांडी ने कहा कि नई शिक्षा नीति से स्थानीय, क्षेत्रीय भाषाओं के विकास का मार्ग प्रशस्त हो रहा।

मैदान कर्बला में झूठ और सच की जंग थी : मौलाना तहजीबुल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

कोई भी इंसान एक दूसरे इंसान से नफरत नहीं करता। बल्कि उस इंसान में पाई जाने वाली बुरी आदत व बुरे काम से नफरत करता है। इस बुराई में सबसे बड़ी बुराई का नाम है झूठ। मैदान ए कर्बला में दो शाहजादो की जंग नहीं थी। बल्कि सच और झूठ की जंग थी। उक्त बातें झारखंड राज्य हज समिति के सदस्य व मस्जिद जाफरीया रांची के इमाम व खतीब हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीब उल हसन रिजवी ने कही। वह शनिवार को मस्जिद जाफरिया में शहीदाने करबला की तीसरी मजलिस को

संबोधित कर रहे थे। मस्जिद जाफरिया में दस दिवसीय एक मोहर्रम से लेकर 10 मोहर्रम तक मजलिस शाहिदान ए कर्बला का आयोजन अंजुमन जाफरिया द्वारा किया गया है। मौलाना तहजिबुल हसन रिजवी ने आगे कहा के एक तरफ झूठ लाव लश्कर और पूरे तामझाम के साथ मजहब इस्लाम को दागदार करना चाहता था। उसे बचाने के लिए पैगंबरे इस्लाम के नवासे हजरत इमाम हुसैन ने झूठ का मुकाबला अपने चंद सच्चों के लेकर किया। आखिरकार कर्बला में सच की जीत हुई और झूठ की हार। कर्बला के जंग से दुनिया को यह सीख लेनी चाहिए के झूठ जितने भी ताकतवर हो उन्हें एक ना एक दिन सच के सामने झुकना पड़ेगा। यजीद और यजीदियत का बेड़ा इमामे हुसैन ने सच्चाई के बल पर डुबोया। आज दुनिया के किसी कोने में भी यजीद का हिमायती नहीं मिलता।

कर्रा में विश्व हिंदू सरना सदान एकता मंच की बैठक

जब तक हिंदू समाज संगठित नहीं होगा तब तक चादर और फादर के हमले होते रहेंगे: एकता मंच

नवीन मेल संवाददाता। रांची

जब तक हिंदू समाज संगठित नहीं होगा, हमारे मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर हमले होते रहेंगे और भीड़ के बल पर मूलवासियों की जमीन पर कब्जा होता रहेगा। ये विचार विश्व हिंदू सरना सदान एकता मंच की शनिवार को कर्रा प्रखंड के पोढ़ा बगीचे में हुई बैठक में उभर कर आये। वक्ताओं ने हिंदुओं और सरना सनातन की एकजुटता पर बल देते हुए कहा कि हिंदुओं में एकता की कमी का ही फायदा उठाकर ईसाई मिशनरियां चांपी के दिवरी पतरा स्थित प्राचीन शिवलिंग में जलाभिषेक करने

से रोक दिया। कर्रा के ही पड़गांव में मठ में साधुओं पर जानलेवा हमला किया गया। इसके बाद भी हिंदू समाज खामोश है और इसका लाभ चादर और फादर वाले उठा रहे हैं। बैठक को संबोधित करते हुए रांची से आये भैरव सिंह ने कहा कि किसी गांव के मंदिर या धार्मिक स्थल पर दूसरे समुदाय के लोग हमला करते हैं, तो इसके विरोध में उस गांव के लोगों को उठकर खड़ा होना होगा, तभी दूसरे गांव के लोग साथ देंगे।

खूंटी के अड़की से दो फरार वारंटी गिरफ्तार

खूंटी। पुलिस कप्तान अमन कुमार के निर्देश पर फरार और स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए शनिवार को अड़की थाना प्रभारी एसआई मो इकबाल हुसैन के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाया गया और वर्षों से फरार दो वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी दल ने स्थायी वारंटी हुडुवा गांव निवासी देवेंद्र मूंडा को गिरफ्तार किया। वह पिछले आठ वर्षों से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ अड़की थाने में 2014 में धारा 364/ 323/ 34 भादवि के तहत मामला दर्ज हैं। इसके अलावा कोपे गांव से फरार वारंटी तुरी मुंडा को गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ मुरहू थाने में 2015 में धारा 302 भादवि के तहत मामला दर्ज है। इस संबंध में न्यायालय द्वारा दोनों के खिलाफ स्थायी वारंट निर्गत किया गया है।

मांग | मुख्यमंत्री से नागपुरी फिल्म 'नासूर' के कलाकरों ने की मुलाकात

समस्याओं के निदान का मिला आश्वासन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शनिवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में नागपुरी फिल्म 'नासूर' के निदेशक राजीव सिन्हा, अभिनेता विवेक नायक, अभिनेत्री शिवानी गुप्ता एवं साउंड डिजाइनर मनोज कुमार प्रेमी ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री के समक्ष नागपुरी फिल्म के निर्माता एवं निदेशक राजीव सिन्हा एवं अन्य कलाकारों ने झारखंड में फिल्म निर्माण से संबंधित संभावनाओं और समस्याओं के संबंध में अपनी बातें रखीं। मौके पर नागपुरी फिल्म 'नासूर' की टीम ने मुख्यमंत्री को नागपुरी फिल्म 'नासूर' की पटकथा के संबंध में जानकारी दी कि नासूर फिल्म डायन-बिसाही पर आधारित एक नागपुरी फीचर फिल्म है। वर्तमान समय में भी झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में डायन-बिसाही के नाम पर निर्दोष महिलाओं को प्रताड़ित किया जाता है। कभी-कभी उनकी हत्या तक कर दी जाती है। यह समस्या नासूर की तरह आज

भी जिंदा है। अखबारों में आए दिन इस प्रकार की खबरें भी प्रकाशित होती रहती हैं। नागपुरी फिल्म नासूर उपरोक्त समस्या को ही उजागर करती है। नासूर फिल्म समाज को जागरूक करने वाली एवं प्रेरणादायी फिल्म है। फिल्म के निर्माता एवं निर्देशक राजीव सिन्हा ने मुख्यमंत्री के समक्ष कहा कि इस फिल्म का निर्माण झारखंड के ही कलाकारों एवं टेक्नीशियन को लेकर बेहद ही सीमित संसाधनों में किया गया है। बहुत मशक्कत के बाद यह फिल्म रांची के जेडी सिनेमा हॉल में लगाई गई और लगातार 3 सप्ताह तक चली। इस फिल्म को दर्शकों ने बहुत सराहा, बेहद पसंद किया और अपना प्यार भी दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि वर्तमान समय में झारखंड के अन्य जिलों में सिनेमा हॉल काफी संख्या में बंद हो चुके हैं जिसकी वजह से इस फिल्म का प्रदर्शन संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से ऐसी कोई व्यवस्था करने का अनुरोध किया जिससे इस फिल्म का प्रदर्शन झारखंड के गांव-गांव तक हो सके तथा समाज में व्याप्त डायन-बिसाही जैसी कुरीति से समाज को जागरुक किया जा सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने नागपुरी फिल्म 'नासूर' की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं तथा इस संबंध में राज्य सरकार की ओर से यथोचित मदद करने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर सांसद' विजय हांसदा भी उपस्थित थे।

पृष्ठ एक के शेष

हमारा प्रयास हर हाथ को...

सौ रुपये प्रति माह होगी। इसके अलावा गैर आवासीय प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थियों को एक हजार रुपये प्रतिमाह परिवहन भत्ता भी मिलेगा। प्रशिक्षण के बाद तीन माह के अंदर नियोजन नहीं होने की स्थिति में एक वर्ष तक रोजगार प्रोत्साहन भत्ता भी दिया जाएगा। इस मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, श्रम विभाग के सचिव राजेश शर्मा, श्रम आयुक्त संजीव कुमार बेसरा, झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के मिशन डायरेक्टर सुनील कुमार, श्रम विभाग के अपर सचिव अमित प्रकाश और पवन कुमार मौजूद थे।

निजी क्षेत्रों में भी हजारों...

वाहन करेगी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान बोकारो, चतरा, गढ़वा साहिबगंज और पश्चिमी सिंहभूम जिले के एक-एक प्रखंड में खुलने वाले बिरसा केंद्र में प्रशिक्षण के लिए चयनित युवक-युवतियों से सीधा संवाद किया। इस मौके पर उन्होंने सांकेतिक रूप से 1039 प्रशिक्षणार्थियों के बैंक खाते में रोजगार प्रोत्साहन भत्ता के रूप में 13 लाख 9 हजार 5 सौ रुपये और 2178 प्रशिक्षणार्थियों को 11 लाख 87 हजार 840 रुपये परिवहन भत्ता के रूप में ट्रांसफर किए।

वज्रपात की चपेट में आने से...

बात कही। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतका अपने पीछे एक बेटे सहित तीन बेटियों को छोड़ गई। परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है और गांव में मातम का माहौल है।

वज्रपात की चपेट में आने से...

बात कही। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतका अपने पीछे एक बेटे सहित तीन बेटियों को छोड़ गई। परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है और गांव में मातम का माहौल है।

ऐसी बर्बरता पर चुप्पी...

इस राज्य ने देश को कई श्रेष्ठ खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने राष्ट्र को अनेक अंतर्राष्ट्रीय सम्मान और ओलंपिक पदक दिलाए हैं। कुंजुरानी देवी, थोइबा सिंग, रेन्नेडी सिंग, डिंगको सिंग, मीराबाई चानू, सरिता देवी और मैरी कॉम जैसे खिलाड़ियों के नाम का जिक्र करते हुए सोरेन ने कहा है कि उन्होंने भी शांति बहाली की अपील की है। मुख्यमंत्री ने लिखा है, दो दिन पूर्व मणिपुर में आदिवासी महिलाओं के साथ जिस तरह से बर्बरतापूर्ण व्यवहार हुआ, वह अत्यंत चिंतनीय और निंदनीय है। इस घटना ने पूरे देश को अंदर तक झकझोर कर रख दिया है। भारतीय संविधान में देशवासियों को प्राप्त सम्मान के अधिकार को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। एक समाज को कभी भी उस हद तक नहीं जाना चाहिए, जहां लोगों को उस तरह की शारीरिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक क्रूरता का सामना करना पड़े। ऐसा प्रतीत होता है, मणिपुर में शांति, एकता और न्याय समाप्त होने के कगार पर है। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को कहा है कि मणिपुर और देश के सामने संकट की इस घड़ी में हम आपको आशा और प्रेरणा के अंतिम स्रोत के रूप में देखते हैं जो इस कठिन समय में मणिपुर के लोगों को रोशनी दिखा सकती हैं। इस विकट परिस्थिति में आगे का रास्ता दिखाने, न्याय सुनिश्चित करने और मणिपुर की शांति एवं सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने की अपील करता हूं।

सजावटी फूलों की खेती से बनाई...

पार्टी और बुके आदि के लिए होती है। उन्होंने बताया कि उनके फूलों के ग्राहक स्थानीय ग्रामीण ही नहीं, बल्कि खूंटी, रांची, बेड़ो, सिसई सहित अन्य जगहों के व्यापारी भी उनकी नर्सरी से फूलों की खरीदारी करते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी सफलता को देखकर न उनके गांव लोहाड़ा, बल्कि अन्या गांव के पुरुष और महिला किसान भी फूलों की खेती करने के लिए प्रेरित हुई हैं। आरती कहती हैं कि आप में मेहनत करने का जज्बा हो और थोड़ी बहुत जानकारी है, तो आप बागवानी से अच्छी आमदनी प्राप्त कर अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकती हैं।

सभी भारतीय भाषाओं में होगी...

उपलब्ध कराई जा सकें।' स्कूल शिक्षा बोर्ड ने कहा कि उच्च शिक्षा प्राधिकरण ने भी कई भाषाओं में शिक्षा प्रदान करना शुरू कर दिया है और विभिन्न भाषाओं में परीक्षा आयोजित कर रहा है। तकनीकी, चिकित्सा, व्यावसायिक, कौशल, कानून शिक्षा आदि में पाठ्यपुस्तकें अब भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हो रही हैं। सीबीएसई ने आगे कहा कि यह पहल स्कूलों के लिए बहुभाषी शिक्षा की नींव बनना महत्वपूर्ण बनाती है। इमैनुएल ने कहा, 'चूंकि उच्च शिक्षा ने इस आवश्यकता पर प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया है, इसलिए स्कूली शिक्षा को इसकी नींव बनना होगा। शिक्षा के माध्यम के प्रति दृष्टिकोण स्कूली शिक्षा से उच्च शिक्षा तक निरंतरता होना चाहिए। इसलिए, सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों को भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षा प्रदान करके इस महान प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की जरूरत है।' उन्होंने कहा, 'अब उठाए गए प्रमुख कदमों में से एक शिक्षा मंत्रालय द्वारा एनसीईआरटी को 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं के माध्यम से नई पाठ्यपुस्तकें तैयार करने का निर्देश देना है। एनसीईआरटी ने इस गंभीर कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लिया है ताकि 22 अनुसूचित भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें अगले सत्र से सभी छात्रों को उपलब्ध कराई जा सकें।

NEWS इन ब्रीफ

मोनाको डायमंड लीग में छठे स्थान पर रहे प्रवीण चित्रावेल

मोनाको। त्रिकूद में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रवीण चित्रावेल मोनाको डायमंड लीग एथलेटिक्स प्रतियोगिता में आशानुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए और छठे स्थान पर रहे। चित्रावेल ने शुक्रवार को अपने पांचवें प्रयास में 16.59 मीटर की कूद लगाई, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास था। चित्रावेल का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 17.37 मीटर का है। असल में यह उनका सत्र का सबसे खराब प्रदर्शन है। इससे पहले इस सत्र में उन्होंने तीन प्रतियोगिताओं में 17 मीटर से अधिक की कूद लगाई थी।

विकेट कीपर ब्रायन टैबर का निधन, शोक

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई और न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) विकेटकीपर ब्रायन टेबर के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। 1966/70 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 16 टेस्ट मैच खेलने वाले टेबर का शुक्रवार को 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। व्यापक रूप से ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने वाले सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक माने जाने वाले टेबर अपने त्रुटिहीन ग्लववर्क और स्टंप के पीछे शांत व्यवहार के लिए प्रसिद्ध थे। जोहान्सबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में टेबर ने सात कैच और एक स्टंपिंग की। उन्होंने 56 कैच और चार स्टंपिंग की और 48 के शीर्ष स्कोर के साथ 353 रन बनाए। वॉलोन्गॉन्ग में पले-बढ़े, टेबर 1964/65 से 1973/74 तक 129 प्रथम श्रेणी मैच खेलते हुए एनएसडब्ल्यू टीम के दिग्गज खिलाड़ी थे। उन्होंने कई मौकों पर अपने राज्य की कप्तानी की, एक प्रथम श्रेणी शतक दर्ज किया।

विंबलडन चैंपियन अल्करेज की होपमैन कप में संघर्षपूर्ण जीत

नीस। विंबलडन चैंपियन बनने के बाद पहली बार कोर्ट पर उतरे कार्लोस अल्करेज को होपमैन कप टेनिस टूनामेंट में बेल्जियम के डेविड गॉफिन पर जीत दर्ज करने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। स्पेन के विश्व में शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी ने यह मैच 4-6, 6-4, 10-8 से जीता। उन्होंने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके जीत दर्ज की। दोनों खिलाड़ियों ने इस मैच में दो दो बार अपनी सर्विस गंवाई। अल्करेज ने पिछले रविवार को 23 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को पांच सेट तक चले मैच में पराजित करके पहली बार विंबलडन का खिताब जीता था।

सैफ अंडर-16 और अंडर-19 चैम्पियनशिप के लिए ड्रा घोषित

नई दिल्ली। सैफ अंडर-16 और अंडर-19 चैम्पियनशिप 2023 के लिए बांग्लादेश के ढाका में बीएफएफ हाउस में शनिवार को ड्रा निकाला गया। अंडर-16 इवेंट में, भारत को नेपाल और बांग्लादेश के साथ ग्रुप ए में रखा गया था। मेजबान भूटान, मालदीव और पाकिस्तान को ग्रुप बी में रखा गया था। सैफ अंडर-16 चैंपियनशिप 1-10 सितंबर, 2023 तक थिम्पू के चांगलिमिथांग स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। अंडर-19 इवेंट में भारत को ग्रुप बी में भूटान और बांग्लादेश के साथ रखा गया है, जबकि मेजबान नेपाल, मालदीव और पाकिस्तान ग्रुप ए में हैं। सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप 2023 का आयोजन 21-30 सितंबर, 2023 तक काठमांडू के दशरथ स्टेडियम में किया जाएगा। दोनों प्रतियोगिताओं का प्रारूप एक जैसा है. एकल राउंड-रॉबिन समूह चरण के बाद, दोनों समूहों की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में मिलेंगी, जिनमें से विजेता टीमें फाइनल में जाएंगी। भारत 2022 में अंडर-20 और अंडर-17 आयु दोनों समूहों में सैफ युवा टूर्नामेंटों का चैंपियन बनकर उभरा।

‘वेस्टइंडीज के लिए बड़ा स्कोर बनाने का बेहतरीन मौका’

एजेंसी। नई दिल्ली

वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को पोर्ट ऑफ स्पेन में दूसरे टेस्ट में भारत को पहली पारी में 438 रनों पर रोककर और फिर दिन का अंत 86/1 पर करके मुकाबले में वापसी की। कप्तान क्रैग ब्रैथवेट (37 बल्लेबाजी) और किर्क मैकेंजी (14 बल्लेबाजी) शनिवार को कार्यवाही फिर से शुरू करेंगे। इससे पहले, भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने पांच साल में अपने पहले विदेशी शतक के लिए 121 रन बनाए, रवींद्र जड़ेजा ने 61 रन का योगदान दिया और आर अश्विन ने 56 रन बनाए, जिससे भारत ने खुद को मजबूत स्थिति में ला दिया। तीसरे दिन क्या उम्मीद की जानी चाहिए, इसके बारे में बोलते हुए, भारत के पूर्व विकेटकीपर सबा करीम, जो कि जियोसिनेमा विशेषज्ञ हैं, ने कहाः ह्लयह युवा वेस्ट इंडीज टीम के लिए अच्छा स्कोर बनाने और कम से कम इस टेस्ट मैच में लड़ने की स्थिति में पहुंचने का एक सही मौका है। उन्हें इस तरह के विकेट पर भारतीय गेंदबाजों पर कुछ और दबाव बनाना होगा और आप उम्मीद करते हैं कि वेस्ट इंडीज का यह युवा बल्लेबाजी क्रम अच्छा प्रदर्शन करेगा।"

तो, मेजबान टीम को बैकफुट पर लाने के लिए भारतीय गेंदबाजों को क्या अलग करने की जरूरत है? करीम ने समझाया, यह तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के लिए एक चुनौतीपूर्ण सतह है क्योंकि विकेट धीमी है। उदाहरण के लिए, भले ही स्पिनर फ्लाइट में बल्लेबाजों को धोखा देने में सक्षम हों, उनके पास बैकफुट पर जाने और स्पिन या प्रस्तावित टर्न को नकारने के लिए पर्याप्त समय होता है।

तेज गेंदबाजों के लिए, उन्हें हर समय अलग-अलग योजनाओं पर काम करने की जरूरत होती है। शॉर्ट-बॉल रणनीति भी प्रभावी हो सकती है या एक-विकेट लाइन पर गेंदबाजी करने से भी मदद मिल सकती है। हमने देखा कि वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों ने भारतीय टीम के साथ क्या किया। वे बाएं हाथ के बल्लेबाज से दूर हो गए। इसी तरह की रणनीति युवा भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण द्वारा अपनाई जा सकती है। लेकिन, मुझे लगता है कि तीसरे दिन जडेजा और आर अश्विन की स्पिन जोड़ी के लिए काफी काम बाकी है। करीम को उम्मीद है कि जैसे-जैसे मैच अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंचेगा, विकेट से कुछ टर्न मिलेगा। ह्लदूसरा दिन बल्लेबाजी के लिए शानदार सतह थी। तीसरे दिन, मुझे उम्मीद है कि विकेट कुछ प्रकार का टर्न देगा, इतना उछाल नहीं होगा लेकिन भारत के स्पिनरों के लिए टर्न अधिक प्रभावशाली हो सकता है। अश्विन और जडेजा को इन परिस्थितियों का फायदा उठाने में सक्षम होना चाहिए।

इमर्जिंग एशिया कप 2023

भारत ए ने बांग्लादेश ए को हराया फाइनल में पाक ए से मुकाबला

एजेंसी। कोलंबो

भारत ए ने कम स्कोर वाले सेमीफाइनल में बांग्लादेश ए को 51 रन से हराकर एसीसी पुरुष इमर्जिंग एशिया कप 2023 के फाइनल में जगह बनाई, जहां उसका मुकाबला रविवार को यहां आर. प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान ए से होगा। पहले बल्लेबाजी करते हुए, भारत शुक्रवार को 211 रन पर आउट हो गया, जिसमें कप्तान यश ढुल 85 गेंदों में 66 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोरर रहे। बोर्ड पर एक मामूली स्कोर के साथ, बाएं हाथ के स्पिनर निशांत सिंधु ने अपने उल्लेखनीय पांच विकेट (20 रन पर 5 विकेट) के साथ भारत ए के लिए खेल का रुख बदल दिया, क्योंकि बांग्लादेश 34.2 ओवर में 160 रन पर आउट हो गया। जीत के लिए कुल 212 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए, बांग्लादेश की टीम ने छह रन प्रति ओवर की दर से रन बनाए, क्योंकि सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन (51, 56 गेंद) और मोहम्मद नईम (38, 40 गेंद) ने भारतीय गेंदबाजों पर कड़े प्रहार किये। 11 ओवर से कुछ अधिक समय में बांग्लादेश का स्कोर 70 रन था। हालांकि, इसके बाद वे अपनी राह से भटक गए, भारतीय स्पिनरों ने दबाव बनाया और नियमित अंतराल में विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर सुथार ने नईम को आउट किया और इससे बांग्लादेश के बल्लेबाजों का पवेलियन लौटने का सिलसिला शुरू हो गया। सिंधु के जादू के सामने बांग्लादेश ने अपने बाकी नौ विकेट 90 रनों पर खो दिए और मैच हार गए। इससे पहले पाकिस्तान ए ने पहले सेमीफाइनल में श्रीलंका ए को 60 रनों से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

संक्षिप्त स्कोरः भारत ए 49.1 ओवर में 211-10 (यश ढुल 66, अभिषेक शर्मा 34; रकीबुल हसन 2/36; महेदी हसन 2/39) ने बांग्लादेश ए को 34.2 ओवर में 160-10 (तनजीद हसन 51, मोहम्मद नईम 38; निशांत सिंधु 5/20, मानव सुथार 3/32) को 51 रन से हराया।

भारत-बंग्लादेश के बीच तीसरा वनडे हुआ ड्रॉ, सीरीज टाई

सीरीज भी 1-1 से बराबरी पर छूटी

एजेंसी। ढाका

भारत और बांग्लादेश के बीच शनिवार को खेला गया रोमांचक तीसरा महिला एकदिवसीय मुकाबला टाई रहा। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 225 रन बनाये। भारतीय टीम 41 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 191 रन बना चुकी थी, लेकिन निचले क्रम की निराशाजनक बल्लेबाजी के कारण पूरी टीम 49.3 ओवर में 225 रन पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश के लिये महिला एकदिवसीय क्रिकेट में पहला शतक जड़ते हुए फर्गना हक ने 160 गेंद पर सात चौकों की सहायता से 107 रन बनाये। भारत की ओर से मंधाना और हरलीन ने अर्द्धशतक जड़े, जबकि छह अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। इस टाई के साथ भारत और बंगलादेश के बीच तीन मैचों की महिला एकदिवसीय श्रृंखला भी 1-1 पर समाप्त हुई। भारत ने इससे पहले टी20 सीरीज 2-1 से जीती थी।

नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी ने डिफेंडर सोरैशम दिनेश सिंह के साथ दो साल का करार किया

गुवाहाटी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने शनिवार को बहुमुखी डिफेंडर सोरैशम दिनेश सिंह के साथ दो साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। मणिपुर में जन्मे फुटबॉलर क्लब के लिए नवीनतम अधिग्रहण बन गए हैं क्योंकि वे 2023-24 फुटबॉल सीजन के लिए टीम को मजबूत करना जारी रख रहे हैं। शिलांग लाजोंग और रॉयल वाहिंगदोह में संक्षिप्त युवा कार्यकाल के बाद, दिनेश की पेशेवर यात्रा 2016 में रियल कश्मीर के साथ शुरू हुई। एक साल बाद, वह टीआरएयू एफसी के लिए खेलने के लिए अपने गृह राज्य लौट आए, जहां उन्होंने तीन सीजन बिताए, जिसके दौरान रेड पायथन को आई-लीग में भी पदोन्नत किया गया। इसके बाद वह 2021-22 सीजन से पहले नए प्रवेशकों श्रीनिदी डेक्कन में चले गए, जहां उन्होंने अगले दो सीजन में बहुत प्रभावित किया।

एशियाई खेलों में अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं भूटान के तैराक

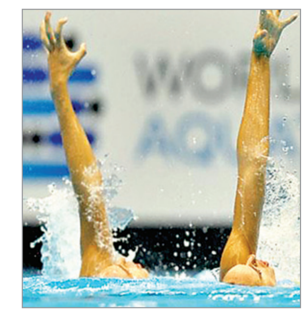

एजेंसी। थिम्पू (भूटान)

प्रतिष्ठित एशियाई खेलों के आगमन के साथ भूटानी खेल समुदाय और अधिक समृद्ध हो रहा है। भूटान एक्वेटिक्स फेडरेशन के सांगे तेनज़िन और किनले लेंडुप दो अनुभवी तैराक हैं। भूटान लाइव के अनुसार ये उत्कृष्ट एथलीट सितंबर में चीन में होने वाले बहुप्रतीक्षित खेलों में अपने देश के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। सांगे तेनज़िन 100 और 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पधाओं में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे और किनले लेंडुप 200 और 100 मीटर व्यक्तिगत मेडले प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे। दोनों तैराक सबसे पहले वैश्विक तैराकी चैंपियनशिप में भाग लेंगे, जो 23 से 28 जुलाई तक जापान में आयोजित की जाएगी। इससे गारंटी होगी कि वे एशियाई खेलों के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। भूटान लाइव के अनुसार यह अंतर्राष्ट्रीय टूनामेंट अत्यधिक प्रतिस्पर्धी एशियाई खेलों में उनके प्रदर्शन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सांगे तेनज़िन और किनले लेंडुप जैसे एथलीटों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण तैराकी भूटान में काफी लोकप्रिय हो गई है। यह तथ्य कि उन्हें प्रसिद्ध एशियाई खेलों में भूटान का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया, तैराकी में भूटानी बच्चों की बढ़ती प्रतिबद्धता और उत्साह का प्रमाण है। 2019 से इस गतिशील जोड़ी ने 12 से अधिक देशों के तैराकों के साथ कठोर प्रशिक्षण लिया है।

बेंगलुरु स्मैशर्स का मुकाबला इन-फॉर्म पुनेरी पलटन टेबल टेनिस से

एजजेंसी। पुणे।

पिछले मुकाबले में मौजूदा चैंपियन चेन्नई लायंस के खिलाफ मिली पहली जीत के बाद बेंगलुरु स्मैशर्स टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है और अब महालुंगे-बालेवाड़ी स्थित शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जारी अल्टीमेट टेबल टेनिस के चौथे सीजन में उसका सामना बेहतरीन फॉर्म में चल रही पुणेरी पलटन टेबल टेनिस से होगा, जिसे जीतना उसका लक्ष्य होगा। एक जीत भी बेंगलुरु स्मैशर्स को सेमीफाइनल की दौड़ में बनाए रखेगी, जबकि एक हार उसके लीग के नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाओं को कमजोर कर सकती है। बेंगलुरु स्मैशर्स को उम्मीद होगी कि उसकी भारतीय सुपरस्टार मनिका बत्रा अपनी जीत के लय को बनाए रखते हुए योगदान देती रहें। इसके अलावा किरिल गेरासिमेंको और नतालिया बाजोर भी फ्रेंचाइजी के प्रमुख खिलाड़ी हैं, जो लगातार अच्छा खेल रहे हैं। पुनेरी पलटन टेबल टेनिस के खिलाफ होने वाले आगामी मुकाबले से पहले किरिल ने कहा, पिछले कुछ मुकाबले वास्तव में कठिन थे, लेकिन गत चैंपियन चेन्नई लायंस के खिलाफ जीत ने हमें काफी आत्मविश्वास दिया है। हम में विश्वास जगा है कि हम हमेशा वापसी कर सकते हैं।

सात्विक-चिराग पुरुष युगल फाइनल में पहुंचे

एजेंसी। येओसु

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने शनिवार को यहां जिन्नम स्टेडियम में सेमीफाइनल में चीन के लियांग वी केंग/वांग चांग को 21-15, 24-22 से हराकर कोरिया ओपन 2023 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। यह सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की तीन मुकाबलों में चीनी विश्व नंबर 2 जोड़ी पर पहली जीत थी। लियांग वेइकेंग और वांग चांग ने इस साल की शुरूआत में ऑल इंग्लैंड ओपन और मलेशिया ओपन में भारतीयों से बेहतर प्रदर्शन किया था। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग की जोड़ी पहले ही 2023 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर में स्विस और इंडोनेशिया ओपन खिताब जीत चुकी है। कोरिया ओपन के फाइनल में, उनका सामना रविवार को इंडोनेशियाई शीर्ष वरीयता प्राप्त फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्दियांतो और कोरिया गणराज्य के कांग मिन ह्युक और सियो सेउंग जे के बीच दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले के विजेता से होगा। यह बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में भारतीय जोड़ी की तीसरी उपस्थिति होगी, जिन्होंने 2019 थाईलैंड ओपन और 2022 इंडिया ओपन में पिछले दो प्रदर्शनों में जीत हासिल की थी। यह उनका साल का तीसरा फाइनल भी है। मैच में कड़ी शुरूआत के बाद, दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी और तीसरी वरीयता प्राप्त सात्विकसाईराज और चिराग ने लगातार पांच अंक जीतकर पहले गेम में बढ़त हासिल कर ली और स्कोर 9-8 से 14-8 कर दिया। इसके बाद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने गति पकड़ते हुए पहला गेम आसानी से समाप्त कर दिया।

जिम एफ्रो टी 10 | डरबन कलंदर्स ने किया शानदार प्रदर्शन

केप टाउन सैम्प आर्मी 8 रन से हारे

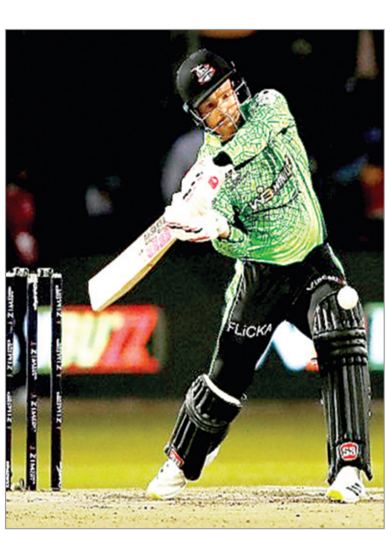

एजेंसी। हरारे

डरबन कलंदर्स ने जिम एफ्रो टी10 के उद्घाटन संस्करण में अपने अभियान की शानदार शुरूआत की, क्योंकि उन्होंने यहां केप टाउन सैम्प आर्मी के खिलाफ करीबी मुकाबले में 8 रनों से जीत हासिल की। कलंदर्स, जिन्हें टिम सीफर्ट ने अच्छी शुरूआत दी थी, ने टीम के रूप में प्रदर्शन किया लेकिन हार से बच गए क्योंकि अनुभवी भारतीय क्रिकेटर पार्थिव पटेल ने देर से जवाबी हमले के साथ मैच लगभग जीत लिया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए, रोशनी के नीचे, डरबन कलंदर्स ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे खचाखच भरे स्टेडियम में खुशी का माहौल था। हजरतुल्लाह जजई और टिम सीफर्ट शुरूआत से ही अच्छे क्लिप पर स्कोर कर रहे थे, और दोनों छोर से बाउंड्री लगा रहे थे। केप टाउन सैम्प आर्मी का कोई भी गेंदबाज शुरूआती बल्लेबाजों पर ब्रेक लगाने में सक्षम नहीं था, जिन्होंने पांच ओवर के निशान से काफी पहले अर्धशतक बनाने की जल्दी की थी। प्रशंसकों के उत्साहवर्धन के साथ, कलंदर्स एक बड़े स्कोर की ओर अग्रसर दिख रहे थे। हालाँकि, सातवें ओवर में, अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान ने कलंदर्स को पहला झटका दिया, उन्होंने 49 रन पर न्यूजीलैंड के तेजतर्रार खिलाड़ी सीफर्ट का विकेट हासिल किया। इसके तुरंत बाद, जजई (38) को टॉम करेन ने आउट कर दिया, क्योंकि पारी के अंतिम ओवरों में कलंदर्स थोड़ा धीमा हो गए। आंद्रे फ्लेचर और आसिफ अली ने अंत में कुछ तेजी से रन जोड़े, आखिरी ओवरों में 28 रनों की साझेदारी करके कलंदर्स को 10 ओवरों में 126/3 पर पहुंचा दिया। जवाब में, सैम्प आर्मी को संभलने में कुछ समय लगा, क्योंकि उन्होंने सेफस झुवाओ का शुरूआती विकेट खो दिया था। इसके बाद रहमानुल्लाह गुरबाज और भानुका राजपक्षे ने 30 रन की साझेदारी की, जिससे सैम्प आर्मी को पांचवें ओवर में 50 रन के आंकड़े तक पहुंचने में मदद मिली। लेकिन जैसे ही वे 50 रन के आंकड़े तक पहुंचे, जॉर्ज लिंडे ने गुरबाज को 19 रन पर आउट कर सैम्प आर्मी पर ब्रेक लगा दिया। इसके बाद सीन विलियम्स (0), राजपक्षे (14) और टॉम करेन (0) के एक के बाद एक तेजी से आउट होने से सैम्प आर्मी का पतन हो गया, जिससे कलंदर्स को मैच पर पूरा नियंत्रण लेने का मौका मिला। इसके बाद पार्थिव पटेल और करीम जानत थे, दोनों को एक पहाड़ पर चढ़ना था अगर सैम्प सेना सफल हो जाती तो एक आश्चर्यजनक वापसी होती। सैम्प आर्मी की कमर टिकी हुई थी और उसे अंतिम 2 ओवरों में 46 रनों की जरूरत थी। जनत और पार्थिव अभी तक हार नहीं मान रहे थे और दोनों बल्लेबाजों ने कलंदर्स के गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ आक्रामकता बढ़ा दी, जिससे अंतिम ओवर में समीकरण 27 रन पर आ गया। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव ने अंतिम ओवर में तेंदई चतारा पर प्रहार किये, लेकिन सैम्प आर्मी को लाइन पार नहीं ले जा सके और 8 रन से हार गए।

संक्षिप्त स्कोरः डरबन कलंदर्स 126/3 (टिम सीफर्ट 49, हजरतुल्लाह जजई 38; टॉम करेन 1/11, मुजीब उर रहमान 1/12) ने केप टाउन सैंप आर्मी 118/5 (पार्थिव पटेल 37 नाबाद, करीम जानत 30 नाबाद; अजमतुल्लाह ओमेरजई 2/14, जॉर्ज लिंडे 2/18) को 8 रनों से हराया।